हरिभूमि

जबलपुर

गुरुवार 4 जून 2026

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

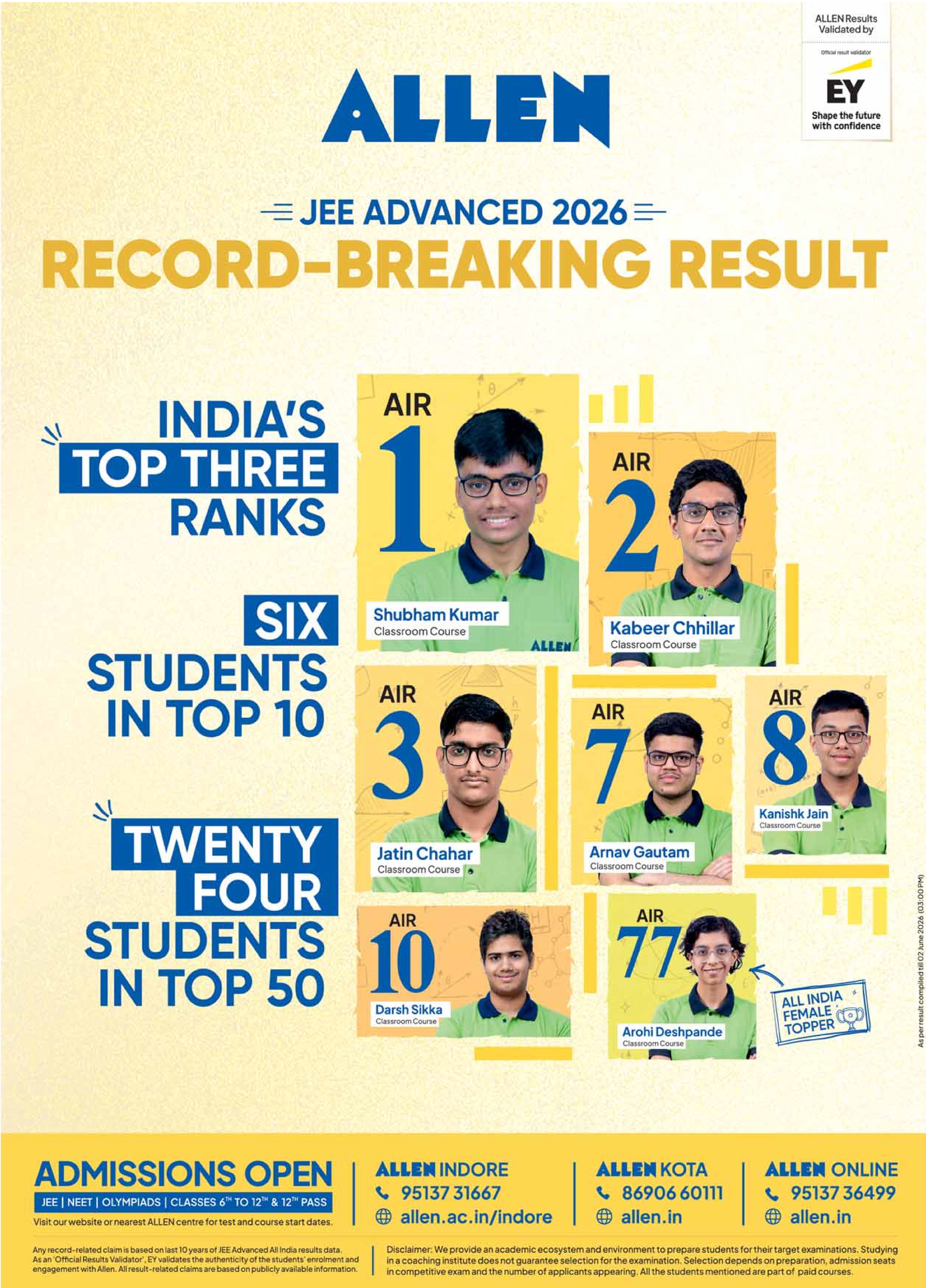

ALLEN
OUR PRIDE
RESULT: JEE ADVANCED 2026
THE TOP 100
ALLEN Results Validated by
Official result validator
EY
Shape the future with confidence
AIR 11 Nikunj Agrawal Classroom Course
AIR 12 Aryan Ragupathy Classroom Course
AIR 14 Prince Choudhary Classroom Course
AIR 16 Tanay Agarwal Classroom Course
AIR 18 Riddhesh Bendale Classroom Course
AIR 19 Shaswat Banerjee Classroom Course
AIR 25 Madhav S. Notani Classroom Course
AIR 27 Abhipraya Verma Classroom Course
ONLINE CHAMPION
AIR 52 Yashwardhan Online Classroom Course
AIR 29 Bhavesh Patra Classroom Course
AIR 30 Amrit Raj Classroom Course
AIR 32 Mahroof Ahmed Khan Classroom Course
AIR 33 Koustubh Deshpande Classroom Course
AIR 41 Snehal Roy Choudhury Classroom Course
AIR 43 Shaurya Khemka Classroom Course
AIR 44 Yash Yadav Classroom Course
AIR 46 Surya Kanti Ghosh Classroom Course
AIR 48 Nathan Jais Classroom Course
AIR 50 Keshav Mangal Classroom Course
AIR 55 Parth Maheshwary Classroom Course
AIR 57 Piyush K. Dhakar Classroom Course
AIR 59 Sushant K. Agarwal Classroom Course
AIR 68 Anvesh Patel Classroom Course
AIR 69 Prakhar Sharma Classroom Course
AIR 70 Sneham Palangdar Classroom Course
AIR 71 Praneel Debnath Classroom Course
AIR 72 Nishkarsh Singh Classroom Course
AIR 77 Arohi Deshpande Classroom Course
AIR 79 Badekal V. Krishna Classroom Course
AIR 82 Kovid Boob Classroom Course
AIR 84 Arnav Jain Online Test Series
AIR 85 Aditya G. Wagh Classroom Course
AIR 97 Atishay Jain Classroom Course
AIR 98 Anshu Classroom Course
AIR 99 Ruchit Agrawal Classroom Course
41 STUDENTS IN TOP 100
ALLEN INDORE
POWERHOUSE OF JEE RESULTS
IIT KANPUR ZONE TOPPER
AIR 18
Riddhesh Anant Bendale
Classroom Course
IIT KANPUR ZONE 2nd TOPPER
AIR 55
Parth Maheshwary
Classroom Course
AIR 197 Anvesh Gami (Patidar) Classroom Course
AIR 246 Daksh Jain Classroom Course
AIR 263 Bhomik Pawar Classroom Course
AIR 523 Akshay Goyal Classroom Course
AIR 526 Aalekh Jain Classroom Course
AIR 717 Arnav Sisodia Classroom Course
AIR 817 Rishabh Gurjar Classroom Course
AIR 932 Sarthak Shrivastava Classroom Course
AIR 1037 Chetan Yadav Classroom Course
AIR 1353 Aadarsh Mandrah Classroom Course
AIR 1361 Gaurav Khandelwal Classroom Course
AIR 1411 Jay Longwani Classroom Course
AIR 1520 Vinamra Vyas Classroom Course
AIR 1592 Meet Goyal Classroom Course
AIR 1593 Atharv Bharani Classroom Course
AIR 2119 Toshir Jain Classroom Course
AIR 2188 Atharva Deshmukh Classroom Course
AIR 2228 Ayati Nighoskar Classroom Course
AIR 2257 Sujal Patel Classroom Course
AIR 2267 Yagyam Patidar Classroom Course
AIR 2270 Daksh Lal Nigam Classroom Course
AIR 2310 Rishit Sahu Classroom Course
AIR 2864 Sanvi Pandey Classroom Course
AIR 3029 Neel Amol Badgujar Classroom Course
AIR 3350 Aaradhya Sharma Classroom Course
AIR 3426 Yash Neema Classroom Course
AIR 3511 Pranay Yadav Classroom Course
AIR 3611 Harsh Singh Classroom Course
AIR 3650 Veddant Singhal Classroom Course
AIR 3724 Kuber Prajapati Classroom Course
AIR 3835 Suyash Singh Classroom Course
AIR 3842 Shubhang Deshmukh Classroom Course
AIR 3891 Dhruv Raghuvanshi Classroom Course
AIR 4293 Taksh Gandhi Classroom Course
AIR 4346 Geetansh Gupta Classroom Course
AIR 4489 Yatharth Shrivastava Classroom Course
AIR 4657 Anshdeep Dengre Classroom Course
AIR 4990 Rituj Patel Classroom Course
5 Students in Top 300 AIR
10 Students in Top 1000 AIR
40 Students in Top 5000 AIR
275+ Students Qualified
As per result compiled till 02 June 2026 (03:00 PM)
A HISTORIC HAT-TRICK OF
AIR 1 IN JEE ADVANCED
AIR 1 2026
AIR 1 2025
AIR 1 2024
Shubham Kumar Classroom Course
Rajit Gupta Classroom Course
Ved Lahoti Classroom Course
THEY MADE IT POSSIBLE WITH ALLEN, NOW IT'S YOUR TURN.
SIGN UP FOR ASAT
GET UP TO 90% SCHOLARSHIP*
TEST DATES
7 & 14 JUNE
ALLEN INDORE
95137 31667
allen.ac.in/indore
NEW BATCHES STARTING FROM 3 JUNE
Any record-related claim is based on last 10 years of JEE Advanced All India results data.
As an 'Official Results Validator', EY validates the authenticity of the students' enrolment and engagement with Allen. All result-related claims are based on publicly available information.
Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid courses.

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दहशत में चीखती मासूम

अधजले लोगों को बचाते देवदूत

फंसे लोगों को रेस्क्यू टीम ने निकाला

इस व्यवस्था ने ली जिंदगियों की बलि

1 होटल का एंट्री व एग्जिट गेट एक ही था

2 डिजिटल गेट था, आग से बायरिंग जली और जाम गेट हो गया

मौतों से फर्क पड़ता तो ये आंकड़ा न होता?

पिछले 6 महीने में दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिस स्टे गेस्ट हाउस में तड़के लगी भीषण आग, बेसमेंट के लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में इलेक्ट्रिक चूल्हे में धमाका

नींद में ही 'जिंदा' जल गए 21 मेहमान

- बाकी ठहरे हुए लोगों की नींद टूटी तो कोई छत, कोई बाल्कनी तो कोई खिड़की से नीचे कूदा, 40 लोग बचाए गए
- मृतकों में 17 विदेशी नागरिक, अधिकांश लाइबेरिया, नाइजीरिया, मोजाम्बिक और बांग्लादेश के रहने वाले
- दावा किया कि आग लगने के लगभग एक घंटे बाद फायरफाइटर्स मौके पर पहुंचे
- दिल्ली पुलिस ने बताया कि होटल का मालिक लोकेश बजाज, वह फरार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के मालवीय नगर के हौजरानी स्थित फ्लरिस स्टे गेस्टहाउस के बेसमेंट में चल रहे लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में बुधवार की सुबह 5 .58 बजे भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से 21 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 घायल हैं। इनमें से ज्यादातर लोग नींद में थे। इन मृतकों में 17 विदेशी नागरिक शामिल हैं। मरने वालों में एक ही परिवार के 8 लोग शामिल हैं। अधिकांश मृतक लाइबेरिया, नाइजीरिया, मोजाम्बिक और बांग्लादेश के रहने वाले थे। दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है। 40 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए। उन्होंने खिड़कियों के शीशे तोड़े और कंबल लेकर उन लोगों को बचाने के लिए दौड़े। जिसकी भी नींद टूटी तो कोई छत, कोई बाल्कनी तो कोई खिड़की से नीचे कूद पड़ा।

मृतकों में एक ही परिवार के 8 लोग शामिल

6 रूम की परमिशन, लेकिन 25 कमरे थे, फायर एनओसी भी नहीं

फ्लरिस स्टे गेस्टहाउस को बेड एंड ब्रेकफास्ट कॉन्सेप्ट के तहत लाइसेंस जारी किया गया था। इसके तहत 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे बने थे। होटल के पास फायर एनओसी नहीं थी। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और एम्स भी है।

होटल मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

अग्निकांड मामले में होटल मालिक लोकेश बजाज उर्फ टिंकू और उसके साझेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। दिल्ली पुलिस ने इस हादसे को लेकर भारतीय न्याय संहिता के तहत गैर-इरादतन हत्या और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पीएम मोदी ने संवेदनाएं व्यक्त की, मदद का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अग्निकांड पर दुख जताया और मृतक के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। पीएम ने कहा कि दिल्ली के मालवीय नगर में आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

होटल से कूदते हुए मेहमान

दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर मौत ने बोला था धावा

इमारत के मुख्य दरवाज़े पर एक इलेक्ट्रॉनिक गेट था जो रात में अपने आप बंद हो जाता था। आग की वजह से बिजली चली गई थी, इसलिए गेट पूरी तरह से जाम हो गया था और खुल नहीं रहा था। बाहर निकलने का कोई रास्ता ही नहीं था। आग ग्राउंड और पहली मंजिल पर लगी थी, जिससे दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर रहने वाले लोग पूरी तरह से फंस गए थे। फिर, पीड़ितों ने नीचे से ईंटें और पत्थर फेंके, जिससे शीशे टूट गए। दो भारतीय दूसरी मंजिल से कूद गए, लेकिन उन्हें चोट लग गई। कुछ विदेशी थे, वे चौथी मंजिल से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। सामने वाली इमारत के ऊपर से एक रस्सी डाली गई। उस महिला ने रस्सी पकड़ भी ली थी, लेकिन वह फिसल गई, फिर भी वह नीचे बिछाए गद्दों पर गिरी।

महिला को निकाला

कूदने के कारण कई लोगों को फ्रैक्चर

मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुद्धिराजा ने कहा कि आग से बचने के लिए ऊपरी मंजिल से कूदने के कारण कई लोगों को फ्रैक्चर हो गया। ज्यादातर को हड्डियों और पेल्विक हड्डियों में फ्रैक्चर हुए। एक की रीढ़ की हड्डी में चोट है और उसकी न्यूरोसर्जरी हो रही है।

केरल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

वायरल गर्ल को माना बालिग, पति को गिरफ्तारी से 1 महीने की राहत

अग्रिम जमानत के लिए मप्र की सक्षम अदालत में याचिका दायर कर सकेगा पति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए देश भर में चर्चा का विषय बनी वायरल गर्ल मोनालिसा को प्रथम दृष्टया बालिग माना है। इसके साथ ही अदालत ने उसके पति को एक महीने की ट्रांजिट बेल (अग्रिम जमानत के लिए समय) दे दी है। इस आदेश के बाद अब अगले एक महीने तक मध्य प्रदेश पुलिस युवक को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी।

श्रद्धालुओं के लिए इंतजार खत्म!

15 से खुलेंगे भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के 'कपाट'

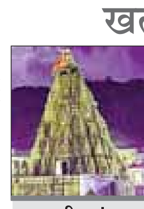

■ करीब पांच महीने से बंद थे

एजेंसी ▶▶ पुणे

भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल महाराष्ट्र के पुणे स्थित प्रसिद्ध भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। करीब पांच महीने से बंद इस मंदिर के कपाट आगामी 15 जून 2026 से दोबारा खोल दिए जाएंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार, सुचारू दर्शन व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 5 जून 2026 से शुरू होगी।

अंधेरी सबवे में 4 फीट तक भरा पानी, मार्ग बंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बुधवार को हुई तेज प्री-मानसून बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। समूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई,

जिससे यातायात ठप हो गया। पश्चिमी उपनगरों में हालात अधिक गंभीर रहे, जहां सड़कें पानी में डूब गईं और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अंधेरी, जोगेश्वरी, मलाड, कांदिवली और बोरीवली जैसे इलाकों में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। निचले इलाकों में पानी भर गया और कई आवासीय क्षेत्रों तथा सड़कों पर जलभराव हो गया।

सीबीएसई ने की फीस जमा करने की पहल

4 नए गेटवे बनाए गए, अब तक 40, 000 आवेदन मिले

6 जून अंतिम तिथि रखी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का वेरिफिकेशन और री-इवैल्युएशन पोर्टल छात्रों के भारी ट्रैफिक और कई साइबर हमलों के प्रयासों के बावजूद पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू रूप से काम कर रहा है। सीबीएसई ने 'एक्स' पर इस बात की आधिकारिक जानकारी साझा की है। छात्रों से मिले फीडबैक के बाद बोर्ड ने पोर्टल में कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं, जिसमें सेशन टाइम लिमिट को बढ़ाना भी शामिल है। पोर्टल की क्षमता को अब काफी बढ़ा दिया गया है, जिससे अब एक साथ लगभग 14,000 यूजर्स इस वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं। आज सुबह 9:30 बजे तक 40,000 छात्र सुविधा का लाभ उठाकर अपनी आवेदन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं।

एसबीआई सहित कई बैंकों में सुविधाएं दी

सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि छात्रों की सुविधा के लिए वेरिफिकेशन और री-इवैल्युएशन पोर्टल पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक के पेमेंट गेटवे उपलब्ध कराए गए हैं। बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि भुगतान पूरा करने के लिए छात्रों का इन विशिष्ट बैंकों में खाता होना जरूरी नहीं है। वे इन गेटवे के माध्यम से किसी भी बैंक के ऑनलाइन भुगतान विकल्पों जैसे- यूपीआई, नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड या डेबिट से का उपयोग करके अपनी फीस जमा कर सकते हैं।

दर्जनभर जिलों में 40 से 60 की रफ्तार से चली आंधी, बारिश का दौर जारी

श्योपुर में बस स्टैंड पर 3 बाइक सवारों पर पेड़ गिरा, एक की मौत, 2 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में बुधवार को दिन के साथ रात के तापमान में बढ़त रही। दिन का औसत पारा 38 और रात का औसतन तीन डिग्री बढ़कर 26 डिग्री तक दर्ज हुआ है। भोपाल में दिन का पारा 2.4 डिग्री बढ़कर 39.4 डिग्री रहा, जबकि रात में 3 डिग्री की बढ़त के साथ 25 डिग्री पर पहुंच गया।

इस बीच सुबह से शाम तक एक दर्जन से अधिक जिलों में 40 से 60 किमी तक की रफ्तार से आंधी चली। इससे कुछ जगह दुर्घटनाएं भी हुई हैं। श्योपुर में आंधी और बारिश के बीच बस स्टैंड पर 3 बाइक सवारों पर पेड़ गिर गया। दबने से एक की मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हैं। मौसम केंद्र ने भोपाल सहित दो दर्जन से अधिक जिलों में गुरुवार को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।

- दिन के साथ रात के तापमान में भी 2 से 5 डिग्री तक रही बढ़त
- आज भी दो दर्जन जिलों में बदला रहेगा मौसम का मिजाज

भोपाल में शाम को बारिश हुई

बुधवार को यहां आंधी-बारिश

बुधवार को सुबह से छतरपुर, पन्ना, दमोह, सतन रीवा, मंडल, डिंडोरी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, उमरिया, श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिंड जिले में करीब 40 किमी की रफ्तार से आंधी चली। कुछ हिस्सों में बारिश भी दर्ज की गई। विदिशा, अशोकनगर, सागर, सीधी, अलीराजपुर, इंदौर, देवास में 40 से 60 किमी की रफ्तार से आंधी के साथ बारिश से कुछ जगह नुकसान की खबर है।

आज यहां आंधी-बारिश का अलर्ट

गुरुवार को भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और पांढुर्णा जिले में आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे बचाएगा समय

नई दिल्ली। 63 किमी लंबा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे चालू हो चुका है। यह 6-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे लखनऊ में शहीद पथ से शुरू होकर कानपुर के नवाबगंज तक जाता है। इसके शुरू होने से सफर घटकर केवल 40 से 45 मिनट रह जाएगा। यह एक्सप्रेस-वे लखनऊ से शुरू होकर बंथरा, अमरसास और सीधे कानपुर तक जाता है।

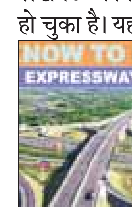

उत्तर पूर्वी परिषद का पूर्ण सत्र शिलांग में आज

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी परिषदका 73 वां पूर्ण सत्र 4 जून को मेघालय के शिलांग में केंद्रीय गृह मंत्री और एनईसी के अध्यक्ष अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए सर्वोच्च क्षेत्रीय योजना निकाय के रूप में कार्य करती है और इस क्षेत्र में समन्वित विकास को बढ़ावा देने और सहकारी संघवाद को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती है।

इन दिनों सोनी सब चैनल के शो 'यादें' में दिग्विजय यानी डिग्गी के किरदार में अर्जुन पुंज नजर आ रहे हैं। वे फिटनेस को लाइफ के लिए बहुत इंपॉर्टेंट मानते हैं। यहां अपनी फिटनेस, डाइट प्लान और मेंटल हेल्थ के बारे में अर्जुन बता रहे हैं अपनी जुबानी।

फिटनेस सिर्फ बॉडी नहीं सोच-जिंदगी भी बदलती है

फिटनेस फंडा

अर्जुन पुंज

मेरा मानना है कि अच्छी जिंदगी के लिए हेल्दी और फिट रहना बहुत जरूरी है। फिटनेस सिर्फ अच्छे दिखने के लिए नहीं होती, बल्कि अंदर से स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। शरीर एक मंदिर की तरह होता है। अगर लगातार खुद को फिट रखा जाए, तो यही शरीर बढ़ती उम्र में सबसे ज्यादा साथ देता है। हो सकता है कि अभी उसका असर तुरंत दिखाई न दे, लेकिन आगे चलकर वही फिटनेस काम आती है।

सलमान खान से मिली प्रेरणा: मेरे लिए हमेशा से सबसे बड़े फिटनेस आइडल सलमान खान रहे हैं। जब मैं पांचवीं या छठी क्लास में था, तब उनकी फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' आई थी। उसमें 'ओ ओ जाने जाना' गाने में उन्हें देखकर मैं बहुत इंस्पायर हुआ था। तभी मैंने सोच लिया था कि बड़ा होकर खुद को जरूर फिट रखूंगा। और भी कलाकार फिट रहे हैं, लेकिन सलमान खान ने जिस तरह जिम और बॉडी बिल्डिंग कल्चर को लोगों के बीच लोकप्रिय बनाया, वह शानदार है। आज भी बड़ी संख्या में युवा उनको फॉलो कर रहे हैं।

एनर्जेटिक रहना भी है जरूरी: यदि प्रोफेशन की बात करें, तो टीवी इंडस्ट्री में फिट दिखना जरूरी होता है। लेकिन आम लोगों के लिए सबसे जरूरी चीज है एनर्जेटिक महसूस करना। सिर्फ दिखने के लिए खुद को भूखा रखना, बहुत ज्यादा डाइटिंग करना या हर पसंद की चीज छोड़ देना सही नहीं है। इससे इंसान बाहर से फिट दिख सकता है, लेकिन अंदर से अच्छा महसूस नहीं करता। 12-12 घंटे काम करने वाले लोगों के लिए खुद को एनर्जेटिक रखना सबसे जरूरी है। यदि इंसान अंदर से खुश और एनर्जेटिक रहेगा, तो उसका असर उसके काम और आस-पास के माहौल पर भी दिखाई देगा।

डाइट प्लान: मैं सुबह नाश्ता नहीं करता। इसे इंटरमिटेंट फास्टिंग कहते हैं। रात को सवा आठ बजे तक खाना खा लेता हूं और फिर अगले दिन सीधे लंच करता हूं। इससे शरीर को थोड़ा आराम मिलता है। हर चीज जो 24 घंटे लगातार चलती रहती है, उसे थोड़ा ब्रेक मिलना चाहिए, दिल को छोड़कर। मैं नॉन-वेजिटेरियन हूं, इसलिए लंच में दाल, रोटी, सब्जी, सलाद के साथ कभी-कभी फिश या चिकन भी शामिल होता है। शाम को ओटमील, नट्स और फल लेता हूं और रात में अच्छा डिनर करता हूं। मुझे लगता है कि अच्छा डिनर करके आराम से इंटरमिटेंट फास्टिंग करना ज्यादा बेहतर है। फिट रहने के लिए मैं खुद को किसी चीज से दूर नहीं रखता। सब खाता हूं, लेकिन लिमिट में। यदि जरूरत से ज्यादा खाएंगे, तो सिर्फ वर्कआउट से फर्क नहीं पड़ेगा। संडे को छोले-भटूरे भी खाता हूं और चीट-डे पर पिज्जा, पास्ता, बर्गर भी चलता है। जिंदगी को एंजॉय करना भी जरूरी है। अच्छा खाना नहीं मिलेगा, तो इंसान थोड़ा मायूस रहेगा और फिर काम में भी मजा नहीं आएगा।

वर्कआउट में बैलेंस जरूरी: मेरा वर्कआउट वेट ट्रेनिंग और बॉडी वेट एक्सरसाइज दोनों का मिश्रण है। डंबल्स के साथ-साथ पुशअप्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज भी करता हूं। लंबे समय तक शरीर को मजबूत रखने के लिए दोनों चीजें जरूरी हैं। यदि लगातार शरीर से काम लिया जाए, तो बढ़ती उम्र में भी हर दिन के काम आसानी से होते हैं और सहारे की जरूरत कम पड़ती है।

मेंटल हेल्थ प्लानिंग: मेंटली स्ट्रॉन्ग रहने के लिए अंदर से मजबूत होना जरूरी है। अच्छे समय में तो हर इंसान खुश रहता है, लेकिन असली परीक्षा तब होती है, जब जिंदगी में मुश्किल समय चल रहा हो। जब काम नहीं हो, चीजें समझ नहीं आ रही हों और जिंदगी उलझी हुई लगे, तब भी पॉजिटिव बने रहना बहुत जरूरी है। खुद पर और ऊपर वाले पर भरोसा रखना चाहिए कि जो होगा, अच्छे के लिए होगा। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

स्पेशल: वर्ल्ड ब्रेन ट्यूमर-डे, 8 जून

हर वर्ष दुनिया में कई लाख लोग ब्रेन ट्यूमर की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। आमतौर पर इसे लाइलाज माना जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि अगर समय रहते इसका पता चल जाए तो पूरा ट्रीटमेंट संभव है। इसलिए जरूरी है कि इसके प्रति अवेयर रहें और इसके लक्षण दिखने पर प्रॉपर डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट करवाया जाए। इस बारे में डिटेल में जानिए।

घबराएं नहीं-सजग रहें क्योरेबल है ब्रेन ट्यूमर

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. प्रणव घोड़गांवकर
लीड न्यूरो-सर्जन एंड ऑन्को-ब्रेन सर्जन
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

- *10वां बड़ा कारण है ब्रेन ट्यूमर भारत में विभिन्न रोगों से होने वाली मौतों का।*
- *आंकड़ों के अनुसार 3.2 लाख से अधिक लोगों की मौतें दुनिया भर में हर साल ब्रेन ट्यूमर के कारण होती हैं।*

आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण मस्तिष्क या ब्रेन ट्यूमर के संदर्भ में अब घबराने की नहीं बल्कि जागरूक होने की जरूरत है। ऐसे ट्यूमर से ग्रस्त लोगों और उनके परिजनों को यह बात याद रखनी चाहिए कि समय रहते पता चलने पर ब्रेन ट्यूमर का अब समुचित उपचार संभव है।

क्या है ब्रेन ट्यूमर

जैसे शरीर के अन्य भागों में कोशिकाओं की असामान्य व अनियंत्रित वृद्धि के कारण कैंसर पनपता है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क की कोशिकाओं (जिन्हें न्यूरॉन्स कहा जाता है) में अनियंत्रित व असामान्य वृद्धि होने से जो गांठ बन जाती है, उसे ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन कैंसर का एक स्वरूप है- ब्रेन ट्यूमर। एक अध्ययन से पता चला है कि समस्त प्रकार के ब्रेन कैंसर, ट्यूमर होते हैं, किंतु सभी ब्रेन ट्यूमर कैंसर नहीं होते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के प्रकार

मस्तिष्क में स्थित जो ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, उन्हें बिनाइन ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जिन ट्यूमर्स में कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से गांठ पड़ जाती है, उन्हें मैलिग्नेंट या 'कैंसरस' ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन ट्यूमर में मस्तिष्क के टिश्यूज असामान्य रूप से तेजी से बढ़ते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मस्तिष्क के आंतरिक भाग में दबाव बढ़ता है। नतीजतन सिरदर्द आदि समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

प्राइमरी और मेटास्टेटिक ट्यूमर: जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जो ट्यूमर मस्तिष्क से परे शरीर के दूसरे अंगों जैसे किडनी, लिवर और फेफड़ों आदि के जरिए मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, उन्हें सेकेंडरी या मेटास्टेटिक ब्रेन टयूमर कहते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के कारण

ब्रेन ट्यूमर होने का कोई एक निश्चित व विशिष्ट कारण अभी तक ज्ञात नहीं हो सका है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार व्यक्ति की जेनेटिक प्रोग्रामिंग की सीक्वेसिंग में होने वाली गड़बड़ी या जींस से संबंधित गड़बड़ियों के कारण ज्यादातर ट्यूमर उत्पन्न होते हैं। बावजूद इसके कुछ ऐसी स्थितियां हैं, जिनके परिणामस्वरूप इसके होने का जोखिम बढ़ सकता है। जैसे-

विकिरण (रेडिएशन) युक्त अनहेल्दी माहौल: जिस माहौल में आप रहते हैं, वहां पर किसी रासायनिक या अन्य विषाक्त गैसों का रेडिएशन रिस्की हो सकता है। अगर किसी वस्तु या स्थान से रेडिएशन हो रहा है तो कालांतर में ऐसे माहौल में रहने से ब्रेन ट्यूमर का जोखिम बढ़ सकता है।

ब्रेन ट्यूमर के सामान्य लक्षण

ब्रेन ट्यूमर के कोई स्पेसिफिक लक्षण नहीं होते हैं। सिर में लगातार दर्द रहना, लेकिन कालांतर में तेज सिरदर्द होना। ब्रेन ट्यूमर का दर्द आमतौर पर सुबह के वक्त ज्यादा होता है। सिरदर्द के साथ उल्टी होना। उल्टी के बाद सिरदर्द में तात्कालिक तौर पर राहत मिल जाती है। शरीर के किसी भाग जैसे दाएं हाथ व पैर या बाएं हाथ और पैर में कमजोरी महसूस करना। बोलने में दिक्कत महसूस होना। किसी बात को समझने या फिर भाषा को समझने में दिक्कत। ट्यूमर न्यूरॉन्स को दबाते हैं, जिसके कारण मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। नेत्र ज्योति का कम होते जाना या धुंधला दिखाई पड़ना। मेमोरी कमजोर होना। पढ़ने या लिखने में परेशानी महसूस करना। हर वस्तु का दोहरा (डबल) स्वरूप दिखाई पड़ना। शारीरिक संतुलन खोना या चक्कर आना। स्वाद व सूंघने की शक्ति का कमजोर होना जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

डायग्नोसिस के तरीके

सीटी स्कैन (ब्रेन): इसकी सहायता से मस्तिष्क के आंतरिक भागों की फोटो देखकर मर्ज की स्थिति का आकलन किया जाता है।

एमआरआई (ब्रेन): इसके अंतर्गत रेडियो सिग्नल की मदद से मस्तिष्क की संरचना से संबंधित जानकारियां ली जाती हैं।

फंक्शनल एमआरआई (ब्रेन): फंक्शनल एमआरआई की जांच से ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी अब कहीं ज्यादा बेहतर हो चुकी है। इसका कारण यह है कि इस विशिष्ट एमआरआई से मस्तिष्क के आंतरिक भाग की गतिविधियों और ट्यूमर के कारण मस्तिष्क के अमुक भाग में हुई क्षति का सटीक आकलन किया जा सकता है।

इलाज के तरीके

सर्जरी: जांचों के आधार पर न्यूरो सर्जन यह बात सुनिश्चित करते हैं कि ब्रेन ट्यूमर का आकार और उसकी स्थिति क्या है। इसके बाद ही ट्यूमर की सर्जरी का निर्णय लिया जाता है।

एंडोस्कोपिक सर्जिकल प्रक्रिया: ब्रेन ट्यूमर को हटाने में इस प्रक्रिया का भी सहारा लिया जाता है।

विकिरण (रेडिएशन) थेरेपी: इन दिनों प्रचलन में जारी लगभग सभी रेडिएशन थेरेपीज 'फोकस्ड' या 'टारगेटेड' होती हैं। फोकस्ड या टारगेटेड से यहां आशय ऐसी रेडिएशन थेरेपी से है, जिससे कैंसरग्रस्त कोशिकाओं या ट्यूमर के अलावा आसपास स्थित अन्य स्वस्थ टिश्यूज और कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। कैंसरग्रस्त ट्यूमर को हटाने के लिए विकिरण चिकित्सा का सहारा लेते हैं।

गामा नाइफ: यह एडवांस रेडियोथेरेपी प्रोसीजर है। इस आधुनिक प्रोसीजर से ट्यूमर को खत्म करते हैं।

साइबर नाइफ रेडिएशन थेरेपी: अगर ट्यूमर का आकार टेढ़ा है या फिर अंडाकार है, तो ऐसे मामलों में साइबर नाइफ बेहतर साबित होता है।

प्रोटॉन बीम थेरेपी: कैंसर के इलाज में यह सबसे आधुनिक चिकित्सा पद्धति है। इसमें ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए प्रोटॉन की किरणों का उपयोग करते हैं, जबकि ज्यादातर रेडिएशन थेरेपी में एक्स-रे का उपयोग होता है।

कीमोथेरेपी: इसके अंतर्गत ट्यूमर को समाप्त करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है।

ब्रेन ट्यूमर से बचाव

फिलहाल किसी वैक्सीन या दवा से ब्रेन ट्यूमर से बचाव संभव नहीं है। हालांकि धूम्रपान, शराब या अन्य नशों से दूर रहकर आप काफी हद तक स्वस्थ बने रह सकते हैं, लेकिन ये सब बातें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर्स से बचाव के संदर्भ में लागू नहीं होतीं। हां, सेकेंडरी ब्रेन ट्यूमर्स (मेटास्टेटिक) को परोक्ष रूप से स्वास्थ्यकर जीवनशैली पर अमल कर रोका जा सकता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

ब्रेन ट्यूमर से रिलेटेड मिथ-फैक्ट

मिथ: तमाम लोगों का ऐसा मानना है कि मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल कालांतर में ब्रेन ट्यूमर का कारण बन सकता है।

फैक्ट: ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में हुए एक अध्ययन के अनुसार अभी तक दुनिया भर में जो शोध, अध्ययन हुए हैं, उनसे यह बात प्रमाणित नहीं होती कि मोबाइल फोन से ब्रेन ट्यूमर होता है। बावजूद इसके तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि लंबे समय तक विकिरण (रेडिएशन) के प्रभाव में रहने से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए विकिरण रहित स्वच्छ पर्यावरण व वातावरण में रहना मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत सुरक्षित होता है।

मिथ: तनावग्रस्त रहने से ब्रेन ट्यूमर होता है।

फैक्ट: इस तरह की धारणा बेबुनियाद है। ऐसे किसी शोध व अध्ययन से फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है कि तनावग्रस्त रहने से व्यक्ति ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त होता है।

मिथ: युवाओं को ब्रेन ट्यूमर नहीं होता।

फैक्ट: ब्रेन ट्यूमर सभी आयु वर्ग के लोगों को अपनी गिरफ्त में ले सकता है। चाहे वे युवा हों, वयस्क या फिर बुजुर्ग। इसका उम्र से कोई संबंध नहीं होता है।

मिथ: उम्र बढ़ने पर ब्रेन ट्यूमर के मामले भी बढ़ते जाते हैं। यानी ओल्ड एज में इसकी आशंका बढ़ जाती है।

फैक्ट: ऐसा कुछ भी नहीं है। किसी भी व्यक्ति के जीवनकाल में मैलिग्नेंट ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा 1 प्रतिशत से कम होता है।

आज की फास्ट लाइफस्टाइल में लोग अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड यानी रेडी टू ईट या फ्रोजेन या पैक्ड फूड्स का सेवन काफी करने लगे हैं। इससे फिजिकल हेल्थ पर तो कई तरह से बुरा असर पड़ता ही है, कई मेंटल प्रॉब्लम्स भी हो सकती हैं। एक स्टडी में इस बात का खुलासा हुआ है। इसलिए इस बारे में जानना बहुत जरूरी है।

मेंटल हेल्थ को प्रभावित करता है अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन से लिवर फैट, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने, मोटापा, माइग्रेन, हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं तो होती ही हैं। इसके अलावा इससे मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। इस संबंध में कई शोध ऐसे हो चुके हैं जिनसे यह बात प्रमाणित होती है। ऐसे कुछ शोध अमेरिका की संस्था सैपियन लैब्स में हुए, जो वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली का अध्ययन करती है। इसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के कारणों को समझना और 'ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट' के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य भागफल का डेटा एकत्र करना है। यह 'मेंटल हेल्थ मिलियन प्रोजेक्ट' द्वारा मानसिक स्वास्थ्य का आकलन भी करती है। सेपियन लैब्स की 2025 की 'ग्लोबल माइंड हेल्थ' रिपोर्ट में यह पाया गया कि 18-34 वर्ष के युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने का एक मुख्य कारण अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन है। भारत में इस आयु वर्ग के 44 प्रतिशत युवा इसका सेवन कर रहे हैं, जो अवसाद और कम भावनात्मक नियंत्रण से जुड़ा है।

क्या कहती है लेटेस्ट रिसर्च

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और मानसिक स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर हालिया रिसर्च काफी चौंकाने वाली है। मानसिक स्वास्थ्य सूचकांक में गिरावट के कारणों से संबंधित रिसर्च में पाया गया कि जो लोग दिन में 3 बार या उससे अधिक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (जैसे चिप्स, सोडा, इंस्टेंट नूडल्स, फ्रोजन मील) खाते हैं, उनका 'मेंटल हेल्थ कोशेंट' उन लोगों की तुलना में बहुत कम होता है, जो इसे कभी-कभार खाते हैं।

युवाओं पर गहरा असर

संस्थान के द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया है कि भारत में 18-34 वर्ष के लगभग 44 प्रतिशत युवा भारी मात्रा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का सेवन कर रहे हैं। इस समूह में डिप्रेशन (अवसाद), एंग्जायटी (घबराहट) और इमोशनल कंट्रोल की कमी के मामले सबसे अधिक देखे गए। इनका अधिक सेवन मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है, जो भावनाओं को नियंत्रित करते हैं।

मेंटल हेल्थ पर दुष्प्रभाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स के मेंटल हेल्थ पर पड़ने वाले असर के बारे में वैज्ञानिकों ने इस शोध में तीन मुख्य कारण बताए हैं-

गट-ब्रेन एक्सिस: अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में मौजूद प्रिजर्वेटिव्स और आर्टिफिशियल स्वीटनर्स, पेट के अच्छे बैक्टीरिया को खत्म कर देते हैं। चूंकि 90 प्रतिशत सेरोटोनिन (हैप्पी हार्मोन) पेट में बनता है, इसलिए खराब पाचन सीधे तौर पर खराब मूड और तनाव का कारण बनता है।

न्यूरो-इंफ्लेमेशन: अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में मौजूद 'इमल्सीफायर्स' मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकते हैं, जिससे सोचने-समझने की क्षमता और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है।

पोषक तत्वों की कमी: इस शोध में यह भी पाया गया कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड खाने वाले लोगों के मस्तिष्क को जरूरी ओमेगा-3 और विटामिन नहीं मिल पाते, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है।

व्यवहार में आए बदलाव

अधिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड खाने वाले लोगों में 'कॉग्निटिव डिक्लाइन' (मानसिक क्षमताओं में गिरावट) के लक्षण जल्दी देखे गए हैं। इनमें छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ापन और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई यानी ब्रेन फॉग भी शामिल होता है।

समस्या का समाधान

इस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों का सुझाव है कि आहार में 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 'होल फूड्स' (फल, सब्जियां, दालें, अनाज) का होना चाहिए। यदि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का सेवन दिन में एक बार से कम कर दिया जाए, तो मानसिक स्वास्थ्य स्कोर में 15-20 प्रतिशत तक सुधार देखा जा सकता है।

हार्मफुल अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

शुगरी ड्रिंक्स और सोडा: कोला, एनर्जी ड्रिंक्स और पैकेट वाले 'फ्रूट जूस' (जिनमें चीनी/रंग ज्यादा होता है), सीधे तौर पर मानसिक सुस्ती और चिड़चिड़ापन बढ़ाते हैं।

इंस्टेंट नूडल्स और सूप: इनमें 'एमएसजी' यानी मोनो सोडियम ग्लूकानेट और अत्यधिक सोडियम होता है, जो मस्तिष्क की नसों पर दबाव डाल सकता है और 'ब्रेन फॉग' (मानसिक धुंधलापन) पैदा करता है।

फ्रोजन और रेडी-टू-ईट मील: फ्रोजन पिज्जा, बर्गर पेटीज और पैकेट बंद स्नैक्स आदि में 'इमल्सीफायर्स' होते हैं, जो पेट की परत को नुकसान पहुंचाकर मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

स्वीट ब्रेकफास्ट सीरियल्स: इनमें रिफाइंड शुगर बहुत ज्यादा होती है, जिससे 'शुगर क्रैश' होता है और थकान बढ़ती है।

प्रोसेस्ड मीट: प्रोसेस्ड मीट में मौजूद 'नाइट्रेट्स' शरीर में सूजन बढ़ाते हैं।

बरतें सावधानी

यदि किसी फूड पैकेट के पीछे 5 से ज्यादा सामग्री लिखी हैं, या ऐसे नाम लिखे हुए हैं, जिन्हें आप पढ़ या समझ नहीं पा रहे तो इस बात की संभावना अधिक है कि वह फूड आइटम अल्ट्रा-प्रोसेस्ड है। *

ये हैं हेल्दी डाइट ऑप्शंस

नारियल पानी, नीबू पानी या छाछ पीने की आदत डालें। इनमें नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो मूड सुधारते हैं। व्हाइट ब्रेड या मीठे सीरियल्स के बजाय ओट्स, दलिया या पोहा खाना फायदेमंद है क्योंकि ये धीरे-धीरे एनर्जी रिलीज करते हैं, जिससे बॉडी में शुगर लेवल स्थिर रहता है। आलू के चिप्स या कुरकुरे की बजाय भुने हुए मखाने, चने या नट्स (बादाम, अखरोट) आदि लें। नट्स में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड मस्तिष्क के लिए सुपरफूड जैसा काम करता है। इंस्टेंट नूडल्स के विकल्प के रूप में सूजी की सिंवइयां या घर का बना पास्ता खाएं। इनमें प्रिजर्वेटिव्स नहीं होते और ये सुपाच्य होते हैं। बिस्किट या कुकीज नहीं, ताजे फल या डार्क चॉकलेट (70 प्रतिशत कोको) खाएं। कई स्टडीज में सामने आया है कि डार्क चॉकलेट तनाव कम करने वाले हार्मोन रिलीज करती हैं।

खबर संक्षेप

डॉ. सुखेस मुखर्जी शामिल हुए विश्व के शीर्ष 5%वैज्ञानिकों में

भोपाल। एम्स भोपाल के बायोकेमिस्ट्री विभाग के संकाय सदस्य डॉ. सुखेस मुखर्जी को 2025 साइरैंक ग्लोबल रजिस्ट्री में विश्व के शीर्ष पांच प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान मिला है। यह प्रतिष्ठित उपलब्धि न केवल डॉ. मुखर्जी के उत्कृष्ट शोध कार्यों को प्रमाणित करती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर एम्स भोपाल की बढ़ती पहचान को रेखांकित करती है। यह सम्मान कठोर बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण के बाद प्रदान किया गया है।

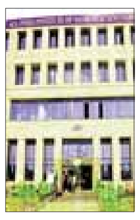

बाइक को हाइवा ने रौंदा भाइयों समेत 3 की मौत

मंडला। जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात नादिया गांव के पास जामुन तिराहे के समीप एक अज्ञात हाइवा ने बाइक सवार तीन लोगों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

छग के पूर्व आईएएस बीकेएस रे का निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव और 1972 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बीकेएस रे का निधन हो गया। उनके अवसान से प्रशासनिक और साहित्यिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। 1 जून 1949 को जन्मे रे ने प्रशासनिक सेवा में अहम जिम्मेदारियां निभाईं और साल 2009 में सेवानिवृत्त हुए थे।

ऐसा करने वाले वे देश के पहले सीएम

डॉ. यादव के काफिले में शामिल हुई ईवी दिया पीएम का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मितव्ययता की अपील का लगातार पालन कर रहे हैं। इसके मद्देनजर उन्होंने 3 जून को बड़ा फैसला किया। वे देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने अपने काफिले में इलेक्ट्रिक व्हीकल शामिल किया है। दरअसल, मुख्यमंत्री के काफिले में अब महिंद्रा कंपनी की एक्सईवी 9ई इलेक्ट्रिक कार शामिल की गई है। यह कार एक बार चार्ज करने पर 500 किमी का सफर तय करती है। सीएम डॉ. यादव इस ईवी से मुख्यमंत्री निवास से स्टेट हैंगर भोपाल तक गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नई कार को एमपी-02-वीबी-2047 नंबर मिला है। इस नंबर में 'वीबी' का अर्थ 'विकसित भारत' से लगाया जा रहा है। जबकि, 2047 को प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य के प्रतीक के तौर पर देखा जा रहा है। कार में 360 डिग्री कैमरा सहित सारी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इस कार से सफर करके मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे।

तृणमूल टूटी : बागियों ने ममता से कहा- अब वे मार्गदर्शक मंडल में जाएं, पार्टी हम संभालेंगे

28 साल पुरानी तृणमूल ममता ने 'गंवाई' 58 बागी, ऋतब्रत को चुना नेता प्रतिपक्ष

ऋतब्रत ने कहा कि मैंने पार्टी में बात करने की कोशिश की तो पहले तीन दिन तो मुझे घुसने ही नहीं दिया गया

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के चुनाव में दुर्गति के बाद ममता बेनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) टूट गई है। एक तरह से ममता 28 साल पुरानी पार्टी को गंवा बैठी हैं। 80 में से 58 विधायकों ने अलग रास्ता ले लिया है। बागी नेता ऋतब्रत बेनर्जी ने दावा किया है कि विधानसभा स्पीकर ने उनके 58 विधायक दल वाले गुट की दावेदारी स्वीकार कर ली है। उन्हें इस विधायक दल ने नेता विपक्ष के तौर पर चुना है। ऋतब्रत बेनर्जी ने कहा कि उनका गुट ममता बेनर्जी को पत्र लिखकर इस गुट के दल का मुख्य सलाहकार बनने का अनुरोध करेगा। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि ममता बेनर्जी पार्टी को मार्गदर्शन देती रहें। उनका कहना है कि वे ममता से नाराज नहीं हैं। वे उनके भतीजे अभिषेक से नाराज हैं। निष्कासित टीएमसी नेता संदीपन साहा ने भी दावा किया कि नेता विपक्ष का कमरा आधिकारिक तौर पर आवंटित हो चुका है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि बागी गुट अब खुद को विधानसभा के अंदर असली टीएमसी विधायक दल के रूप में पेश कर रहा है।

ममता बेनर्जी

विधानसभा के स्पीकर ने बागियों का दावा किया स्वीकार

बागी गुट में किसको क्या जिम्मेदारी?

ऋतब्रत सहित अन्य बागी विधायक प्रेस से बातचीत करते हुए

- नेता विधायक दल: ऋतब्रत बेनर्जी
- चीफ व्हिप: अखरुज्जमान
- उपनेता: जावेद अहमद खान
- उपनेता: संदीपन साहा
- उपनेता: सबीना यास्मीन
- उपनेता: शिउली साहा

नेता विपक्ष का कमरा आधिकारिक तौर पर आवंटित

टूट के बाद ममता को कांग्रेस की याद आई दिल्ली जाएंगी राहुल गांधी से मिलने

- बागी गुट का अभिषेक बेनर्जी से कोई राजनीतिक तालमेल नहीं
- ममता ने पार्टी की सारी समितियों को तत्काल भंग कर दिया है

ऋतब्रत का दावा- दो विधायक और आएंगे

टीएमसी विधायक दल वही है, जिसके पास दो-तिहाई विधायक हैं। दावा किया कि नेता विपक्ष का कार्यालय हमारे लिए खोल दिया गया है। दो और विधायक जल्द उनके गुट में शामिल हो सकते हैं। बागी गुट का अभिषेक बेनर्जी से कोई राजनीतिक तालमेल नहीं है।

अभिषेक की कार्यशैली पर उठाए सवाल

संदीपन साहा ने सीधे तौर पर अभिषेक बेनर्जी की कार्यशैली को पार्टी की मौजूदा हालत के लिए जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता सफलता का श्रेय लेता है तो उसे हार और संकट की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। इससे पहले भी कई बागी नेता अभिषेक बेनर्जी की रणनीति और संगठन संचालन पर सवाल उठा चुके हैं।

टीएमसी नेतृत्व ने बागियों को अवैध बताया

टीएमसी नेता (ममता गुट) कुणाल घोष ने बागी गुट के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि निष्कासित विधायक नेता विपक्ष नहीं बन सकते। कुणाल घोष ने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग पत्र दिए गए हैं और कई विधायकों के हस्ताक्षर दोनों पत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि मामले की कानूनी और संसदीय जांच होगी और अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व ही करेगा।

जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में 'सेंध'

1.79 लाख छात्रों का डेटा लीक आईआईटी रुड़की ने मानी खामी

एआई इमेज

परीक्षा का आयोजन आईआईटी रुड़की ने किया था

एजेंसी ▸▸ रुड़की

एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता राइलेन अनिल की ओर से जेईई एडवांस-2026 का डेटा लीक होने का मामला प्रकाश में लाया गया है। जिसमें शोधकर्ता ने दावा किया कि करीब 1.79 लाख नतीजों के रिकॉर्ड एवं लगभग 1.87 लाख एडमिट कार्ड की पीडीएफ फाइलें बिना किसी ऑथेंटिकेशन के एक्सेस की जा सकती थी। वहीं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की ने यह मामला सामने आने के बाद इंटरनेट मीडिया पर इसका जवाब देते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस समस्या का समाधान करने की बात कही है। संस्थान का यह भी कहना है कि प्रभावित लोकेशन पर स्टोर किया गया डेटा रीड ओनली मोड पर था। इसलिए रिकॉर्ड में किसी प्रकार के बदलाव एवं छेड़छाड़ की संभावना नहीं थी। देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड-2026 का आयोजन आईआईटी रुड़की की ओर से किया गया था। 31 मई की देर रात संस्थान ने जेईई एडवांस्ड-2026 का परीक्षा परिणाम घोषित किया था।

आईआईटी ने शोधकर्ता से कहा थैंक्यू

आईआईटी रुड़की ने एक्स पर सार्वजनिक रूप से जवाब देते हुए इस समस्या को सामने लाने पर साइबर सुरक्षा शोधकर्ता का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उनके इस कदम को नैतिक एवं जिम्मेदार बताया है। संस्थान ने माना है कि क्लाउड स्टोरेज सिस्टम में कॉन्फिगरेशन से संबंधित कोई समस्या थी। इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जा रहा है। गौर हो कि जेईई एडवांस्ड-2026 में कुल 1,87,389 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। जिनमें से 1,79,694 उम्मीदवारों ने 17 मई 2026 को आयोजित परीक्षा के पेपर एक और पेपर दो दोनों में भाग लिया था। इस परीक्षा में कुल 56,880 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए हैं।

कर्नाटक में 'शिवकुमार राज', सीएम बने

संविधान हाथ में लेकर शपथ जी परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने

सिद्धारमैया के बेटे समेत 13 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

सोनिया गांधी ने शपथ लेने से पहले डीके को फोन पर बधाई दी

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु के लोक भवन में कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। डीके शिवकुमार ने हाथ में संविधान की किताब लेकर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 13 और विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। जी परमेश्वर ने कर्नाटक के डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस कर्नाटक में चार डिप्टी सीएम बना सकती है। लेकिन, पार्टी ने जी परमेश्वर को ही डिप्टी सीएम पद की शपथ दिलाई। डीके शिवकुमार के साथ शपथ लेने वाले नेताओं में सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे भी शामिल है। दोनों ने डीके शिवुकमार की कैबिनेट में जगह बनाई है।

शपथ में राहुल-खरगे शामिल हुए

नई कैबिनेट में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक भी शामिल हैं। मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव के बाद होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा केरल, प्रदेश, तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए।

सीबीआई अफसर बन 22 लाख ऐंठे,15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मैहर

जिले में डिजिटल अरेस्ट के जरिए साइबर ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस और सीबीआई का अधिकारी बताकर पीएचई विभाग के एक 69 वर्षीय रिटायर्ड कर्मचारी को करीब 15 दिनों तक मानसिक बंधक बनाए रखा और उनसे 22 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित बुजुर्ग अमरपाटन थाना क्षेत्र के ग्राम इटमा कोठार के रहने वाले हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने दिल्ली के तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेवानिवृत्त कर्मचारी मानेंद्र सिंह को 5 मई 2026 को एक अज्ञात फोन आया। कॉल करने वाली महिला ने खुद को दिल्ली टेलीकॉम विभाग की अधिकारी अदिति शर्मा बताते हुए दावा किया कि उनके नाम पर जारी एक बैंक खाते से करोड़ों रुपए की मनी लॉड्रिंग हुई है। गिरफ्तारी का डर दिखाकर ठगों ने उनकी बात कथित आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार गौतम और खुद को सीबीआई टीम लीडर बताने वाले प्रदीप सिंह से कराई। ठगों ने बुजुर्ग को इस कदर डराया कि वे कई दिनों तक घर में ही कैद रहे और हर घंटे आरोपियों को 'वी आर सेफ' का कोडवर्ड भेजते रहे।

आरबीआई ने दिया देश को स्पष्टीकरण

सोना बेचने के सारे दावे फर्जी 880.52 टन स्वर्ण भंडार सेफ

ब्लूमबर्ग के हवाले से ऐसा कहा गया था

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने उन मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह खारिज और भ्रामक करार दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि केंद्रीय बैंक ने अपने गोल्ड रिजर्व (स्वर्ण भंडार) का एक हिस्सा बेच दिया है।

आरबीआई ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उसके पास मौजूद भौतिक सोने का भंडार पहले की तरह 880.52 टन पर स्थिर बना हुआ है और इसमें किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस मामले पर पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट ने भी तुरंत स्पष्टीकरण जारी किया। पीआईबी ने सोशल मीडिया पर बताया कि जिन रिपोर्टों में आरबीआई द्वारा लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेचने का दावा किया जा रहा है, वे पूरी तरह फर्जी हैं। दरअसल, हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट में ब्लूमबर्ग का हवाला देते हुए यह अनुमान लगाया गया था कि आरबीआई ने 22 मई तक के दो सप्ताह के भीतर लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेचकर विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां खरीदी हो सकती हैं।

ट्विशा डेथ केस : पूर्व जज गिरिबाला और बेटे समर्थ की जेल में पहली रात

गिरिबाला व समर्थ ने कढ़ी खाई दोपहर को खाई करेले की सब्जी

सुरक्षा कारणों से दोनों विचाराधीन कैदियों पर रखी जा रही विशेष निगरानी

- बुधवार सुबह चाय के साथ नाश्ते में नमकीन दलिया परोसा गया
- दोनों को जेल नियमों के तहत सामान्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं
- दोनों को किसी विशेष वार्ड में नहीं भेजा गया है

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

ट्विशा डेथ केस में दहेज हत्या के आरोप में केंद्रीय जेल में बंद ट्विशा की सास, सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा पूर्व जिला उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष गिरिबाला सिंह और उनके पुत्र अधिवक्ता समर्थ सिंह की पहली रात जेल में आम विचाराधीन बंदियों की तरह बीती। दोनों को जेल नियमों के तहत सामान्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं और किसी प्रकार की विशेष व्यवस्था नहीं की गई। जेल प्रशासन ने गिरिबाला सिंह को विचाराधीन बंदी क्रमांक 71 आवंटित कर महिला वार्ड के ए-खंड में रखा है। सुरक्षा कारणों से उन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वहीं समर्थ सिंह को विचाराधीन बंदी क्रमांक 1782 देकर पुरुष मेडिकल वार्ड में रखा गया है। प्रवेश के बाद दोनों को रात के भोजन में पकौड़े वाली कढ़ी, रोटी और सब्जी दी गई। जेल प्रशासन ने नियमानुसार उन्हें थाली, कटोरी और गिलास उपलब्ध कराया।

गिरिबाला

ई-सिस्टम से होगी निगरानी

जेल प्रशासन दोनों के रिकॉर्ड को ई-प्रिजेंट सिस्टम के माध्यम से डिजिटल रूप से अपडेट कर रहा है, जिसमें उनकी मेडिकल स्थिति और अदालती धाराओं का पूरा ब्यौरा रहेगा।

IEPF SEBI
CDSL NSDL BSE NSE

विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (IEPFA)
(कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार)

सार्वजनिक सूचना

निवेशक शिविर

विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (IEPFA), जो कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन है और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) के सहयोग से कार्य करता है, निवेशक शिविर प्रारंभ कर रहा है — यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य देशभर के दावेदारों की शिकायतों और प्रश्नों का समाधान करना है।

उद्देश्य

निवेशक शिविर का उद्देश्य निवेशक सेवाओं को सरल बनाना, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और निवेशक संरक्षण को मजबूत करना है:
- 6-7 वर्षों से लावारिस लाभांश के हस्तांतरण को सुगम बनाना।
- कंपनी के साथ केवाईसी (KYC) और नामांकन अपडेट में सहायता करना।
- अप्राप्त और अवितरित शेयरों एवं लाभांश से संबंधित लंबित IEPFA दावों का निवारण करना।

निर्धारित शहर

इस दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए, निवेशक शिविर को भोपाल में आयोजित किया जा रहा है ।

कार्यक्रम का विवरण

तिथि/समय: 5th जून 2026, 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक
स्थान: वृंदावन गार्डन, होशंगाबाद रोड (NH-12), भोपाल, मध्य प्रदेश 462026

कैसे भाग लें

कृपया इस सूचना में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके या निम्न लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण करें:https://qr.me-qr.com/l/NiveshakShivir
यह पंजीकरण हमें सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि आपको निवेशक शिविर में उचित और समय पर सहायता प्राप्त हो।

अधिक जानकारी के लिए

कृपया हमारी आधिकारिक वेबसाइट देखें: www.iepf.gov.in और नवीनतम अपडेट और घोषणाओं के लिए हमें सोशल मीडिया चैनलों पर फ़ॉलो करें।

हम सभी दावेदारों से आग्रह करते है कि इस अवसर का लाभ उठाएँ और सीधे हमारे विशेषज्ञों से अपनी चिंताओं का समाधान करें। आपकी भागीदारी हमें बेहतर सेवा और सहयोग प्रदान करने में सहायक होगी।

टोल फ्री नंबर: 14453 | कॉल सेंटर: सोमवार से शुक्रवार, सुबह 9:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक

www.iepf.gov.in

CBC 07110/12/0001/2627

स्टडी

नई रिसर्च में हुआ हैरान करने वाला खुलासा, तोड़ दिया पुराना भ्रम

सिंगल लोग खुश हैं या शादी करने वाले?

निकोसिया। सदियों से समाज में यह माना जाता रहा है कि एक रोमांटिक पार्टनर का होना ही इंसान की असली खुशी और मानसिक शांति की गारंटी है। लोग सोचते हैं कि जो सिंगल हैं, वे दुखी हैं और जो कपल हैं, वे बेहद भाग्यशाली हैं। लेकिन, साल 2026 की एक नई और बड़ी साइंटिफिक स्टडी ने इस पुरानी सोच को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है। रिसर्चर्स ने दावा किया है कि एक घुटने वाले या खराब रिश्ते में रहने से कहीं ज्यादा बेहतर और मानसिक रूप से सेहतमंद इंसान का सिंगल रहना है। यह स्टडी साफ करती है कि जबरदस्ती का रिश्ता आपकी मानसिक सेहत को बर्बाद कर सकता है।

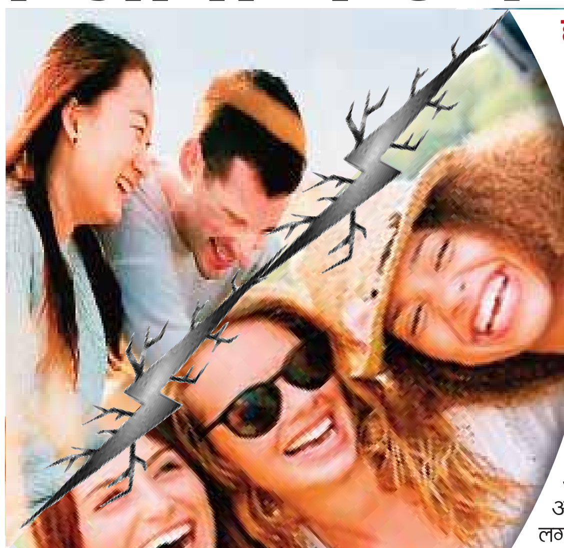

हजारों लोगों पर सालों तक चली रिसर्च

इस अनोखी स्टडी को निकोसिया यूनिवर्सिटी के मेनेलाओस अपोस्टोलू और यरूशलेम की हिब्रू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एल्याकिम किसलेव ने लीड किया है। यह पूरी रिपोर्ट 'पर्सनालिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंसेस' जर्नल में पब्लिश की गई है। वैज्ञानिकों ने जर्मनी में हुए एक बड़े सर्वे के तहत लगभग 12,000 लोगों के डेटा का बारीकी से विश्लेषण किया। इस स्टडी की सबसे खास बात यह थी कि इसमें शामिल लोगों की खुशियों और उनके रिलेशनशिप स्टेटस में आने वाले बदलावों को कई सालों तक लगातार ट्रैक किया गया।

रिश्ते का टैग नहीं, क्वालिटी है जरूरी

प्रोफेसर किसलेव के अनुसार, रिसर्च में यह बात सामने आई कि खुश रहने के लिए यह जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई पार्टनर है या नहीं। बल्कि, सबसे जरूरी बात यह है कि आपके रिश्ते की क्वालिटी कैसी है। स्टडी से पता चला कि जो लोग एक बेहतरीन और समझदारी वाले रिश्ते में थे, वे सबसे ज्यादा खुश थे। लेकिन, जो लोग एक खराब या बस नाम के रिश्ते को खींच रहे थे, उनकी मानसिक स्थिति अकेले रहने वाले सिंगल लोगों से भी ज्यादा खराब पाई गई।

समझौता करने से बेहतर है अकेले रहना

इस पूरी रिसर्च का कुल निचोड़ यही है कि एक अच्छे और सच्चे पार्टनर के साथ जुड़ना बेशक आपकी जिंदगी को खूबसूरत बनाता है। लेकिन, सिर्फ समाज के डर से या अकेलेपन से बचने के लिए किसी गलत इंसान के साथ समझौता कर लेना सबसे बड़ी भूल है। एक कड़वे रिश्ते में रहकर रोज-रोज घुटने से लाख गुना बेहतर है कि आप सिंगल रहें, खुद से प्यार करें और अपनी मानसिक शांति को पहली प्राथमिकता दें।

सिंगल लोग जी रहे हैं ज्यादा सुकून की जिंदगी

रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि खराब या औसत दर्जे के रिश्तों में रहने वाले लोग हर दिन मानसिक तनाव, लड़ाई-झगड़े और असंतोष का सामना करते हैं। यह स्थिति उनके दिमाग पर एक बड़ा बोझ डालती है। इसके विपरीत, जो लोग सिंगल हैं, वे किसी भी तरह के इमोशनल ड्रामे से दूर रहते हैं। उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक भावनाएं महसूस करने के ज्यादा मौके मिलते हैं। इसलिए वे एक टॉक्सिक रिलेशनशिप में रहने वाले इंसान से कहीं ज्यादा सुकून में हैं।

डायनासोर की दुनिया का बगुला आया सामने!

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के पैटागोनिया में वैज्ञानिकों ने एक ऐसी प्रजाति खोजी है, जो डायनासोर के बारे में हमारी सोच बदल देगी। 'कनक ऑस्ट्रेलिस' नाम का यह जीव करीब 7 करोड़ साल पहले धरती पर था। मशहूर वेलोसिराप्टर का 'रिश्तेदार' होने के बावजूद, यह जमीन पर शिकार करने के बजाय नदियों और तालाबों के किनारे घात लगाकर बैठता था। इसकी लचीली गर्दन और बनावट बिल्कुल आधुनिक बगुले जैसी थी, जिससे यह पानी में पलक झपकते ही मछलियों को दबोच लेता था। कशेरुकी जीवाश्म विज्ञान पत्रिका में छपी रिसर्च बताती है कि पैटागोनिया की नदियों में रहने वाला यह शिकारी मछली, मेंढक और छोटे जीवों को अपना निशाना बनाता था। उस वक्त का पैटागोनिया आज के सूखे रेगिस्तान जैसा नहीं, बल्कि नमी और झरनों वाला इलाका हुआ करता था। यह जीव माईप मैक्रोथोरेक्स जैसे 10 मीटर लंबे विशालकाय डायनासोरों के बीच रहता था। अपनी जान बचाने के लिए इसे हमेशा सतर्क रहना पड़ता था। इसकी खोखली हड्डियां इसे फुर्तीला बनाती थीं, जिससे यह खतरा भांपते ही फुर्र हो जाता था। 'कंक' का मिलना बताता है कि डायनासोर की दुनिया कितनी विविधता भरी थी। यह सिर्फ एक खोज नहीं, बल्कि हमारे इतिहास के उन पन्नों को भरने जैसा है, जो अब तक गायब थे।

अदाणी फाउंडेशन और अनुष्का फाउंडेशन ने मिलाया हाथ, 10,000 बच्चों का जीवन बदलेगा

कानपुर। अदाणी समूह की सामाजिक विकास शाखा अदाणी फाउंडेशन और क्लबफुट उन्मूलन के लिए कार्यरत गैर-लाभकारी संस्था अनुष्का फाउंडेशन ने तीन साल की साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल के तहत मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश के 61 जिलों में क्लबफुट (टेढ़े पैर) से प्रभावित 10,000 से अधिक बच्चों को इलाज और दीर्घकालिक देखभाल का लाभ मिलेगा। साझेदारी का औपचारिक शुभारंभ कानपुर स्थित मान्यवर कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय और ट्रॉमा सेंटर में किया गया। क्लबफुट एक जन्मजात स्थिति है, जिसमें बच्चे के एक या दोनों पैर जन्म के समय अंदर की ओर मुड़े होते हैं। विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पोंसेटी पद्धति से इसका प्रभावी इलाज संभव है, लेकिन वंचित समुदायों के कई बच्चों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। इस पहल में 5 राज्यों के 61 जिलों में 67 क्लबफुट क्लीनिक, 51 स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता सुदृढ़ करने और 30,000 से अधिक फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य शामिल है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का सहयोग भी शामिल होगा, जिससे शुरुआती पहचान, रेफरल सिस्टम और सार्वजनिक स्वास्थ्य नेटवर्क के माध्यम से इलाज की पहुंच मजबूत होगी। डॉ. प्रीति अदाणी, चेयरपर्सन, अदाणी फाउंडेशन ने कहा, "हर बच्चे को चलने, सीखने और खेलने का अवसर मिलना चाहिए। इस साझेदारी से हम अधिक से अधिक बच्चों को सम्मान और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देंगे।"

दीपक प्रेमनारायण, संस्थापक, अनुष्का फाउंडेशन ने कहा, "क्लबफुट का समय पर इलाज बच्चों की शिक्षा और जीवन के अवसरों में बाधा नहीं बनना चाहिए। अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से हम गुणवत्तापूर्ण इलाज और शुरुआती हस्तक्षेप सुनिश्चित करेंगे।" भारत में हर साल लगभग 33,000 बच्चे क्लबफुट के साथ जन्म लेते हैं, जिनमें से 12,000 बच्चे उन पांच राज्यों में जन्म लेते हैं जहां यह कार्यक्रम लागू होगा। इस पहल से देश में क्लबफुट की चुनौती से निपटने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। अदाणी फाउंडेशन 1996 से देशभर में शिक्षा, स्वास्थ्य, सतत आजीविका, जलवायु और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत है और वर्तमान में 22 राज्यों के 7,247 गांवों में 1.33 करोड़ लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है।

यहां स्कूलों में पिलाई जाती थी शराब, खुद मां-बाप भेजते थे बोतल

पेरिस। आज के समय में शराब को स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक माना जाता है। सरकारें इसे छोड़ने की अपील करती हैं, स्कूलों में सख्ती बरती जाती है और बच्चों को इससे दूर रखने की कोशिश की जाती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि कुछ दशक पहले फ्रांस में ठीक उलटा हो रहा था? फ्रांस के स्कूलों में बच्चों को नियमित रूप से शराब पिलाई जाती थी। माता-पिता खुद बच्चों के लंच बॉक्स में वाइन, बीयर या साइडर की बोतल डालकर भेजते थे। लंच ब्रेक में बच्चे दोस्तों के साथ बैठकर पेग बनाते और एंजॉय करते थे। आखिर ऐसा क्यों किया जाता था?

आम थी परंपरा

यह परंपरा 20वीं सदी के मध्य तक फ्रांस के कई इलाकों में आम थी। उस समय शराब को पौष्टिक भोजन का हिस्सा माना जाता था। लोग मानते थे कि शराब पानी से ज्यादा सुरक्षित है, क्योंकि पानी अक्सर दूषित होता था। साथ ही इसे पाचन शक्ति बढ़ाने और शरीर को गर्म रखने वाला माना जाता था। छोटे बच्चों को दिन में आधा लीटर तक शराब दी जाती थी। उम्र बढ़ने के साथ मात्रा भी बढ़ जाती थी। स्कूलों में लंच टाइम सबसे मजेदार होता था। बच्चे अपनी-अपनी बोतल निकालते, दोस्तों के साथ शेयर करते और खाने के साथ शराब पीते थे। माता-पिता इस परंपरा का समर्थन करते थे। वे सोचते थे कि स्कूल में शराब पीने से बच्चे जिम्मेदारी सीखेंगे और फ्रेंच कल्चर से जुड़ेंगे। वाइन फ्रांस की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है।

लगाया गया बैन

1956 में प्रधानमंत्री पिएरे मेंडेस फ्रांस ने इस परंपरा पर ब्रेक लगाया। उन्होंने 14 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए स्कूलों में शराब पर रोक लगा दी। यह बदलाव बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाने के लिए किया गया था। स्कूलों में दूध को बढ़ावा दिया गया। हालांकि, बड़े छात्रों को अभी भी सीमित मात्रा में शराब की इजाजत थी। पूरी तरह से स्कूलों में शराब पर प्रतिबंध 1981 में लगा। तब जाकर सभी उम्र के छात्रों के लिए अल्कोहल पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया। यह फ्रांस में बड़ा सांस्कृतिक और शैक्षिक बदलाव था। उस समय की तस्वीरें और कहानियां आज सुनकर हैरानी होती है। बच्चे स्कूल बैग में शराब की बोतल लेकर जाते थे। टीचर्स भी कभी-कभी साथ बैठकर पीते थे। शराब को भोजन के साथ सामान्य माना जाता था। फ्रांस के ग्रामीण इलाकों में यह परंपरा ज्यादा प्रचलित थी, जहां वाइन स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा थी। आज फ्रांस में शराब अभी भी संस्कृति का हिस्सा है, लेकिन बच्चों को स्कूल में बिल्कुल नहीं दी जाती है। सरकार सख्त कानून बनाकर बच्चों को शराब से दूर रखती है। स्वास्थ्य अभियान चलाए जाते हैं। यह ऐतिहासिक तथ्य हमें बताता है कि समय के साथ सोच कितनी बदल सकती है। जहां आज हम शराब को जहर मानते हैं, वहीं कुछ दशक पहले उसे बच्चों के लिए पौष्टिक समझा जाता था।

6 साल से बंद नहीं हुई आंखें और लगातार बहते रहते हैं आंसू

बीजिंग। चीन से एक बेहद हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। जहां एक महिला ने खूबसूरत दिखने के लिए एक सर्जरी कराई थी, जो उसे भारी पड़ गया। हर किसी की चाहत होती है कि वो खूबसूरत दिखे। कई लोग खूबसूरत दिखने के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी की मदद लेते है। कई बार इसके नतीजे अच्छे होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह जीवन भर का दर्द दे जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला ने वर्ष 2020 में डबल आईलिड सर्जरी कराई थी, जो आंखों की पलकों को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए की जाती है। लेकिन, सर्जरी के बाद महिला की हालत खराब होने लगी। अब ऐसा हो गया है कि बीते छह साल से वो अपनी आंखों पूरी तरह बंद करके सो भी नहीं पाती है। पूर्वी चीन की रहने वाली महिला का नाम वांग है। उसने जियांग्सू प्रांत के सूझोउ शहर में एक कॉस्मेटिक क्लिनिक में आंखों की सर्जरी कराई थी। उसने इसके लिए 12 हजार युआन (1.4 लाख रुपए) खर्च किए थे। महिला को उम्मीद थी कि सर्जरी के बाद उसकी आंखें ज्यादा आकर्षक और बड़ी दिखेंगी।

परिवार के एक सदस्य के नौकरी में होने मात्र से अनुकंपा नियुक्ति से इंकार नहीं किया जा सकता

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि केवल इस आधार पर अनुकंपा नियुक्ति से इनकार नहीं किया जा सकता कि मृत कर्मचारी के परिवार का कोई अन्य सदस्य सरकारी नौकरी में है। अदालत ने कहा कि संबंधित प्राधिकरण को पहले परिवार की वास्तविक आर्थिक स्थिति और वित्तीय संकट का आंकलन करना होगा। कोर्ट ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति योजना का उद्देश्य मृत कर्मचारी के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इसलिए केवल तकनीकी आधारों पर दावे खारिज करना योजना की मानवीय भावना के विपरीत होगा। इन टिप्पणियों के साथ हाईकोर्ट ने नगर निगम की अपील खारिज कर दी और एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखा है। मामले में याचिकाकर्ता के पिता अंबिकापुर नगर निगम में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे।

राशिफल

मेष – आशा–निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष – धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन – मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह – नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार–चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर – शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ – भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन – मन में उतार–चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग–दौड़ भी अधिक रहेगी।

पश्चिम मध्य रेल

वाणिज्य विभाग, No- JBP/C/NFR/E-Tender/26
दिनांक : 05.06.2026

मडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई–बोली आमंत्रित करता है। **श्रेणी :** विज्ञापन आउट ऑफ होम, निविदा सूचना क्रमांक: ADVT-JBP-PPI-OH-145-26-1, **परिसंपत्ति/कार्य का विवरण :** पिपरिया रेलवे स्टेशन के परिसंचरण एवं गैर–परिसंचरण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर व्यावसायिक विज्ञापन एवं रेलवे सूचना प्रदर्शन हेतु गैंट्री गेट्स की स्थापना एवं अनुरक्षण कार्य, अवधि 05 वर्ष। **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 15:30:00, **निविदा सूचना क्रमांक :** ADVT-JBP-KTE-OH-146-26-1, **परिसंपत्ति/कार्य का विवरण :** कटनी रेलवे स्टेशन के परिसंचरण एवं गैर–परिसंचरण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर व्यावसायिक विज्ञापन एवं रेलवे सूचना प्रदर्शन हेतु गैंट्री गेट्स की स्थापना एवं अनुरक्षण कार्य, अवधि 05 वर्ष।, **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 15:40:00, **श्रेणी :** विज्ञापन ट्रेन बाह्य भाग (विंडो के नीचे), निविदा सूचना क्रमांक: ADVT-EBW-127872-4-26-1, **परिसंपत्ति/कार्य का विवरण :** ट्रेन संख्या 11705/06 में खिड़कियों के नीचे उपलब्ध स्थान का विनाइल रैपिंग के माध्यम से व्यावसायिक विज्ञापन हेतु उपयोग ।, **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 15:50:00, **निविदा सूचना क्रमांक :** ADVT-EBW-288200-1-26-1, **परिसंपत्ति /कार्य का विवरण :** ट्रेन संख्या 11701/02 में खिड़कियों के नीचे उपलब्ध स्थान का विनाइल रैपिंग के माध्यम से व्यावसायिक विज्ञापन हेतु उपयोग।, **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 16:00:00, **श्रेणी :** विज्ञापन स्टेशन परिसर (गैर–डिजिटल), **निविदा सूचना क्रमांक:** ADVT-JBP-PPI-OSN-91-22-1, **परिसंपत्ति/कार्य का विवरण :** पिपरिया रेलवे स्टेशन पर ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन।, **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 16:10:00, **निविदा सूचना क्रमांक :** ADVT-JBP-MML-OSN-89-22-2, परिसंपत्ति/कार्य का विवरण मदनमहल रेलवे स्टेशन पर ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन।, **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 16:20:00, **निविदा सूचना क्रमांक :** ADVT-JBP-SGO-OSN-99-22-1, **परिसंपत्ति/कार्य का विवरण :** सागर (SGO) रेलवे स्टेशन न पर ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन।, **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 16:30:00, **निविदा सूचना क्रमांक :** ADVT-JBP-NU-OSN-90-22-1, **परिसंपत्ति/कार्य का विवरण :** नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन।, **निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय :** 05.06.26, 16:40:00 संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध हैं कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर E-Tender Leasing मॉड्यूल देखें। लॉट–वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध है। ई–बोली सूचना मडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

हस्ता.
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वा), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हिन्दुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कार्पोरेट कार्यालय: 167–169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट मेट्रो स्टेशन, साईपेठ, चेन्नई– 600015
क्षेत्रीय कार्यालय – ऑफिस संख्या 153, पहली मंजिल, ऑर्बिट मॉल, विजय नगर चौक, ए.बी. रोड, इंदौर, म.प्र. – 452010
Email - auction@hindujahousingfinance.com

सरफेसी अधिनियम 2002 की सेक्शन 13(2) के तहत डिमांड नोटिस

सिक्योरिटी इंटरेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम, 2002 के नियम 3(1) उक्त नियम के सहपठित सेक्शन 13(2) ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट एंड इंफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (उक्त एक्ट) के तहत उक्त नियमों के नियम 3 के सहपठित उक्त एक्ट की सेक्शन 13(2) के तहत अधिकारियों के पालन में एचएचएफएल के प्रा.अधिकारी ने उक्त एक्ट की सेक्शन 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी की थी जिसमें देनदारियों / गारंटरों को उक्त से संबंधित उन्हें जारी नोटिस में कथित राशि चुकाने को कहा था, देनदारों व गारंटरों को पुन: देनदारों व गारंटरों को इस नोटिस तिथि से 60 दिनों से निम्न राशि चुकाने को कहा जाता है, देनदार व गारंटर, देय राशि व लोन राशि के भुगतान हेतु प्रस्तुत सिक्योरिटी राशि के विवरण निम्न है –

उधारकर्ता का नाम	मांग सूचना दिनांक राशि	संपत्ति का विवरण
MP/KTN/SHDL/A000000372 श्री संदीप कुमार शर्मा श्रीमती आरती दुबे लोकनाथ शर्मा, कीर्ति शर्मा	19-05-2026 Rs. 9,54,173/-	खसरा क्रमांक 353/2/1, ग्राम पिनौरा, जिला उमरिया, तहसील नरोजाबाद, मध्य प्रदेश, भारत - 484555 कुल क्षेत्रफल - 4000 वर्ग फुट। सीमाएँ: पूर्व: टिंगू सेन का मकान, पश्चिम: लेखनी प्रसाद दुबे का भूखंड, उत्तर: सड़क, दक्षिण: लोकनाथ शर्मा की भूमि।
MP/JBR/JBLP/A000000420 श्री अंकित जैन श्री कृतिका जैन	19-05-2026 Rs. 4291936/-	यह संपत्ति मौजा पोलिपथर पटवारी हलका संख्या 24/2 आर.एन.एम 8 ग्वारीघाट, खसरा संख्या 9/2 का हिस्सा, प्लॉट संख्या जी-9, तहसील गोरखपुर, जिला जबलपुर, मध्य प्रदेश, पिन कोड 482001 में स्थित है। कुल क्षेत्रफल 885 वर्ग फुट है। सीमाएँ: पूर्व: सड़क की ओर, पश्चिम: प्लॉट संख्या एफ-6, उत्तर: प्लॉट संख्या जी-5, दक्षिण: प्लॉट संख्या जी-37
MP/JBR/BLGT/A000000212 श्री अशोक कुमार जंघेला श्रीमती ज्योति जंघेला	19-05-2026 Rs. 984756/-	यह संपत्ति प्लॉट मौजा - थारका पिन नंबर 07/14, तहसील मंडला और जिला मंडला, मध्य प्रदेश, खसरा नंबर 315/2, कुल क्षेत्रफल 0.04 हेक्टेयर, तहसील मंडला और जिला मंडला, मध्य प्रदेश, पिन नंबर 481771 में स्थित है। सीमाएँ: पूर्व: सड़क, पश्चिम: दुलमारी की संपत्ति, उत्तर: विक्रेता की संपत्ति, दक्षिण: लखन की संपत्ति।
MP/JBR/BLGT/A000000452 श्री अरुण सराटे श्रीमती परमिला सराटे श्री भोजलाल साराठे, मिथलेश सराटे जी, श्रीमती कीर्ति भारद्वाज	19-05-2026 Rs. 1473637/-	प्लॉट मौजा गायखुरी पटवारी हल्का संख्या 13/1/k/1/g/1 वार्ड संख्या 32 आरएमएन बालाघाट तहसील और जिला बालाघाट मध्य प्रदेश पिन 481001 कुल क्षेत्रफल 1200 वर्ग फुट सीमाएँ: पूर्व: सड़क, पश्चिम: भोजिलाल सारथे की भूमि, उत्तर: नरेंद्र भोपचे की भूमि, दक्षिण: घोडेश्वर जी का घर
MP/JBR/CDWR/A000000614 श्री मनोज श्रीवास श्रीमती रोशनी श्रीवास	19-05-2026 Rs. 962700/-	मौजा ग्रेटिया बिसला, बी. नंबर 62, आर.आई. सर्कल - कपूरदा, तहसील - चौराई, जिला - छिंदवाड़ा, पटवारी हल्का नंबर 52/50, खसरा नंबर 96/1, पिन कोड 480115 में स्थित संपत्ति का पूरा टुकड़ा और भाग। सीमाएँ: पूर्व: मदनलाल गोंड की कृषि भूमि, पश्चिम: सड़क, उत्तर: जगदीश रघुवंशी की भूमि, दक्षिण: रामगोपाल उइके (गोंड) का मकान।
MP/JBR/NRSP/A000000310 श्री अंकित लोधी पटेल, उनके कानूनी वारिसों के माध्यम से श्री चंदन सिंह पटेल श्रीमती जानकी बाई लोधी पटेल	15/05/2026 Rs. 8,85,551/-	मौजा बरगी, एन.बी. संख्या 375, पी.एच. संख्या 12, खसरा संख्या 121, 121/1, 122/2, 122/3, आर.एन.एम. नरसिंहपुर, तहसील एवं जिला नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश 487114 में स्थित भूमि का संपूर्ण टुकड़ा एवं पार्सल। कुल क्षेत्रफल - 0.0360 हेक्टेयर। सीमाएँ: पूर्व: राजेंद्र कुमार पांडे का भूखंड, पश्चिम: भगवती का भूखंड, उत्तर: सड़क, दक्षिण: सुखदेव सिंह की भूमि।
MP/JBR/NRSP/A000000256 श्रीमती अनुराधा सोनी, उनके कानूनी वारिसों के माध्यम से श्री अंकित सोनी	15-05-2026 Rs. 7,88,917/-	संपत्ति के सभी टुकड़े और पार्सल ग्राम पंचायत जोनौर मौजा इमलिया पटवारी हल्का नंबर 13/35 रिन पुस्तिका नंबर एलएनए - 0406699, खसरा नंबर 89/1, 90/1 का हिस्सा, म्यूटेशन नंबर 95/3/1/1, 96/3 म्यूटेशन के बाद जिला- नरसिंहपुर एमपी कुल क्षेत्रफल- 512.5 वर्ग फीट सीमाएँ: उत्तर: कच्चा रोड, दक्षिण: सड़क, पूर्व: अनीस खान का घर, पश्चिम: मुस्तफा भजन खरीद सैम्स विक्रेता

यदि उक्त देनदार/गारंटर उक्त भुगतान एचएचएफएल को नहीं करते हैं, एचएचएफएल उक्त एक्ट की सेक्शन 13(4) व लागू नियमों के तहत पूरी तरह से देनदार/गारंटर के जोखिम, लागत व परिणामों के तहत सिक्योर्ड एसेट के खिलाफ कार्यवाही कर सकते है, विवरण हेतु संपर्क प्रा. अधिकारी संबंधित शाखा ऑफिस संख्या 153, पहली मंजिल, ऑर्बिट मॉल, विजय नगर चौक, ए.बी. रोड, इंदौर, म.प्र. - 452010 एवं मोबाईल नं. Vaibhav Shrivastava - 7987969803, Rajesh Chakotiya - 8435571111, Divyank Shrivastava - 8318225992, Gourav Naik- 75877 48188

दिनांक - 04/06/2026

प्राधिकृत अधिकारी, हिन्दूजा हाऊसिंग, फायनेंस लिमिटेड

शब्द पहेली - 6246

बाएँ से दाए
1. उम्मीद, आशा-2
3. जी, चित्त-2
5. भस्म, खाक-2
7. जाल, फंदा-2
9. चिंतन, सोचना-3
11. ठाठ-बाट-2
13. क्रिकेट में बनते हैं-2
15. एक राशि-3
17. काया, बदन-2
19. एक विदेशी शराब-2
22. बोलने का तरीका-3
24. शालीन, सभ्य-2
26. बल, ताकत-2
28. भैंस जैसा एक पशु-2
30. पुत्री की पुत्री-3
32. कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34. मोटा आटा-2
36. जुड़वा-3
38. आनंदित-2
41. नौकर, गुलाम-2
43. बूंद-3
45. लक्ष्मी, विष्णुप्रिया-2
47. जंगल, कानन-2
49. मेहंदी-2
51. दृष्टि, निगाह-3
53. बुरी आदत-2
55. बुढ़ापा-2
57. नमस्कार, प्रणाम-3
60. खुमार, सरूर-2
62. भीगा हुआ-2
64. पक्षाघात-3
66. चुनौती-2
67. ऋण, उधार-2
68. भूमि, जमीन-2
69. चस्का, बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे
1. फलों का राजा-2
2. साजन, बलमा-3
4. खुमार-2
6. खच्चर, गधा-2
8. वहम, संदेह-2
10. अनुकृति-3
12. झुका हुआ-2
14. आदमी-2
16. वास करना-3
18. आकाश-2
20. घमंड-2
21. बदन-2
23. जातिवाद-3
25. पिघले पत्थर-2
27. रोग,-2
29. हाथ, टैक्स-2
31. लवण-3
33. ताकत-2
35. वचन-2
37. प्रयत्न-3
39. स्थिति-2
40. नवीन-2
42. सच्चा-2
44. राजा-3
46. हार-2
48. टौंटी-2
50. गुमान-2
52. पासों का खेल-3
54. काया-2
56. रात्रि-2
58. हुबहू-3
59. समय-2
61. सब्जी-2
63. गाड़ी-2
65. गैस-2

शब्द पहेली- 6245 का हल

■	स	र	ग	ना	■	आ	म	रा	य	■
फि	■	न	ज	ला	■	फि	क	र	■	त
त	ल	■	ल	य	■	स	र	■	ला	ल
र	ह	ना	■	क	हा	र	■	ज	ल	बा
त	र	सा	ना	■	ति	■	ज	ल	च	र
■	■	■	र	ह	म	दि	ल	■	■	■
ब	ग	दा	द	■	ता	■	न	ज	रा	ना
र	म	ल	■	स	ई	स	■	प	ह	रा
ग	ला	■	स	दा	■	ल	स	■	त	य
द	■	ग	ली	चा	■	बा	न	र	■	ण
■	का	श्त	का	र	■	र	म	जा	न	■

सूडोकु बवाल - 6256

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 6255 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

फीफा विश्व कप : भारतीय मूल के चार खिलाड़ी दिखाएंगे जलवा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के लिए फीफा विश्व कप में खेलना अब भी दूर की कौड़ी बनी हुई है लेकिन अमेरिका में 11 जून से शुरू होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। यह चार खिलाड़ी सरप्रीत सिंह, सैमुअल मौतौसामी, निशान वेलुपिल्ले और तहसीन मोहम्मद हैं, जो फ्रांस के मिडफील्डर विकास धोरासू के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। धोरासू जर्मनी में 2006 के विश्व कप में खेले थे। धोरासू के पूर्वज आंध्र प्रदेश के विजयनगरम की रहने वाले थे। इस सूची में शामिल होने वाले चार अन्य खिलाड़ियों पर एक नजर।

सरप्रीत सिंह (न्यूजीलैंड)

ऑकलैंड में पंजाबी माता-पिता के घर जन्मे सरप्रीत 2018 में मुंबई में अंतरमहाद्वीपीय कप के दौरान भारत में भी खेले थे। उन्होंने उसी वर्ष न्यूजीलैंड के लिए पदार्पण किया था। भारत ने तब खिताब जीता जबकि न्यूजीलैंड चार देशों के इस टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहा। इसके एक साल बाद सरप्रीत जर्मन की पहली डिवीजन लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 2019 में बायर्न म्यूनिख की तरफ से पदार्पण किया। वह ऑस्ट्रेलियाई ए-लीग टीम वेलिंगटन फीनिक्स से बायर्न म्यूनिख में शामिल हुए थे। सरप्रीत ने 20 जून, 2020 को एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ बायर्न म्यूनिख के लिए अपना पहला सीनियर मैच खेला। वह उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2019-2020 सत्र में बुंडेसलीगा का खिताब जीता था।

अमेरिका में 11 जून से शुरू होगा फुटबॉल का महाकुंभ

सैमुअल मौतौसामी (कांगो)

मौतौसामी का जन्म फ्रांस में हुआ था। उनकी माता कांगो मूल और पिता तमिल मूल के हैं। 29 वर्षीय मिडफील्डर वर्तमान में यूनान के सुपर लीग क्लब एटरोमिटोस के लिए खेल रहा है। वह कांगो की सीनियर राष्ट्रीय टीम की तरफ से अब तक 57 मैच खेल चुके हैं।

निशान वेलुपिल्ले (ऑस्ट्रेलिया)

निशान वेलुपिल्ले की मां एंग्लो-इंडियन और पिता श्रीलंकाई मूल के तमिल हैं। यह 25 वर्षीय विंगर ऑस्ट्रेलिया की 26 सदस्यीय टीम के उन 17 खिलाड़ियों में से एक हैं, जो फीफा विश्व कप में अपना पदार्पण करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष स्तरीय ए-लीग में मेलबर्न विक्ट्री के लिए खेलते हैं। उन्होंने अक्टूबर 2024 में विश्व कप क्वालीफाइंग राउंड के दौरान ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया।

तहसीन मोहम्मद (कतर)

तहसीन का जन्म दोहा में मलयाली माता-पिता के घर हुआ था, जो 2006 में कन्नूर से कतर चले गए थे। वह 16 जून को 20 साल के हो जाएंगे। तहसीन के पिता जमशेद कालीकट विश्वविद्यालय के पूर्व खिलाड़ी थे। कतर में अकाउंटेंट जमशेद थालास्सेरी के रहने वाले हैं और उनकी मां श्यामा कन्नूर के पास वालापट्टनम की रहने वाली हैं। तहसीन ने दोहा स्थित एस्पायर अकादमी में अपने फुटबॉल कौशल को निखारा और कतर स्टार्स लीग में खेलने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बने। अभी वह अल दुहैल एससी के लिए खेलते हैं। विंगर तहसीन ने फीफा विश्व कप के एशियाई क्वालीफायर ग्रुप मैच के दौरान 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया।

खबर संक्षेप

भारत ने दनादन दागे 25 गोल सिंगापुर को दी शिकस्त

काकामिगाहारा। पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुके भारत ने महिला अंडर-18 एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता के पूल ए के अपने अंतिम मैच में सिंगापुर को 25-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने सिंगापुर के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया। उसकी कम से कम 10 खिलाड़ियों ने गोल किए, जिनमें नौशीन नाज सबसे आगे रहीं। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही गीताश्री नाम्मी ने पांच गोल किए, जबकि कप्तान स्वीटी कुजुर ने चार गोल का योगदान दिया। प्रियंका मिंज ने भी हैट्रिक बनाई। उनके अलावा दीया (27वें), नैन्सी सरोहा (36वें), श्रुति कुमारी (40वें), पुष्पा मांझी (47वें), रशमीन कौर (47वें) और संदीपा कुमारी (51वें) ने भी स्कोरशीट में अपना नाम लिखवाया।

एशियाई रिले : गुरविंदरवीर करेंगे दल की अगुवाई

नई दिल्ली। पुरुषों की 100 मीटर दौड़ के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुरविंदरवीर सिंह 20 और 21 जून को चीन के शांग्यू में होने वाली दूसरी एशियाई रिले चैंपियनशिप में भारत की 29 सदस्यीय मजबूत टीम की अगुआई करेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह ने बताया कि एएफआई की चुनी भारतीय टीम के सदस्य सभी छह रिले स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, 'चीन में होने वाली यह प्रतियोगिता एथलीटों के लिए महाद्वीपीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अच्छा मौका होगी।' एशियाई रिले चैंपियनशिप का तीसरा सत्र चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा।

चीनी ताइपे को हराकर सेमीफाइनल में भारत

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया और अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने कजाखस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत के साथ अपने पूल मैच खत्म किए जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे टीम को चार मैच में 9 अंक मिले। चीनी ताइपे के खिलाफ टीम ने आक्रामक रुख अपनाया, जिसमें आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक करके सबसे अच्छा प्रदर्शन किया जबकि गाजी खान, सिद्धार्थ बेन और राहुल यादव ने दो-दो गोल किए। करण गौतम, प्रेमचंद सोय, कप्तान केतन कुशवाहा और वरिंदर सिंह ने भी गोल किए।

महिला टी20 : इंग्लैंड ने जीती सीरीज,कैप्सी और नाइट ने जड़ा अर्धशतक

चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाकर हारी टीम इंडिया हरमनप्रीत ने खेली नाबाद अर्धशतकीय पारी

एजेंसी ▶▶| टॉंटन

एलिस कैप्सी की 82 रन की तूफानी पारी और हीथर नाइट की नाबाद 70 रन की सधी पारी की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे और अंतिम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 6 विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर 5 विकेट पर 180 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (11) और स्मृति मंधाना (08) के जल्दी आउट होने के बाद भारत की तरफ से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 40 गेंद पर 7 चौकों की मदद से नाबाद 56 रन की पारी खेली। हरमनप्रीत के अलावा ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा (24 गेंद पर नाबाद 32), यास्तिका भाटिया (18 गेंद पर 32) और जेमिमा रोड्रिग्स (19 गेंद पर 29) ने भी उपयोगी योगदान देकर भारत को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। कैप्सी और नाइट की शानदार पारियों के कारण यह स्कोर पर्याप्त साबित नहीं हुआ तथा इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

कैप्सी और नाइट ने की 137 रन की साझेदारी

अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ ने भारत की तरफ से दो-दो विकेट लिए। इन दोनों की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और एक समय उसका स्कोर 3 विकेट पर 38 रन था। कैप्सी और नाइट ने यहीं से चौथे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की, जिससे इंग्लैंड इस प्रारुप में अपना दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा। भारत को इस हार के बाद महिला टी20 विश्व कप से पहले अपने कमजोर पक्षों में सुधार करने की जरूरत होगी। भारतीय टीम विश्व कप में अपनी पहले मैच में 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान का सामना करेगी।

इंग्लैंड ने पावर प्ले गंवाए 3 विकेट

इंग्लैंड ने पावर प्ले के दौरान ही सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकली (16), डैनी व्याट-हॉज (05) और एमी जोन्स (02) के विकेट गंवा दिए थे। टीम में वापसी करने वाली तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड को शुरुआती झटके देते हुए हॉज और जोन्स को आउट किया। हॉज एक बेहतरीन गेंद पर आउट हुईं, जो अंदर की ओर स्विंग होकर उनके स्टंप्स को झकझोर गई। इसके बाद कैप्सी और नाइट ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली। कैप्सी ने अपनी 43 गेंदों की पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए जबकि नाइट की 42 गेंदों की पारी में 10 चौके शामिल हैं।

सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बनीं हरमनप्रीत

हरमनप्रीत कौर ने विश्व कीर्तिमान बनाया है। न्यूजीलैंड की खिलाड़ी सुजी बेट्स को पछाड़कर कौर सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में जैसे ही कप्तान हरमनप्रीत कौर मैदान पर उतरीं, उन्होंने इतिहास रच दिया। अब वे तीनों फॉर्मेट को मिलकर सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन चुकी हैं। हरमनप्रीत का ये 368वां मैच था। इससे पहले न्यूजीलैंड की सुजी वेट्स ने 367 मैच खेले थे।

हम विश्व कप के लिए पूरी तरह से तैयार

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम महिला टी20 विश्व कप में अपनी अंतिम एकादश को लेकर काफी हद तक स्पष्ट है तथा वह इससे पहले दो अभ्यास मैच का उपयोग कुछ और संयोजन आजमाने तथा राधा यादव और भारती फुलमाली जैसी खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए करेगा। हरमनप्रीत ने कहा, 'मेरा मानना है कि हम अपनी अंतिम एकादश को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। मुझे लगता है कि हम पूरी तरह से तैयार हैं। विश्व कप से पहले हमें दो अभ्यास मैच खेलने हैं, जिनमें हम अन्य संयोजनों को आजमाने के बारे में सोच सकते हैं।'

नहीं कर पाए डॉट गेंद, विश्व कप में नहीं करेंगे ऐसी गलती : स्मृति

स्मृति मंधाना ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनके गेंदबाज पर्याप्त 'डॉट' गेंद नहीं कर पाए जिससे उन्हें 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

नॉर्वे चेस

7 दिन में दूसरी बार प्रज्ञानानंदा ने वर्ल्ड नं-1 कार्लसन को हराया

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में क्लासिकल बाजी में उन्हें दूसरी बार हराया और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पहले भारतीय चैंपियन बनने की अपनी दावेदारी को मजबूत किया। विश्व चैंपियन डी गुकेश की खिताब जीतने की उम्मीदें आठवें दौर में फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर अलीरेज़ा फ़िरोजा से एक और करारी हार के बाद खत्म हो गईं। वह 8 अंकों के साथ तालिका में सबसे निचले पायदान पर आ गए हैं। इस तरह से गुकेश का 2024 में विश्व चैंपियन बनने के बाद खराब प्रदर्शन जारी है।

12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर प्रज्ञानानंद

प्रज्ञानानंदा इस वर्ष क्लासिकल बाजी में कार्लसन को दो बार हराने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस एलीट डबल राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में उन्होंने पहले भी कार्लसन को क्लासिकल बाजी में हराया था। इस जीत से 20 वर्षीय प्रज्ञानानंदा के 12 अंक हो गए और वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ इस हार से कार्लसन की आठवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। अब केवल दो राउंड का खेल बचा हुआ है और ऐसे में मौजूदा चैंपियन कार्लसन के लिए खिताब बचाना आसान नहीं होगा।

क्लासिकल बाजी में हारी दिव्या

महिला वर्ग में कजाकिस्तान की बिबिसारा असाउबायेवा ने दिव्या देशमुख को क्लासिकल बाजी में हराकर खिताब की दौड़ में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। चीन की झू जिनर ने भी क्लासिकल में जीत हासिल की। उन्होंने मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन को हराकर 10 अंक के साथ दिव्या की बराबरी कर ली। मौजूदा चैंपियन अन्ना मुजिचुक और कोनेरू हम्पी ने अपना क्लासिकल गेम ड्रॉ किया। इसके बाद आर्मागेडन टाईब्रेक भी ड्रॉ रहने से हम्पी को बोनस अंक मिल गया क्योंकि वह काले मोहरों से खेल रही थी।

फ्रेंच ओपन

6 साल में 5वीं बार रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंचे ज्वेरेव

एजेंसी ▶▶| पेरिस

दूसरे वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने युवा खिलाड़ी राफेल जोडर पर 7-6 (3) 6-1 6-3 से शानदार जीत दर्ज करते हुए फ्रेंच ओपन में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। इसी के साथ वह 6 साल में पांचवीं बार रोलैंड गैरोस के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

ज्वेरेव को कोर्ट पर पहले सेट में 19 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी जोडर ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन 29 साल के ज्वेरेव बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए। उन्होंने 2-5 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 2 घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की।

बहुत ज्यादा डिफेंसिव खेल रहा था : ज्वेरेव

मैच के बाद ज्वेरेव ने कहा, यह काफी मुश्किल था। पहले सेट में वह लय में थे। मैं बहुत पीछे था और बहुत ज्यादा डिफेंसिव खेल रहा था। गेंद उतनी ऊंची नहीं उछल रही थी, इसलिए मुझे थोड़ा ज्यादा सीधा खेलना पड़ा। मैं आगे बढ़ना चाहता हूं। मैं टूर्नामेंट में बने रहना चाहता हूं। मैं उन मुकाबलों को जीतना चाहता हूं, जिन्हें मैं (पहले) नहीं जीत पाया था। यही मेरा लक्ष्य है। मुझे लगता है कि आज एक बहुत ही अच्छे खिलाड़ी के खिलाफ मेरा बहुत कड़ा इम्तिहान था। मैं इसमें कामयाब रहा, मैं जीत गया। मैं सेमीफाइनल में पहुंचकर खुश हूं।

इंडोनेशिया ओपन

प्री क्वार्टर फाइनल में आयुष सात्विक-चिराग मैच से हटे

जकार्ता। युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बुधवार को इंडोनेशिया ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी मैच के बीच से हट गई। दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने इस सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी चीन के होंग येंग चेंग को 8-21, 22-20, 21-15 से हराया। पहले गेम में करारी हार के बाद 21 साल के आयुष ने दूसरे गेम में 11-15 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचा। आयुष ने तीसरे और निर्णायक गेम में पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनकी भिड़ंत हांगकांग के ली च्युक यू से होगी।

6 साल बाद न्यूजीलैंड जाएगी टीम इंडिया खेलेंगी 5 टी20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

भारत 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक न्यूजीलैंड का दौरा करेगा, जहां वह 2 टेस्ट, 5 एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। इस तरह से यह न्यूजीलैंड में भारत की अब तक की सबसे बड़ी पुरुष द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला होगी। यह पहला अवसर होगा जबकि कोई टीम न्यूजीलैंड में तीनों प्रारुप में कुल मिलाकर 12 मैच खेलेगी।

यह श्रृंखला दोनों देशों के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में खेली जाएगी। इस 40 दिवसीय दौरे की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के बाद एकदिवसीय श्रृंखला होगी, जिसका पहला मैच 4 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा।

टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत 19 नवंबर से वेलिंगटन में

टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत 19 नवंबर से वेलिंगटन के सेलो बेसिन रिजर्व में होगी। दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में 27 नवंबर से एक दिसंबर तक खेला जाएगा। भारत 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट श्रृंखला खेलेगा। तब से न्यूजीलैंड ने भारत का दो बार दौरा किया है, जिसमें उनका 2024-25 का ऐतिहासिक दौरा भी शामिल है, जब उसने टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था।

भारत-अफगानिस्तान एक मात्र टेस्ट मैच 6 जून से

सिराज-प्रसिद्ध ने भीषण गर्मी में किया जमकर अभ्यास

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले बुधवार को भीषण गर्मी के बावजूद लगभग 25 मिनट तक जमकर अभ्यास किया। इस एकमात्र टेस्ट मैच के बाद भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 मैच की वनडे श्रृंखला खेली जाएगी।

इंडियन प्रीमियर लीग में दो महीने तक व्यस्त रहने के बाद गेंदबाजों के कार्यभार को लेकर कुछ सवाल उठ रहे थे, लेकिन चिलचिलाती धूप में सिराज की शानदार गेंदबाजी से स्पष्ट हो गया कि इस सीनियर तेज गेंदबाज की फिटनेस को लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है। अगर सिराज फिट नहीं होते तो उनके लिए चिलचिलाती धूप में अपनी पूरी ताकत से गेंदबाजी करना आसान नहीं होता। लेकिन उनकी गेंदबाजी को देखकर लगता है कि वह इस टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाजी की अगुवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

नेट प्रैक्टिस में बराड़ ने किया ध्यान आकर्षित

अभ्यास सत्र के दौरान 6 फुट 5 इंच लंबे दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने अच्छी लेंथ से तेज उछाल हासिल की। कम से कम दो मौकों पर उनकी गेंद केएल राहुल के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पीछे गई। राहुल इसके अलावा अभ्यास के दौरान तकनीकी रूप से काफी कुशल नजर आए। जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी डार ने कई चरणों में गेंदबाजी की। उन्होंने भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। नबी ने अपनी लाइन और लेंथ को बनाए रखते हुए अच्छा नियंत्रण बनाए रखा।

हर्ष दुबे और मानव सुथार ने की नेट में गेंदबाजी

इस सत्र का एक उल्लेखनीय पहलू बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे को बल्लेबाजी करने का अधिक समय देना रहा। इससे पता चलता है की टीम प्रबंधन उनकी ऑलराउंड क्षमता का उपयोग करने के लिए उत्सुक है। दुबे और बाएं हाथ के स्पिनर के स्थान के लिए उनके प्रतिद्वंद्वी मानव सुथार ने पास-पास के नेट में गेंदबाजी की। इस दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर उन पर करीबी नजर रखे हुए थे। कप्तान शुभमन गिल समेत सभी विशेषज्ञ बल्लेबाजों ने प्रिंस यादव समेत रिजर्व गेंदबाजों के खिलाफ नेट पर अच्छा खासा समय बिताया।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की अनुशंसा

ग्वालियर के वरिष्ठ अधिवक्ता अमित लाहोटी बनेंगे हाईकोर्ट के जज

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कालेजियम ने मप्र हाईकोर्ट में न्यायाधीश पद पर नियुक्ति के लिए ग्वालियर के वरिष्ठ अधिवक्ता अमित लाहोटी के नाम की अनुशंसा की है। अब यह प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचारार्थ जाएगा। केंद्र की मंजूरी और राष्ट्रपति की अधिसूचना जारी होने के बाद उनकी औपचारिक नियुक्ति होगी।

अमित लाहोटी मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में सिविल, संवैधानिक और विविध रिट याचिकाओं से जुड़े जटिल मामलों की पैरवी करते रहे हैं। उनके चाचा आरसी लाहोटी पूर्व सीजेआई रह चुके हैं। एक अन्य चाचा जस्टिस केके लाहोटी भी मप्र हाई कोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि मप्र हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के 53 स्वीकृत पदों में से वर्तमान में 40 न्यायाधीश कार्यरत हैं।

पूर्व विधायक शशांक भार्गव की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में बुधवार को पूर्व विधायक शशांक भार्गव की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई टल गई। जस्टिस देवनारायण मिश्रा की सिंगल बेंच ने जनप्रतिनिधि से जुड़ा मामला होने के कारण सुनवाई नहीं की। कोर्ट ने प्रकरण को उपयुक्त बेंच के समक्ष सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई 10 जून को होगी। मामला आत्महत्या दुष्प्रेरण के आरोप से संधित है। जिला अदालत व ग्वालियर बेंच से राहत न मिलने के बाद मामला जबलपुर मुख्यपीठ पहुंच गया है, क्योंकि विदिशा भोपाल संभाग में आता है। यह मामला 27 अप्रैल, 2026 को विदिशा के बेहलट गांव के निवासी गोविंद सिंह गुर्जर का शव रेलवे ट्रेक पर मिलने से संबंधित है। मरने से पूर्व गुर्जर ने एक वीडियो वायरल किया था, जिसमें पूर्व विधायक भार्गव पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए थे। इसी मामले में गिरफ्तारी से बचने भार्गव ने यह अग्रिम जमानत की अर्जी दायर की है।

हाई कोर्ट ने एमएससी की परीक्षा में शामिल होने दी अस्थायी जमानत

पास्को एक्ट में न्यायालय ने किया था सजा से दंडित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पोक्सो एक्ट में दंडित युवक को एमएससी की परीक्षा में शामिल होने 15 दिन की अस्थायी जमानत दी है। जस्टिस विवेक जैन व जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की डिवीजन बेंच ने युवक की अर्जी मंजूर कर ली। रीवा निवासी संजू कुशवाहा को जिला न्यायालय ने पास्को एक्ट के तहत सजा से दंडित किया था। सजा के विरुद्ध हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। अपील की सुनवाई के दौरान आवेदन पेश किया गया कि वह एमएससी केमिस्ट्री के चौथे सेमेस्टर का छात्र है। उसकी परीक्षा प्रारंभ होने वाली है। परीक्षा में शामिल होने के लिए उसे अस्थाई जमानत पर रिहा किया जाए। आवेदन की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आवेदक को परीक्षा का एडमिट कार्ड पेश करने के निर्देश जारी किए थे। आवेदक के द्वारा परीक्षा का एडमिट कार्ड पेश करने पर पीठ ने उसे 15 दिनों की अस्थाई जमानत दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में अपीलकर्ता को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय अवधि के बाद न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करे।

पिता को भी बात करने की दी इजाजत

7 साल की बच्ची की इच्छा सर्वोपरि हाईकोर्ट ने मां को सौंपी कस्टडी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने 7 वर्षीय अबोध बच्ची की इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए उसे उसकी मां की कस्टडी में सौंप दिया। जस्टिस प्रणय वर्मा व जस्टिस जे.के. पिल्लई की डिवीजन बेंच के समक्ष मासूम बच्ची ने कहा कि वह अपनी मां के साथ रहना चाहती है। पिता के साथ नहीं जाना चाहती। बच्ची के बयान को आधार बनाते हुए कोर्ट ने उसे मां के सुपुर्द करने के निर्देश दिए।

जबलपुर निवासी प्रियंका ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर कहा था कि उसके पति नरेन्द्र 27 मई 2026 को बेटी निशि को दादी से मिलाने के बहाने अपने साथ नर्मदापुरम ले गए, लेकिन उसे वापस नहीं भेजा। जबकि जन्म से ही बच्ची उसकी देखरेख में रह रही है और पिता द्वारा उसे जबरन अपने पास रखना गैरकानूनी है।

सुनवाई के दौरान पिता नरेन्द्र ने अदालत को बताया कि निशि अपनी दादी से मिलना चाहती थी, इसलिए वह उसे अपने साथ ले गया हकीकत जानने के लिए कोर्ट ने बच्ची को पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट में प्रस्तुत की गई बच्ची ने कहा, "पापा मुझे दादी से मिलाने ले गए थे, लेकिन मुझे उनके साथ नहीं रहना। अपनी मम्मी के पास जाना है। बच्ची की साफगोई के बाद कोर्ट ने कहा कि भले ही पिता का उद्देश्य गलत न रहा हो, लेकिन बच्ची को उसकी मां से अलग रखकर अपने पास रखना कानूनी रूप से उचित नहीं माना जा सकता।कोर्ट ने बच्ची की कस्टडी तत्काल उसकी मां प्रियंका को सौंपने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जब भी पिता अपनी बेटी से बात करना चाहें, मां को फोन या अन्य माध्यमों से बातचीत करानी पड़ेगी।

बैंक ग्राहकों से लाखों की धोखाधड़ी

जबलपुर। भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड की शहपुरा शाखा में पदस्थ दो संगम मैनेजरों द्वारा महिलाओं के बैंक खातों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आपराधिक न्यास भंग एवं धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

थाना शहपुरा में शाखा प्रबंधक राजा यादव ने लिखित शिकायत दर्ज कराई कि भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड कंपनी अधिनियम 2013 के तहत निगमित संस्था है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद तथा पंजीकृत कार्यालय मुंबई में स्थित है। यह कंपनी इंडसइंड बैंक लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में कार्य करती है। वर्तमान में वह शहपुरा शाखा में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

शिकायत के अनुसार शाखा में संगम मैनेजर के पद पर कार्यरत दीपक गौंड निवासी हरदुआ, सिंगोरगढ़, जिला दमोह तथा मोतीलाल यादव निवासी ग्राम जमुनिया, जिला सागर महिलाओं को समूह ऋण वितरण एवं किश्त संग्रहण का कार्य करते थे। आरोप है कि दोनों कर्मचारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए महिला ग्राहकों को विश्वास में लिया और लोन की किश्त, प्री-पेमेंट तथा ऋण संबंधी जानकारी जांचने के नाम पर उनके अंगूठे बायोमैट्रिक मशीन में लगवाए।

दो संगम मैनेजरों पर मामला दर्ज

इसके बाद दोनों आरोपियों ने विभिन्न सीएसपी एप के माध्यम से महिला ग्राहकों के बैंक खातों से राशि निकाल ली। महिलाओं को इस निकासी की जानकारी नहीं दी गई और न ही यह राशि बैंक में जमा कराई गई। इस प्रकार आरोपियों ने ग्राहकों और बैंक दोनों के साथ छल करते हुए लाखों रुपये का गबन किया।

मामले का खुलासा होने पर शाखा प्रबंधक ने दोनों कर्मचारियों से संपर्क कर राशि लौटाने को कहा, लेकिन उन्होंने पैसे वापस करने से इनकार कर दिया। शिकायत के अनुसार दोनों आरोपी वर्तमान में फरार हैं।

जांच में पाया गया कि दीपक गौंड ने बैंक को 4 लाख 71 हजार 514 रुपये तथा मोतीलाल यादव ने 2 लाख 63 हजार 946 रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाई है। दोनों ने बैंकिंग कार्यों से जुड़े पद पर रहते हुए जमा की जाने वाली राशि का दुरुपयोग कर आपराधिक न्यास भंग किया।

पुलिस ने शिकायत और जांच के आधार पर आरोपी दीपक गौंड एवं मोतीलाल यादव के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(2), 316(5) एवं 61(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

घटिया अनाज देखकर उपभोक्ताओं का आक्रोश भड़का

घुन लगा गेहूं, फफूंद लगा चावल हितग्राहियों को बटा

जबलपुर। सेवा सहकारी समिति खैरी महाराजपुर करौंदा नाला राशन दुकान से घुन लगा गेहूं और फफूंद लगा चावल वितरित किए जाने पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली कटघरे में आ गई है। बेहद घटिया और बदबूदार राशन बांटने पर ग्रामीण उपभोक्ता आक्रोशित हो गए। कई ने तो खराब गुणवत्ता का राशन लेने से मना कर दिया। प्रभावित ग्रामीणों ने जिम्मेदार दोषियों व संबंधित एजेंसियों पर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों का आरोप है कि चावल में सूड़ी और इल्लियां रेंग रही हैं, जबकि गेहूं घुन के कारण नष्ट हो चुका है। स्थिति यह है कि गेहूं को हाथ लगाते ही पाउडर बन रहा है। उपभोक्ताओं ने जब राशन विक्रेता से शिकायत की, तो उसने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। दुकान संचालक का दावा है कि जैसा अनाज प्राप्त हुआ, वैसा ही बांटा जा रहा है। उधर हितग्राहियों का कहना है कि दो माह का राशन इकट्ठा मिला लेकिन वह किसी काम नहीं आया ।

वितरण व्यवस्था की अनदेखी

करौंदा नाला के निवासियों ने आरोप लगाया कि राशन वितरण प्रणाली की निगरानी कमजोर हो चुकी है। इसी वजह से उपभोक्ताओं को हर महीने घटिया गुणवत्ता का अनाज मिलने की समस्या से जूझना पड़ता है। इसके अतिरिक्त पारदर्शिता के नियमों की भी अनदेखी की जा रही है। इस राशन दुकान पर पिछले कई वर्षों से अनिवार्य सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया है।

अधिकारियों ने दिया जांच का आश्वासन

इस मामले के बाद संबंधित खाद्य विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि करौंदा नाला स्थित राशन दुकान की जांच के लिए एक टीम भेजी जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक यदि जांच में लापरवाही या अनियमितता की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वाहनों की चाबियां छीनीं एफआईआर दर्ज

विद्युत महिला अधिकारी से अभद्रता का आरोप

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत रिछाई के सुमन नगर क्षेत्र में बिजली मीटरों की जांच करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम पर उपभोक्ताओं ने जमकर आक्रोश निकाला। आरोप है कि आरोपी राघव तिवारी ने कनिष्ठ यंत्री श्रीमती रुपाली ज्योतिषी और अन्य लाइन स्टाफ के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोपी ने न केवल सरकारी काम को रोका, बल्कि विभागीय वाहनों की चाबियां भी छीन लीं और महिला अधिकारी के साथ बदसलूकी की। रांझी पुलिस ने इस मामले में आरोपी राघव तिवारी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

इस संबंध में मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधारताल शहर संभाग के सहायक यंत्री विवेक नेमा ने रांझी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है कि विभागीय टीम सुमन नगर मेन रोड रिछाई में स्थित डीके तिवारी और कौशल्या तिवारी के परिसर में पहुंची थी। तभी आरोपी राघव तिवारी वहां आया और उसने हंगामा शुरू कर दिया। उसने मौके पर मौजूद सहायक यंत्री विवेक नेमा, कनिष्ठ यंत्री श्रीमती रुपाली ज्योतिषी और लाइन स्टाफ मुस्ताक अली, अंकित पटेल, रोहित अहिरवार, आजाद कोल और मयंक मानवेरे को शासकीय कार्य करने से रोका। आरोपी ने विद्युत चेकिंग की वैधानिक कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए टीम के साथ तीखी बहस की।

चाबियां छीनीं, पुलिस को दी सूचना

आरोपी राघव तिवारी ने शासकीय कार्य में लगे वाहन संख्या एमपी 20 जेडएल 6973 और एमपी 20 एलबी 3123 की चाबियां ड्राइवरों से जबरदस्ती छीन लीं। घटनास्थल पर बिगड़ते हालात को देखकर अधिकारियों ने तुरंत रांझी पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और आरोपी के कब्जे से विभागीय वाहनों की चाबियां वापस दिलवाईं। पुलिस ने अब इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना में लिया है।

अवैध परिवहन, ओवर लोडिंग और दस्तावेजहीन वाहनों के खिलाफ सघन अभियान जारी

53.45 लाख रुपये के चालान

संभागीय उड़नदस्ता ने मई माह में 980 वाहनों पर की कार्यवाही

हरिभूमि, जबलपुर।

परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश उमेश जोगा के निर्देश पर आरटीओ संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी विक्रम सिंह ठाकुर के नेतृत्व में जबलपुर उड़नदस्ता टीम द्वारा मई माह के दौरान अवैध परिवहन, ओवरलोडिंग, बिना वैध दस्तावेजों के माल परिवहन तथा मोटरयान अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान माल परिवहन में संलग्न कुल 980 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई, जिसके तहत 53 लाख 45 हजार रुपये की राजस्व वसूली हेतु चालान बनाए गए। कार्रवाई के दौरान बिना वैध परमिट, फिटनेस, बीमा, कर भुगतान एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के संचालित पाए गए वाहनों पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की गई।

उल्लेखनीय है कि परिवहन आयुक्त उमेश जोगा द्वारा प्रदेशभर में राजस्व संग्रहण एवं प्रवर्तन गतिविधियों की नियमित समीक्षा की जा रही है। हाल ही में आयोजित समीक्षा बैठक में अपेक्षाकृत कम राजस्व संग्रहण वाले अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद प्रदेशभर में प्रवर्तन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा अवैध परिवहन, ओवरलोड वाहनों तथा बिना वैध दस्तावेजों के संचालित मालवाहक वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। जबलपुर संभागीय उड़नदस्ता द्वारा की गई यह कार्रवाई विभाग की सक्रियता एवं अभियान की प्रभावशीलता को दर्शाती है। संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी विक्रम सिंह ठाकुर ने वाहन स्वामियों एवं संचालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें तथा निर्धारित नियमों एवं भार सीमा का पालन करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत बायपास नीलकमल ढाबा के पहले माढ़ोताल में सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की हेल्थ सिटी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सूखा माढ़ोताल निवासी 40 वर्षीय नंदलाल अहिरवार का गत रात लगभग 8.10 बजे बायपास नीलकमल ढाबा के पहले माढ़ोताल में सड़क दुर्घटना में घायल होने से उपचार हेतु हेल्थ सिटी अस्पताल कटंगी में इलाज के लिए भर्ती कराया था, जहां उपचार दौरान रात लगभग 11.20 बजे नंदलाल अहिरवार की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

हाईकोर्ट ने अवकाश के बाद सुनवाई के निर्देश दिए

गोलबाजार की सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश पर स्थगन से इंकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने उस आदेश पर अंतरिम स्थगन देने से इंकार कर दिया,जिसमें जबलपुर कलेक्टर व नगर निगमायुक्त को निर्देश दिया गया था कि यदि गोलबाजार की सरकारी भूमि में अतिक्रमण पाया जाए तो 22 जून या उससे पहले हटाया जाए। जस्टिस प्रणय वर्मा व जस्टिस जेके पिल्लई की डिवीजन बेंच ने पार्षद अयोध्या तिवारी सहित अन्य को अंतरिम राहत नहीं दी । कोर्ट ने ग्रीष्मावकाश के बाद मूल बेंच के समक्ष मामले की सुनवाई की व्यवस्था दी। अगली सुनवाई 19 जून को होगी।

हस्तक्षेपकर्ता जबलपुर निवासी अमित जैन की ओर से अधिवक्ता सतीश वर्मा ने कोर्ट को बताया कि पुनरीक्षण याचिकाकर्ता जयदीप शाह के घर के सामने गोलबाजार में लगभग 12800 वर्ग फुट का एक भूखंड है। यह सरकारी भूमि है। जिस पर स्थानीय पार्षद अयोध्या तिवारी ने अतिक्रमण कर लिया है। इस संबंध में राज्य सरकार और

नगर निगम को अभ्यावेदन दिया गया है। जिसके जरिए मांग की गई है कि अयोध्या तिवारी और अन्य लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया जाए। लेकिन नगर निगम व राज्य शासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कोर्ट ने विगत सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा था कि यदि याचिकाकर्ता इस संबंध में तीन दिनों के भीतर कलेक्टर व आयुक्त नगर निगम को अभ्यावेदन देता है, तो वे निर्णय लेंगे। सबसे पहले, वे यह पता लगाएंगे कि कथित सरकारी भूमि वास्तव में सरकारी भूमि है या नहीं। और यदि यह पाया जाता है कि यह सरकारी भूमि है, तो वे 30 दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाने के लिए सभी कदम उठाएंगे। वे 22 जून, 2026 को या उससे पहले अतिक्रमण हटा देंगे। इसी आदेश पर अंतरिम स्थगन के लिए अयोध्या तिवारी, उनके दो भाइयों व मां की ओर से अर्जी दायर की गई थी। उल्लेखनीय है कि इस मामले में नगर निगम द्वारा 11 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर के तीन दिन में स्वामित्व एवं भवन निर्माण की जानकारी देने को कहा गया है।

जटिल हृदय रोगियों का सफल उपचार

जर्मनी के विश्वविख्यात CTO विशेषज्ञ डॉ. जेराल्ड वर्नर का जबलपुर में भव्य स्वागत

जबलपुर। गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल में आयोजित प्रदेश के प्रथम उन्नत CTO (क्रॉनिक टोटल ऑक्लूज़न) प्रशिक्षण एवं उपचार सम्मेलन में जर्मनी के विश्वविख्यात इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट एवं CTO विशेषज्ञ प्रो. डॉ. जेराल्ड वर्नर के आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया।जर्मनी से जबलपुर पहुंचे प्रो. डॉ. जेराल्ड वर्नर का गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल ने आत्मीय स्वागत कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों ने भी उनका अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम की सफलता की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर सहित विदर्भ क्षेत्र के नागपुर एवं अन्य शहरों से बड़ी संख्या में हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट) जबलपुर पहुंचे। सभी विशेषज्ञों ने CTO जैसी जटिल हृदय धमनियों की रुकावटों के उपचार में उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल में CTO मरीजों का सफल उपचार किया गया। इन मरीजों की हृदय धमनियां लंबे समय से पूर्ण रूप से अवरुद्ध थीं, जिनका उपचार सामान्य एंजियोप्लास्टी अथवा बायपास सर्जरी से अत्यंत चुनौतीपूर्ण माना जाता है। प्रो. डॉ. जेराल्ड वर्नर एवं डॉ. पुष्पराज पटेल के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम ने उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए सफल प्रक्रियाएं संपन्न कीं।सम्मेलन के शैक्षणिक सत्र एवं वैज्ञानिक चर्चाएं अशोका होटल, जबलपुर में आयोजित की गईं, जहां देश-विदेश के विशेषज्ञों ने CTO उपचार की आधुनिक तकनीकों, जटिल मामलों के प्रबंधन तथा नवीन शोध विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम में डॉ. दिलीप तिवारी, डॉ. के. एल. उमा महेश्वर, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. हर्षा रेड्डी, डॉ. अनिमेश गुप्ता, डॉ. वी. डी. त्रिपाठी, डॉ. वंदना माली, डॉ. क्षितिज, डॉ. अमित किनारे, डॉ. सुदीप चौधरी, डॉ. सुनील जैन, डॉ अंजनेय मिश्रा, डॉ. राहुल अशोकराव दारनुले एवं डॉ. सचिन गवंडे सहित अनेक वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।प्रो. डॉ. जेराल्ड वर्नर ने कहा कि CTO उपचार के क्षेत्र में निरंतर नई तकनीकों का विकास हो रहा है और इन तकनीकों के माध्यम से ऐसे मरीजों का भी सफल उपचार संभव है, जिनके लिए पहले सीमित विकल्प उपलब्ध होते थे। उन्होंने भारत के चिकित्सकों की दक्षता एवं समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।डॉ. पुष्पराज पटेल ने बताया कि जबलपुर एवं महाकौशल क्षेत्र में पहली बार इस स्तर का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इससे प्रदेश एवं विदर्भ क्षेत्र के कार्डियोलॉजिस्टों को अत्याधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, जिसका लाभ भविष्य में हजारों हृदय रोगियों को मिलेगा।यह सम्मेलन चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास एवं उन्नत हृदय रोग उपचार के क्षेत्र में जबलपुर के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

रक्षा मंत्री से मिले सांसद आशीष दुबे

जबलपुर में डिफेंस क्लस्टर बनाने की मांग

जबलपुर। जबलपुर सांसद आशीष दुबे ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर शहर से जुड़े रक्षा क्षेत्र के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जबलपुर में डिफेंस क्लस्टर स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हुए रक्षा मंत्री को शहर के दौरे के लिए आमंत्रित भी किया। सांसद ने बताया कि जबलपुर लंबे समय से देश के प्रमुख रक्षा उत्पादन केंद्रों में शामिल रहा है। यहां ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया में गोला-बारूद का निर्माण होता है, जबकि गन कैरिज फैक्ट्री में सारंग, धनुष और लाइट फील्ड गन जैसी महत्वपूर्ण तोपों का उत्पादन किया जाता है। इसके अलावा व्हीकल फैक्ट्री में सेना के लिए वाहनों, टैंकों और बुलेटप्रूफ ट्रकों का निर्माण किया जाता है। आशीष दुबे ने रक्षा मंत्री को बताया कि जबलपुर में सामग्री प्रबंधन कॉलेज, रक्षा मानकीकरण सेल, 506 आर्मी बेस वर्कशॉप, कॉलेज ऑफ मेंटेनेंस मैनेजमेंट तथा केंद्रीय आयुध डिपो जैसे महत्वपूर्ण संस्थान भी संचालित हैं। साथ ही कटनी और इटारसी की आयुध निर्माणियों का निकट होना डिफेंस क्लस्टर की स्थापना के पक्ष में मजबूत आधार प्रदान करता है। उन्होंने कैंट क्षेत्र के रहवासियों की सुविधाओं तथा रक्षा प्रतिष्ठानों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों की समस्याओं, निगमीकरण, डीम्ड डेप्युटेशन और कार्य व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।

डिफेंस क्लस्टर से महाकौशल को मिलेगा लाभ

सांसद ने कहा कि जबलपुर में डिफेंस क्लस्टर बनने से रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कंपनियां, शोध संस्थान और सहयोगी उद्योग एक ही क्षेत्र में विकसित हो सकेंगे। इससे रक्षा उत्पादन को गति मिलने के साथ रोजगार और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करने के साथ महाकौशल क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जांच में जुटी पुलिस

कचरे के ढेर में मिली मानव खोपड़ी

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र के रक्षा नगर स्थित फक्कड़ बाबा मंदिर के समीप कचरे के ढेर में मानव खोपड़ी मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और खोपड़ी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ भी एकत्र हो गई। सीएसपी रांझी सतीश साहू ने बताया कि बरामद खोपड़ी को फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। घटनास्थल से केवल खोपड़ी ही मिली है, इसलिए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में क्षेत्रवासियों ने बताया कि इलाके में कब्रबिज्जू अक्सर दिखाई देते हैं। आशंका जताई जा रही है कि खोपड़ी किसी कब्र से निकालकर यहां लाई गई हो। हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

औषधीय पौधे मानव जीवन के लिए बहुमूल्य धरोहर : कुलपति डॉ. पीके. मिश्रा

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में कृषि महाविद्यालय के पौध कार्यिकी विभाग द्वारा हरित पर्यावरण और स्वस्थ भविष्य के लिए औषधीय पौधों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा और अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. ए. के. जैन, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी. आर. शर्मा, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव और अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. अल्पना सिंह उपस्थित रहे। कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि औषधीय पौधे मानव जीवन के लिए बहुमूल्य धरोहर हैं। इनके संरक्षण, संवर्धन और जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने बताया कि भारत में प्राचीन काल से औषधीय पौधों का एक अलग इतिहास रहा है और इन्हें स्वास्थ्य व पर्यावरण संरक्षण में अपनाना आवश्यक है। संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. ए. के. जैन ने औषधीय पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एलोवेरा, मीठी नीम, पुदीना सहित अन्य पौधों की पहचान और देखभाल की जानकारी साझा की। पौध कार्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी ने नीम, गिलोय, ब्राह्मी, अश्वगंधा आदि पौधों के औषधीय गुणों पर जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. एस. के. द्विवेदी ने पर्यावरण दिवस और इसके महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि औषधीय पौधों के रोपण से पारिस्थितिक संतुलन, जैव विविधता संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सी. पी. शुक्ला ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. सी. एस. पांडे ने किया। इस अवसर पर उप लेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे, डॉ. ब्रजेश दीखित, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. आलोक बाजपेयी, डॉ. आर. एन. श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

6 डायरेक्टर सहित 3 वेतन भोगियों पर एफआईआर दर्ज

बेगमगंज सीड प्रोड्यूसर लिमिटेड का फर्जीवाड़ा उजागर

जबलपुर। किसान मजदूर महासंघ की शिकायत पर की गई उच्च स्तरीय जांच के बाद जिले में बेगमगंज सीड प्रोड्यूसर लिमिटेड कंपनी द्वारा अंजाम दिए गए इस सुनियोजित वित्तीय फर्जीवाड़े में कलेक्टर जबलपुर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर कुल 9 लोगों पर नामजद धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। कृषि विभाग के सहायक संचालक रवी कुमार आम्रवंशी की लिखित शिकायत पर पाटन पुलिस ने कंपनी के 6 डायरेक्टर सचिन दुबे, रंजना पाण्डे, संदीप दुबे, अंशुल बर्मन, नेहा पाण्डे, उमा सिंह और 3 वेतनभोगी कर्मचारी प्रबंधक मनीष चौरसिया, लेखापाल कमलेश साहू तथा कंप्यूटर ऑपरेटर नीलेश विश्वकर्मा को आरोपी बनाया है। किसान मजदूर महासंघ के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ठाकुर की शुरुआती शिकायत पर की गई उच्च स्तरीय जांच में यह बात सामने आई की कि इन सभी लोगों ने मिलकर जाली बैंक खाते और फर्जी किसानों की फौज खड़ी कर शासन को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया। अब इस शिकायत के बाद पाटन पुलिस ने आईपीसी की धारा 420, 467, 34 के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है। जांच टीम के हाथ लगे दस्तावेजों से बात सामने आई कि बेगमगंज सीड प्रोड्यूसर लिमिटेड कंपनी के कर्ताधर्ताओं ने कागजों पर ही पूरा मायाजाल बुन रखा था। कंपनी के आधिकारिक रिकॉर्ड में किसी भी तरह की बैठक, एजेंडा या निर्णय के बिना ही सीधे प्रबंधक मनीष चौरसिया, कंप्यूटर ऑपरेटर नीलेश विश्वकर्मा और लेखापाल कमलेश साहू के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए। हैरानी की बात यह है कि इन नियुक्ति पत्रों पर कोई तारीख तक दर्ज नहीं थी और अलग-अलग कागजातों पर किए गए हस्ताक्षर भी आपस में मेल नहीं खा रहे थे। जांच दल ने इन सभी पत्रों को पूरी तरह जाली और नियम विरुद्ध करार दिया है। सरकारी नियमानुसार अनाज उपार्जन का काम पाने के लिए किसी भी समिति या कंपनी के पास 50 लाख रुपये की नकद राशि या क्रेडिट लिमिट होना अनिवार्य शर्त है।

कुछ विधायकों के रवैए से भाजपा नेतृत्व नाराज, अंकुश लगाने की तैयारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश में भाजपा के कुछ विधायक अपने बयानों और कामों से पार्टी की फजीहत करा रहे हैं। उनके रवैए से भाजपा नेतृत्व और सरकार खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। पार्टी ने ऐसे विधायकों पर अंकुश लगाने का निर्णय लिया है।

लिहाजा, जल्दी ही इन्हें राजधानी में तलब कर इनसे स्पष्टीकरण मांगने की तैयारी है। सरकार को परेशानी में डालने वाले ये विधायक हैं गुना के पन्नालाल शाक्य, आलोट के चिंतामणि मालवीय और पिछोर के प्रीतम सिंह लोधी। पन्नालाल के बयान से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थक, चिंतामणि के बयानों से खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रीतम लोधी के रवैए से पार्टी नाराज है।

- प्रदेश भाजपा मुख्यालय तलब कर मांगा जाएगा स्पष्टीकरण
- पन्नालाल, चिंतामणि, प्रीतम के बयानों से हो रही फजीहत

पन्नालाल शाक्य

चिंतामणि मालवीय

प्रीतम लोधी

शाक्य ने बोला था सिंधिया समर्थक मंत्रियों पर हमला

गुना से भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य आमतौर पर पार्टी की फजीहत कराने वाले बयान देते रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सिंधिया समर्थक ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और गुना के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को खरी-खोटी सुना डाली। शाक्य ने तोमर पर कटाक्ष कर कहा कि ऊर्जा मंत्री इतने ज्ञानी हैं कि मंच पर ही डॉक देने लगते हैं। ऐसा लगता है कि मौका मिले तो बिजली के पोल पर भी चढ़ जाएं और नाले में भी उतर जाएं। लेकिन हमें दिखावे नहीं, प्रामाणिकता के साथ काम चाहिए। शाक्य ने जिले के प्रभारी मंत्री राजपूत पर भी हमला बोलते हुए कहा कि वह खुद को महाराजा से बड़ा समझते हैं। महाराज के साथ किसी को चलने नहीं देते। हवाई पट्टी पर भी मुझे किनारे कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो वे मुख्यमंत्री से मिल कर कहेंगे कि ऐसे नकारा मंत्रियों को हटाया जाए। खबर है कि भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने ऐसी बयानबाजी पर शाक्य के खिलाफ संगठन को रिपोर्ट भेजी है।

सरकार की कार्यप्रणाली पर ही खड़े कर दिए सवाल

भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय सांसद भी रहे हैं, इस नाते अनुभवी और वरिष्ठ हैं, फिर भी उनके बयान संगठन और सरकार को मुसीबत में डाल रहे हैं। अब उन्होंने अपनी सरकार की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। यह संगठन और सरकार दोनों को नागवार गुजरा है। एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी इतने ताकतवर क्यों ? अधिकारी लोग घंटों इंतजार के बाद भी नेताओं से नहीं मिलते है। मालवीय ने साफ लफ्जों में कहा कि प्रदेश में शक्ति का केंद्र जनता या जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि नौकरशाह हैं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट सेक्रेटरी के बाद हर विभाग का केवल एक सचिव होता है। मुख्य सचिव के अलावा कई एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और प्रिंसिपल सेक्रेटरी बनाए जाते हैं। एक अधिकारी के पास 5 से 7 विभाग होते हैं, जबकि मंत्री के पास एक विभाग होता है। ऐसे में अधिकारियों का बढ़ता प्रभाव जनप्रतिनिधियों को कुछ नहीं समझता और न ही महत्व देता।

प्रीतम ने कर डाला एक डकैत का सम्मान

पिछोर से विधायक प्रीतम लोधी भी विवादित बयानों को लेकर चर्चित रहते हैं। भाजपा का प्रदेश नेतृत्व पहले भी उन्हें बुला कर समझाइश दे चुका है। अब उन्होंने एक कुख्यात दस्यु को अपना मित्र बता कर सार्वजनिक तौर पर सम्मान कर डाला, जिसने एक साथ 16 गुर्जरों की हत्या कर दी थी। प्रीतम इस दस्यु की तरफदारी करते नजर आए। इनके अलावा भी कुछ विधायक हैं, जो अपने विवादित बयानों और कामों के कारण संगठन और सरकार को असहज करते रहते हैं। खबर है कि पार्टी नेतृत्व इन सभी को तलब कर एक बार फिर समझाइश देने वाला है। जरूरत पड़ी तो इन्हें नोटिस जारी कर भी स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय से राज्य शासन को मिलेंगे 5 हजार करोड़ रुपए

पेयजल आपूर्ति में कोई कमी न रहे, सूखे पेयजल स्त्रोतों की कराएं जांच: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नागरिकों को समुचित पेयजल आपूर्ति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को पर्याप्त और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। गर्मी के मौसम और बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था की सतत निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जहां जैसी आवश्यकता हो, वहां वैसी त्वरित व्यवस्थाएं की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा की।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में जल अभाव की स्थिति बन रही है, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्थाएं लागू कर पानी उपलब्ध कराया जाए। बैठक में पीएचई की मैदानी योजनाओं एवं पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सम्पत्तिया उइके ने बताया कि विभाग तेजी से अपनी लक्ष्य पूर्ति की ओर बढ़ रहा है। मार्च 2028 से पहले प्रदेश में हर घर नल से जल के उद्देश्य से जल जीवन मिशन का काम पूरा कर लिया जाएगा। मिशन का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। उज्जैन राजस्व संभाग सहित प्रदेश के 11 जिलों में जल जीवन मिशन का शत प्रतिशत कार्य हो चुका है।

जल स्त्रोतों के लिए ट्यूबवेल पर ही न रहें आश्रित, तालाब से जल संग्रहण और रिचार्जिंग दोनों में आसानी

खास बातें
- डॉ. यादव ने कहा- नल जल योजनाएं बिना किसी बाधा के हों संचालित
- सीएम ने की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव व मंत्री निर्मला अधिकारियों से चर्चा करते हुए।

समस्या की सूचना मिलते ही उसे तत्काल दूर करने के निर्देश

प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मनीष सिंह ने बताया कि विभागीय स्तर पर पेयजल आपूर्ति की गहन मॉनीटरिंग की जा रही है। मप्र जल निगम के प्रबंध संचालक वीएस कोलसानी ने बताया कि उज्जैन राजस्व संभाग की एकल ग्राम नल जल योजनाओं के काम पूरे कर लिए गए है। यहां 7 लाख 9 हजार 65 परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन दे दिए गए है। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव (वित्त) मनीष रस्तोगी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बेहतर तरीके से नल जल योजनाओं का संचालन-संधारण तो होंगे सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शत-प्रतिशत कार्य करने वाले ऐसे गांवों, ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन-सम्मानित किया जाए, जिन्होंने बेहतर तरीके से नल जल योजनाओं का संचालन-संधारण किया। मंत्री उइके ने बताया कि बोरवेल में गिरने से होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं-मृत्यु को रोकने के लिए प्रदेश में बोरवेल अधिनियम बनाया गया है। ऐसा अधिनियम बनाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है। बैठक में पेयजल स्त्रोतों पर चर्चा की गई।

पीएचई केवल ट्यूबवेल पर ही आश्रित न रहे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल स्त्रोतों के लिए पीएचई केवल ट्यूबवेल जैसे माध्यम पर ही आश्रित न रहे। जल स्त्रोत के रूप में तालाब सरोवर निर्माण से कई लाभ होंगे। इससे जल संरक्षण के साथ जल स्तर में वृद्धि होगी। क्षेत्र में वाटर रिचार्जिंग बढ़ेगी। जल संग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ ही नल-जल योजना के संचालन के लिए स्थायी जल संरचना भी उपलब्ध हो सकेगी।

जल आपूर्ति व्यवस्था एवं अधोसंरचनात्मक विकास

मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में जल आपूर्ति व्यवस्था एवं अधोसंरचनात्मक विकास के लिए केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय से तत्काल समन्वय करें। केन्द्र सरकार से मप्र को जल जीवन मिशन के तहत लगभग 5 हजार करोड़ रुपए का आवंटन प्राप्त होना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने मध्यप्रदेश को यह आवंटन जारी करने की सहमति दी है।

जनहितैषी कार्यों से लोगों के दिलों में बनाई जगह

सदैव हमारे लिए आशीर्वाददाता की भूमिका में रहे बाबूलाल गौर: सीएम

पूर्व सीएम स्व. बाबूलाल गौर को पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके कार्यकाल के स्वर्णिम क्षणों का स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय गौर साहब मध्यप्रदेश के ऐसे राजनेता रहे, जिन्होंने अपने जनहितैषी कार्यों से लोगों के दिलों में जगह बनाई। वे सदैव हमारे लिए आशीर्वाददाता की भूमिका में रहे। राज्य सरकार उनके बताए मार्ग और आदर्शों का अनुसरण करते हुए प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

वीआईपी रोड के विकास में गौर की दृढ़ता स्मरणीय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौर साहब ने अपने राजनीतिक जीवन में विभिन्न जनआंदोलनों में सक्रिय सहभागिता करते हुए राष्ट्रसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका समर्पित सार्वजनिक जीवन और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने प्रदेश के 16वें मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेशवासियों की सेवा की। प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए उनका अमूल्य योगदान स्मरणीय रहेगा। वीआईपी रोड के विकास में उनकी दृढ़ता स्मरणीय है।

मंत्री, जनप्रतिनिधि, परिजनों ने अर्पित की पुष्पांजलि

प्रदेश की विधानसभा में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण कृष्णा गौर, विधायक भगवानदास सबनानी और विधायक रामेश्वर शर्मा तथा परिजनों ने भी गौर साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

खबर संक्षेप

कर्मचारी समस्या निवारण शिविर का आयोजन

भोपाल। मप्र राज्य कर्मचारी संघ प्रदेश कार्यालय तुलसी नगर में संघ की जिला इकाई भोपाल की बैठक हुई, जिसमें कर्मचारियों की समस्याओं को सुनकर सरकार तथा अधिकारियों को निर्देशित करने विधायक भगवान दास सबनानी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के भोपाल जिला सचिव शिवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि बैठक में कर्मचारियों की लंबित मांगों सहित समस्याओं पर चर्चा की गई। विधायक सबनानी ने आयुष विभाग के समयमान, लोक निमार्ण विभाग के समयमान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए। शिक्षा विभाग के विकलांग भत्ता के लिए हेड चेंज करने, अर्जित अवकाश के एरियर आदि के निराकरण के लिए अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर शीघ्र निराकृत करने के लिए कहा गया।

वन मुख्यालय का घेराव कर किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल। एरियर का भुगतान, पीएफ, बीमा सुविधा, पहचान पत्र समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को वन विभाग के वन सुरक्षा श्रमिकों ने वन मुख्यालय भवन का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी कर चेतावनी दी कि एक माह में जायज मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो अगले चरण में काम बंद आंदोलन किया जाएगा।
मप्र कर्मचारी के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि वन सुरक्षा श्रमिकों की एरियर का भुगतान, पीएफ कटौती की सुविधा, बीमा सुविधा, पहचान पत्र आदि पांच सूत्रीय मांगे लंबे समय से लंबित है, लेकिन वन मुख्यालय मांगों पर आदेश जारी नहीं कर रहा है। वन सुरक्षा श्रमिकों ने प्रदर्शन के बाद पीसीसीएफ हाफ ने चर्चा करी पीसीसीएफ ने पांच सूत्रीय मांगों में से तीन सूत्रीय मांगे मंजूर कर दो सूत्रीय मांगो पर नीतिगत निर्णय लेने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में अरुण पांडे, हेमंत जाटव, आशीष जाटव, सूरज, हरि नारायण, अनोखी लाल, बीरबल गुर्जर, सरदार सिंह, अर्जुन, मंगल, मथुरा दास, आदि मौजूद रहे।

लघु वेतन कर्मचारी संघ 22 को देगा धरना

भोपाल। मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ के केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक कर्मचारी भवन गीतांजलि चौराहा में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश में कार्यरत स्थाई कर्मी, आकस्मिक कार्य भारी सेवा के कर्मचारी, दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन कर्मचारी एवं आउटसोर्स के कर्मचारी के मांगों को लेकर 22 जून को आंबेडकर मैदान में धरना दिया जाएगा। संघ के प्रांताध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों के लिए कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। स्थाई कर्मचारी के दिवंगत परिवार को अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान नहीं है। सातवां वेतनमान एवं वर्गीकृत योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों की मांगों को पूरा किया जाए। बैठक में समिति अध्यक्ष मांगीलाल तमोली सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध कब्जे का मामला निगमायुक्त तक पहुंचा

भोपाल। राजधानी के कमला पार्क स्थित नगर निगम की संपत्ति पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय परिसर के समीप स्थित नगर निगम कार्यालय भवन पर मप्र शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ द्वारा बिना आवंटन के कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए अखिल भारतीय सफाई मजदूर 7262 ट्रेड यूनियन ने निगम आयुक्त संस्कृति जैन को शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

परिवहन सेवा को चरणबद्ध रूप से किया जाएगा शुरू

रक्षाबंधन पर बहनें करेंगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन की बसों में सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार न सिर्फ प्रदेश में बेहतर और आधुनिक सड़कों का तेजी से निर्माण कर रही है, बल्कि जल्द ही नागरिकों को राज्य परिवहन की विशेष सुविधा भी देने जा रही है।

राज्य सरकार चरणबद्ध तरीके से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की ओर बढ़ रही है। इस बार रक्षाबंधन पर बहनें परिवहन विभाग की बसों में सफर करें, इसके लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी विधानसभा में मीडिया से चर्चा में दी।

राज्य सरकार जन सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति के कारण शहरों के बीच दूरी अधिक है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा सभी समस्याओं को खत्म कर जनता का आवागमन सुगम बनाएगी। राज्य के अंदरूनी हिस्सों और पड़ोसी राज्यों के साथ मप्र सरकार का यह प्रयास सुगम परिवहन सेवा के प्रभावी रूप में देखने को मिलेगा।

किराया बढ़ाने की मांग को लेकर मोटर मालिक बस ऑपरेटरों ने परिवहन मंत्री से की मुलाकात

परिवहन मंत्री सिंह से मिलने पहुंचे मोटर मालिक व बस ऑपरेटर।

डीजल की कीमत बढ़ने के बाद अब बस ऑपरेटरों द्वारा यात्री किराया बढ़ाने की मांग लगातार की जा रही है। इसी मांग को लेकर मंगलवार को प्रदेशभर से आए मोटर मालिक व बस ऑपरेटरों ने परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने ऑपरेटरों को किराए पर उचित विचार करने का आश्वासन दिया गया है। परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा एक सप्ताह में इस मामले को लेकर समीक्षा कर निर्णय लेंगे। मप्र बस ओनर एसोसिएशन के महामंत्री जयकुमार जैन ने बताया इस मुलाकात के बाद परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों में उम्मीदें हैं। बस संचालकों ने बताया कि मई में चार बार डीजल के दाम बढ़ने से संचालन लागत में इजाफा हुआ है, बस मालिकों ने सरकार से न्यूनतम किराया 2.50 रुपए प्रति किमी तय करने और अन्य श्रेणियों में भी वृद्धि करने की मांग की है।

युवती ने किया था दोगुनी रकम का वादा

आईटी प्रोफेशनल से 20 लाख की साइबर ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी में ऑनलाइन गेम में निवेश कर रकम दोगुनी करने का लालच देकर 20 लाख रुपए ठग लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर टिकरापारा थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार देवपुरी स्थित हर्ष टावर निवासी फारूक शेख आइटी मार्केटिंग का काम करते हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि अप्रैल 2025 में फेसबुक के माध्यम से उनकी पहचान खुद को अनाया चोपरा बताने वाली युवती से हुई थी। बातचीत धीरे-धीरे वाट्सएप और टेलीग्राम तक पहुंची। इस दौरान युवती ने उन्हें टीकेटी ड्रीमविन नामक ऑनलाइन गेम में निवेश करने पर रकम दोगुनी होने का दावा किया। पीड़ित ने बताया कि आठ मई 2025 से मार्च 2026 तक आरोपी लगातार उन्हें अधिक लाभ, टैक्स क्लियरेंस और आईएनआर कंवर्जन जैसे बहाने बनाकर अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा कराते रहे। शुरुआत में छोटे निवेश से शुरू हुआ सिलसिला धीरे-धीरे लाखों रुपए तक पहुंच गया। शिकायत के अनुसार पीड़ित ने करीब 20 लाख रुपए ट्रांसफर किए।

दो साल में सोना निकालने का काम शुरू कर दिया जाएगा

महासमुंद में छत्तीसगढ़ की दूसरी सोना खदान नीलाम, 100 करोड़ से अधिक राजस्व की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के खनिज संपदा के इतिहास में एक और बड़ा अध्याय जुड़ गया है। महासमुंद जिले के करणखोल-राचपालपुर इलाके में स्थित सोने की खदान की नीलामी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। दुर्ग जिले की स्थानीय कंपनी आरके मिनरल्स ने 50 प्रतिशत की उच्चतम बोली लगाकर इस बहुमूल्य खदान के खनन अधिकार अपने नाम कर लिए हैं। मिकी एवं खनिकर्म विभाग के संचालक रजत बंसल ने पुष्टि करते हुए बताया कि करणखोल-राचपालपुर की इस सोने की खदान की नीलामी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस नीलामी से राज्य सरकार को 100 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों के मुताबिक, आगामी दो वर्षों के भीतर यहां से वाणिज्यिक तौर पर सोना निकालने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

300 किलो से अधिक सोने का भंडार

जियोलाजिकल सर्वे आफ इंडिया (जीएसआइ) द्वारा किए गए सर्वेक्षण में इस खदान में 300 किलोग्राम से अधिक सोना होने की संभावना जताई गई है। यह पूरी खदान कुल 150 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैली हुई है। गौरतलब है कि यह छत्तीसगढ़ की दूसरी सोने की खदान है जिसकी नीलामी हुई है। इससे पहले महासमुंद के ही बागमहरा (सोनाखान) ब्लॉक की नीलामी हुई थी, जिसके खनन अधिकार वेदांता कंपनी के पास हैं और वहां पूर्वेक्षण का काम शुरू हो चुका है। महासमुंद जिला सोने तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां आधुनिक उद्योगों के लिए रीढ़ माने जाने वाले दुर्लभ खनिजों का बड़ा भंडार मिला है। भालूकोना में निकल-कापर-पैलेडियम की खदान की पुष्टि है।

निर्माण सामग्री, तकनीक और भूगोल देखकर तय होगी अवधि

अब मध्य प्रदेश की हर सड़क की होगी डिजिटल जांच आईआरसी मानकों से स्वत: परखी जाएगी रोड ज्योमेट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विकासवादी सोच को धरातल पर उतरने के लिए मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग का 14 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल 1 और 2 जून को महाराष्ट्र और गुजरात अध्ययन यात्रा पर है।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र की मेगा सड़क परियोजनाओं, उनके वित्तीय मॉडल, सड़क विकास की दीर्घकालीन रणनीति और भास्कराचार्य संस्थान के सहयोग से तैयार की गई डिजिटल गवर्नेंस तथा रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्रणालियों विस्तार से चर्चा की।

> मंत्री सिंह की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग का 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल महाराष्ट्र व गुजरात दौर पर

महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस से भेंट करते मंत्री सिंह व दल।

आधुनिक तकनीक से जुड़ेंगे सड़क और पुल निर्माण कार्य

मप्र में सड़क और पुल निर्माण को केवल निर्माण कार्य तक सीमित न रखकर उसे आर्थिक विकास, पर्यटन, सड़क सुरक्षा और आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में लोक निर्माण विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसी उद्देश्य से यह अध्ययन यात्रा बहुत महत्वपूर्ण बताई जा रही है। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग सुखबीर सिंह, मप्र सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भारत यादव, भवन विकास निगम के प्रबंध संचालक सिबी चक्रवर्ती, विभाग के प्रमुख अभियंता केपीएस राणा एवं एसआर बघेल तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

वन संरक्षण में जन सहभागिता के लिए 'गुप्तचर एप' लॉन्च

भोपाल। वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा एवं संरक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वन विभाग ने 'गुप्तचर एप' विकसित किया है। 'गुप्तचर एप' से स्थानीय नागरिक स्वयं को 'गुप्तचर' के रूप में पंजीकृत कर वन संरक्षण अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। एप की पंजीकरण प्रक्रिया सरल, सहज और यूजर फ्रैंडली बनाई गई है। इससे अधिक से अधिक ग्रामीण एप से आसानी से जुड़ सकेंगे। पंजीकरण के साथ ही प्रत्येक उपयोगकर्ता को एक विशिष्ट गुप्तचर आईडी प्रदान की जाती है, जिससे उसकी पहचान पूर्णतः गोपनीय बनी रहती है। 'गुप्तचर एप' पारदर्शी और सहभागी तंत्र के रूप में वन संरक्षण के प्रयासों को मजबूत करेगा।

चिंतन

अनियोजित निर्माण दे रहे हादसों को न्योता

शहरों में अनियोजित निर्माण लगातार बड़े हादसों को न्योता दे रहे हैं। इसके कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार को ही दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में लगी आग ने एक बार फिर शहरी विकास मॉडल की भयावह सच्चाई सामने ला दी है। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। इससे दो दिन पहले भी एक इमारत गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई थी। आंकड़ों को देखें तो दिल्ली में पिछले 6 महीनों में ऐसी घटनाओं में 70 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मालवीय नगर में यह केवल आगजनी की घटना नहीं, बल्कि उन खामियों का दर्दनाक परिणाम है जो वर्षों से हमारी प्रशासनिक व्यवस्था, भवन निर्माण प्रणाली और सुरक्षा तंत्र में मौजूद हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस होटल में यह हादसा हुआ, उसके पास फायर एनओसी तक नहीं थी। सवाल यह है कि बिना आवश्यक सुरक्षा प्रमाणपत्र के होटल आखिर चल कैसे रहा था? देश के बड़े शहरों में अनियोजित निर्माण अब अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य प्रवृत्ति बन चुके हैं। ऐसे हादसे दिल्ली के अलावा मुंबई, हरियाणा, नागपुर और आंध्रप्रदेश में भी हो चुके हैं। जैसे आबादी बढ़ रही है, जमीन सीमित है और मुनाफे की होड़ में नियमों को कागजों तक सीमित कर दिया गया है। नतीजा यह है कि बहुमंजिला इमारतें तो खड़ी हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था धराशायी होती जा रही है। कहीं आपातकालीन निकास नहीं हैं, कहीं अग्निशामक यंत्र निष्क्रिय पड़े हैं, तो कहीं पानी की पर्याप्त व्यवस्था तक नहीं है। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, ये खामियां दिखाई नहीं देतीं, लेकिन जैसे ही कोई दुर्घटना होती है, इनकी कीमत इंसानी जानों से चुकानी पड़ती है। विडंबना यह है कि जिन भवनों को सुरक्षा मानकों का पालन करना चाहिए, वे स्वयं जोखिम के केंद्र बने हुए हैं। आग लगने की घटनाओं में एक और बड़ी समस्या दमकल विभाग की सीमित क्षमता है। आज शहरों में 10, 15 और 20 मंजिल तक की इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन कई स्थानों पर फायर ब्रिगेड के पास सिर्फ 4 से 5 मंजिल से अधिक ऊंचाई तक पहुंचने वाले आधुनिक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और स्काईलिफ्ट तक उपलब्ध नहीं हैं। जब आग बहुमंजिला इमारतों में फैलती है, तब बचाव कार्य समय के खिलाफ लड़ाई बन जाता है। संकरी गलियां, अव्यवस्थित पार्किंग और अवैध निर्माण इस लड़ाई को और कठिन बना देते हैं। दमकल की गाड़ियां मौके तक समय पर नहीं पहुंच पातीं और तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यह समस्या केवल सरकारी तंत्र तक सीमित नहीं है। आम नागरिकों और भवन मालिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। अक्सर लोग अतिरिक्त कमरे बनाने, अधिक किराया कमाने या ज्यादा जगह घेरने के लिए सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं। आपातकालीन निकास बंद कर दिए जाते हैं, सीढ़ियों पर सामान रख दिया जाता है और बिजली की असुरक्षित वायरिंग को नजरअंदाज किया जाता है। दुर्घटना होने तक किसी को खतरे का एहसास नहीं होता। ऐसे में लोगों को खुद भी जागरूक होना चाहिए, क्योंकि कोई भी आपदा बताकर नहीं आती। यानी बचाव के उपाय पहले से ही किए जाएं तो ऐसी गंभीर आपदाओं से बचा जा सकेगा। इसलिए जवाबदेही तय करनी ही होगी। तभी हम ऐसी विपदाओं से पार पा सकेंगे।

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

मानसून और कच्चे तेल की चुनौतियां

आम आदमी और किसान से लेकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था के सामने कमजोर मानसून से सूखे की आशंका और महंगे कच्चे तेल से महंगाई संबंधी आर्थिक चुनौतियां चिंता का कारण बन गई हैं। 2 जून को संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रिपोर्ट जारी करते हुए बताया है कि इस वर्ष अल नीनो के कारण भारत में मानसून के अत्यधिक कमजोर होने और भीषण सूखे की आशंका है। इससे देश में सामान्य से कम बारिश का खतरा बढ़ गया है। कम बारिश और सूखे के कारण खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है, जिससे खाद्यान्न उत्पादन और महंगाई पर सीधा असर पड़ने की आशंका है। इससे आमजन को जूझना पड़ेगा।

इन दिनों देश के आम आदमी और किसान से लेकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था के सामने कमजोर मानसून से सूखे की आशंका और महंगे कच्चे तेल से महंगाई संबंधी आर्थिक चुनौतियां चिंता का कारण बन गई हैं। हाल ही में 2 जून संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रिपोर्ट जारी करते हुए बताया है कि इस वर्ष अल नीनो के कारण भारत में मानसून के अत्यधिक कमजोर होने और भीषण सूखे की आशंका है। इससे देश में सामान्य से कम बारिश का खतरा बढ़ गया है और इससे देश के कई हिस्सों में लू और भीषण गर्मी की स्थिति पैदा हो सकती है। कम बारिश और सूखे के कारण खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है, जिससे खाद्यान्न उत्पादन और महंगाई पर सीधा असर पड़ने की आशंका है। इसी तरह एक जून को हाल ही में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आयएमडी) ने देश की धड़कन माने जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मौसम विभाग ने साल 2026 के मानसून के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आयएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मानसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है।

उल्लेखनीय है कि कमजोर मानसून व सूखे की आशंका के साथ एक बार फिर इसी माह जून की शुरुआत से अमेरिका-ईरान के बीच पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। पिछले माह मई 2026 में चार बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर प्रतिदिन करीब 750 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है और पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की आशंका बनी हुई है। साथ ही भारत में महंगाई बढ़ रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल 2026 में थोक महंगाई बढ़कर 8.3 प्रतिशत और खुदरा महंगाई बढ़कर 3.48 प्रतिशत हो गई है। प्रमुख कंसल्टेंसी फर्म ईवाई इंडिया का ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशियाई संकट के कारण भारत में वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई दर 6 प्रतिशत के ऊपरी स्तर को छू सकती है। एशियाई विकास बैंक के द्वारा

प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2026-27 में भारत में महंगाई 6.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि पेट्रोल और डीजल के महंगे होने का सबसे बड़ा असर आम लोगों की जेब पर पड़ने लगा है। निजी वाहन चलाने वालों का खर्च बढ़ गया है। डीजल महंगा होने से ट्रक, बस और माल ढुलाई का खर्च भी बढ़ गया है। इसका असर सब्जियों, फल, दूध और रोजमर्रा के सामानों की कीमतों पर दिखाई देने लगा है। ऐसे में एक ओर कमजोर मानसून और सूखे से निर्मित होने वाली चिंताओं पर ध्यान देना होगा, वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की ऊंची की मतों और महंगाई की चिंताओं पर भी ध्यान देना होगा। ऐसे में अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ी है। किसानों को इस बड़े मौसमी संकट से बचाने के लिए सरकार ने 1 जून 2026 से देशव्यापी "खेत बचाओ" अभियान के तहत रणनीतिपूर्वक कदम आगे बढ़ाए हैं। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह (क्रॉप-स्पेसिफिक एडवाइजरी) दी जाएगी, ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही फैसला ले सकें। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सिर्फ जानकारी बांटना नहीं है, बल्कि जमीन पर जाकर किसानों को यह बताना है कि उन्हें कम बारिश या सूखे के खतरे वाले इलाकों में कौन सी फसल बोनी चाहिए, किस फसल की तरफ बदलाव करना चाहिए और उनके पास पारंपरिक खेती के क्या बेहतर विकल्प मौजूद हैं। किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस कमजोर मानसून और सूखे की आशंका के बड़े संकट से निपटने के लिए सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। देश के कोने-कोने तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए 1,600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। इनमें से 500 टीमें विशेष रूप से देश के उन 100 जिलों में तैनात की जाएंगी, जहां रासायनिक खादों की खपत सबसे ज्यादा है। चूंकि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही है, अतएव सरकार के नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए सरकार के साथ-साथ उद्योग-कारोबार और हर वर्ग के सभी लोगों के द्वारा हरसंभव तरीके से महंगाई का मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ना होगा। देश के नागरिकों के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गई उस अपील पर अमल किया जाना होगा, जिसमें उन्होंने पेट्रोल-डीजल का किफायत से उपयोग करने की जरूरत बताई है। सरकार के द्वारा पेट्रोल में इथेनाल का मिश्रण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया जाना होगा। तेल की मांग में कमी करने हेतु इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के उपयोग में तेजी लाई जानी होगी। उम्मीद करें कि सरकार संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा इस वर्ष 2026 के लिए प्रस्तुत किए गए मौसम अनुमानों के मद्देनजर कमजोर मानसून, अलनीनो और कृषि की बढ़ी हुई लागत संबंधी चुनौतियों से सफलतापूर्वक मुकाबले के लिए बहुआयामी उपायों के साथ आगे बढ़ेगी। साथ ही सरकार कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भारत में बढ़ती महंगाई से आम आदमी के लिए तात्कालिक राहत और भविष्य में नवीकरणीय ऊर्जा को पेट्रोल-डीजल का विकल्प बनाने जैसे दीर्घकालीन उपायों के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। इससे देश के आम आदमी और किसानों सहित संपूर्ण अर्थव्यवस्था लाभांवित होगी।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

सियासत
महेन्द्र तिवारी

क्या नए राजनीतिक युग की शुरुआत करेंगे अन्नामलाई

तमिलनाडु की राजनीतिक भूमि हमेशा से भारतीय राजनीति के मानचित्र पर एक विशिष्ट और पृथक पहचान बनाए हुए है। देश के अन्य राज्यों के विपरीत यहां राष्ट्रीय विचारधारा वाले दलों की तुलना में क्षेत्रीय अस्मिता और क्षेत्रीय संगठनों का प्रभाव कहीं अधिक गहरा रहा है। बीते अनेक दशकों से द्रविड़ आंदोलन की कोख से निकली राजनीति ने ही इस राज्य की सत्ता की दिशा और दशा को पूरी तरह नियंत्रित और संचालित किया है। इस समय तमिलनाडु के राजनीतिक आकाश में जिस एक नाम को लेकर सबसे अधिक चर्चाएं और कयास लगाए जा रहे हैं, वे हैं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई। पिछले कुछ समय से राज्य के समाचारों और राजनीतिक चर्चाओं में इस बात ने अत्यधिक जोर पकड़ लिया है कि वे अपने वर्तमान दल से नाता तोड़कर एक नए क्षेत्रीय राजनीतिक दल का गठन कर सकते हैं। यद्यपि उन्होंने अभी तक इस विषय में कोई आधिकारिक या स्पष्ट घोषणा नहीं की है, परंतु उनके हालिया वक्तव्य, उनके समर्थकों द्वारा लगाए गए विज्ञापन पत्र, महत्वपूर्ण बैठकों से उनकी दूरी और जमीनी स्तर पर चल रही संगठनात्मक गतिविधियों ने राज्य की राजनीति को एक नए विमर्श की ओर मोड़ दिया है। इस नए राजनीतिक घटनाक्रम की सुगबुगाहट तब और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी जब कोयंबटूर शहर में अचानक कई प्रमुख स्थानों पर उनके समर्थकों द्वारा बड़े-बड़े विज्ञापन पत्र लगाए गए। सामान्य राजनीतिक विज्ञापनों से सर्वथा भिन्न इन पत्रों पर अंकित संदेश ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें लिखा था कि निडर सोच की कोई सीमा नहीं होती। इस वाक्य को राजनीतिक विश्लेषकों और जनता द्वारा एक बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा गया। इसके तुरंत बाद जनसंचार के आधुनिक माध्यमों और मुखधारा की राजनीति में यह बात तेजी से फैल गई कि वे किसी नए और स्वतंत्र राजनीतिक मंच की आधारशिला रखने की तैयारी कर रहे हैं। उनके इस संभावित कदम को तब और बल मिला जब उनके प्रशंसकों और समर्थकों के संगठन, जिसका नाम अन्नामलाई अन्बु कूट्टम है, उसने अचानक अपनी गतिविधियों को तेज करते हुए नए सदस्यों और पदाधिकारियों को जोड़ना आरंभ कर दिया। इसके साथ ही भीतरखाने से यह समाचार भी आ रहे हैं कि मक्कल शक्ति इयक्कम नाम से एक विशाल जनआंदोलन या सामाजिक संगठन की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जो आने वाले समय में एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप धारण कर सकता है। वर्ष 2021 में उन्हें तमिलनाडु में दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। बहुत ही अल्प समय में वे राज्य की राजनीति का एक अपरिहार्य और चर्चित चेहरा बनकर उभरे। उनकी संवाद शैली अत्यंत सीधी और सीधे प्रहार करने वाली रही है, जिसके कारण उन्होंने वर्तमान द्रमुक सरकार की नीतियों पर लगातार तीखे हमले किए और अपने दल को राज्य में एक स्वतंत्र राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की पुरजोर कोशिश की। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में यद्यपि उनका दल राज्य में कोई भी निर्वाचन क्षेत्र जीतने में सफल नहीं हो सका, परंतु उनके नेतृत्व में दल का मत प्रतिशत पहली बार दो अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहा, जिसे राज्य की राजनीति में एक बड़ी घटना माना गया। इस सफलता का श्रेय मुख्य रूप से उनकी जनसभाओं और उनके द्वारा आयोजित की गई एन मन्न, एन मक्कल नामक व्यापक यात्रा को दिया गया, जिसने उन्हें युवाओं और शहरी मतदाताओं के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया। राजनीतिक क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि केंद्रीय नेतृत्व ने भविष्य के गठबंधनों को बचाने और राजनीतिक संतुलन बहाल करने के लिए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से मुक्त करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में वर्ष 2025 में उनके स्थान पर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु में दल की कमान सौंपी गई। पद से हटाए जाने के बाद भी उनके प्रति निष्ठा रखने वाले समर्थकों और युवाओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई, बल्कि उनके समर्थकों ने इसे उनकी राजनीतिक स्वतंत्रता के एक नए अध्याय के रूप में देखा। यही कारण है कि जब हाल के दिनों में उन्होंने दल की दो अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य केंद्रीय समिति की बैठकों से पूरी तरह दूरी बना ली, तो उनके अलग रास्ते पर जाने की अटकलों को अत्यधिक हवा मिली। वर्तमान समय में तमिलनाडु की राजनीति एक बड़े संक्रमण काल से गुजर रही है। आने वाले कुछ दिन निश्चित रूप से इस बात का निर्धारण करेंगे कि तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य किस करवट बैठने वाला है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आत्मबल पाने ईश्वर के सान्निध्य में जाना होगा

संकलित
दर्शन

जब व्यक्ति किसी कार्य को करने चलता है, तो उसके मन-हृदय में बारंबार विचार-भाव उठते हैं कि वह कार्य करें या नहीं, उससे होगा या नहीं और परिणाम भी सफलता और असफलता के रूप में सामने आता है। किसी कार्य को करने के लिए बल की आवश्यकता होती है। इसके बिना उसको गति देना असंभव है। कई बार किसी कार्य को करते समय नाना-प्रकार के संकट उसमें बाधा बन खड़े हो जाते हैं। ऐसे में कोई व्यक्ति उस कार्य को बीच में ही छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उसे असफलता हाथ लगती है। असफलता यह सिद्ध करती है कि अमुक कार्य को पूरे मनोयोग से नहीं किया गया। मनोयोग का अर्थ होता है-तन, मन और हृदय से समर्पित होकर किसी कार्य को करना। किसी कार्य में सफल होने के लिए व्यक्ति में मानसिक संतुलन, विश्वास, जिज्ञासा, लगन, संघर्ष करने की क्षमता और तन्मयता जैसे गुणों का होना जरूरी होता है। इनकी प्राप्ति आत्मबल से होती है। आत्मबल की प्राप्ति के लिए ईश्वर के सान्निध्य में जाना पड़ता है। सान्निध्य पाने के लिए ईश्वर का विश्वास आवश्यक है। विश्वास पाने के लिए तप-साधना करनी पड़ती है। चूंकि आत्मबल में ईश्वर की शक्ति निहित होती है, इसीलिए इसे ब्रह्मबल भी कहते हैं। आत्मबल से संपन्न मनीषी के लिए कोई कार्य असंभव नहीं रहता है। उसका कोई कार्य बीच में नहीं रुकता है। जब शरीरबल और मनोबल टूट जाता है तो उस समय आत्मबल सहारा देता है। आत्मबल से युक्त व्यक्ति कभी हताश-निराश नहीं होता है।

साधु संगत से चोर ने चोरी छोड़ी

संकलित
प्रेरणा

एक डाकू था, जो लूट पाट करता था। एक बार एक गांव से धन लूटकर वो भाग रहा था कि घोड़े पर से गिर कर घायल हो गया। उसने देखा पास में ही एक साधु की कुटिया है, धन को जमीन में गाड़कर वो साधु की कुटिया में गया। साधु रात्रि भोजन के लिए ही बैठे थे। दरवाजे पर दस्तक सुन उन्होंने कहा, जो कोई भी है, अन्दर आ जाओ। डाकू अन्दर गया तो साधु ने उसे भी बैठने के लिए आसन दिया, और पहले उसके समक्ष भोजन परोसा, फिर स्वयं लिया। साधु ने उसे भोजन प्रारम्भ करने को कहा- आप अतिथि है इसलिए आप ईश्वर समान है, आप पहले भोजन आरंभ करे। डाकू को आजतक किसी ने इतने सम्मान से ना कहा था और ना ही खिलाया था। डाकू ने भोजन किया। साधु ने एक चटाई उसके लिए बिछा दी और कहा रात में आप कहां जाइएगा तो यहीं विश्राम कर लीजिए। डाकू थोड़ा घायल था, तो चलने में उसे तकलीफ़ हो रही थी, जैसे ही साधु को उसके ज़ख्म का पता चला, उसका उपचार करने लगे। कुछ पत्तों को पीसकर उसका रस लेप करके एक कपड़े से उसके ज़ख्म पर बांधा। और सहारा देकर उसे चटाई पर लिटाया। डाकू साधु की उदारता से बहुत प्रभावित हुआ, उसने कहा, बाबा आप कितने संतुष्ट और उदार व्यक्तित्व के स्वामी है। आप में दया की भावना है। क्या आपको कभी धन की लालसा नहीं होती? साधु बोले- धन तो नश्वर है बालक, और जो चीज नष्ट हो जाए उसके लिए लालसा करना विनाश की ओर अग्रसर होना है।

सटाका

आज की पाती

खेतों की सेहत की फिक्र जरूरी

हाल ही में कृषि मंत्रालय ने 1 जून से 30 जून तक एक बहुत ही अच्छा अभियान 'खेत बचाओ' चलाया है, जिसका मकसद खेतों की उपजाऊ क्षमता को रासायनिक खादों से होने वाले नुकसानों से बचाना भी है। कहते हैं कि जब जागो, तब सवेरा, लेकिन देर तक सोना हमेशा हानिकारक ही होता है। हमारा देश कृषि प्रधान देश है, लेकिन बहुत ही निराशाजनक है कि सरकारी की गलत नीतियों और संबंधित विभागों का कृषि के प्रति ढुलमुल रवैया आज खेतों पर भारी पड़ रहा है। उनकी उपजाऊ क्षमता रासायनिक खादों के कारण कम हो रही है। भूमि बंजर होने की आशंका है। सरकार का बहुत अच्छा प्रयास है कि उसने खेतों की बीमार होती सेहत के लिए खेत बचाओ अभियान चलाया है।

- नीतू गोयल, रोहतक

ट्रेंड

डीके शिवकुमार को बधाई

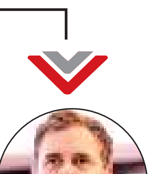

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर डीके शिवकुमार को हार्दिक बधाई। उन्हें उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। केंद्र सरकार जन कल्याण के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

लोगों की सेवा करते रहेंगे

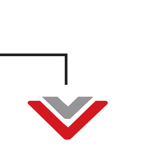

कर्नाटक के लोगों ने हम पर भरोसा किया और वह भरोसा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मंत्रिपरिषद को हार्दिक बधाई, जो कर्नाटक के लोगों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाएंगे। हम कर्नाटक के लोगों की बात सुनते रहेंगे, उनकी सेवा करते रहेंगे। -राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

हर पात्र को लाभ मिले

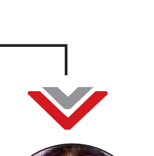

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता से ही 3,000 रुपये की सहायता राशि देने का वादा पूरा किया गया है। जैसे-जैसे फॉर्म मिलते जाएंगे, उनका सत्यापन किया जाएगा व पैसे खातों में अंतरित किए जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि हर पात्र महिला को यह लाभ मिले। -शुभेंदु अधिकारी, मुख्यमंत्री, बंगाल

जैविक खेती अपनाएं

मैंने स्वयं जैविक खेती अपनाने का फैसला किया है। मैं चाहती हूं कि दूसरे भी ऐसा ही करें। पहले साल मुझे नुकसान हो सकता है। मैं अपनी जमीन जोतने जा रही हूं। हर साल 12 दिसंबर को मैं मजदूरों के साथ खेतों में गन्ने की कटाई करूंगी। -पंकजा मुंडे, पर्यावरण मंत्री, महाराष्ट्र

करंट अफेयर

अमेरिकी वैज्ञानिकों पर मंकीपॉक्स वायरस की तस्करी का आरोप

अमेरिका की एक सरकारी प्रयोगशाला के दो वैज्ञानिकों पर अफ्रीका से निष्क्रिय मंकीपॉक्स वायरस की शीशियां देश में तस्करी करके लाने और मिशिगन के एक हवाई अड्डे पर जांचकर्ताओं से झूठ बोलने का आरोप लगाया गया है। प्राधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डेट्रॉइट की संघीय अदालत में विंसेंट मुंस्टर और क्लॉड क्वे के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई। मुंस्टर, मोंटाना के हैमिल्टन स्थित 'रॉकी माउंटेन लैबोरेटरीज' में वायरस पारिस्थितिकी अनुभाग के प्रमुख हैं और क्वे उनके साथ काम करते हैं। मुंस्टर और क्वे को जनवरी में डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन हवाई अड्डे पर उस समय रोक लिया गया था, जब वे पेरिस से लौटे थे और उससे पहले कांगो गणराज्य में नौ दिन बिताकर आए थे। मध्य अफ्रीका के विशाल देश कांगो में एमपॉक्स बीमारी के प्रकोप के कारण दो हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, करीब दो वर्षों से जारी यह प्रकोप अप्रैल में समाप्त घोषित कर दिया गया था। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने अदालत में दाखिल दस्तावेज में कहा कि मुंस्टर ने इस बात से इनकार किया था कि वह किसी जैविक सामग्री या नमूने के साथ अमेरिका लौटा है। लेकिन बाद में जांच में पता चला कि दोनों के पास निष्क्रिय मंकीपॉक्स वायरस की शीशियां थीं।

ऑफ बीट

जब बच्चा डर के कारण पीछे हटे, तो माता-पिता क्या करें?

अगर आपका बच्चा कभी स्कूल के खेल दिवस या दौड़ प्रतियोगिता वाले दिन अड़ियल रवैया अपनाने लगता है, तो आप अकेले नहीं हैं जो इस तरह की चिंता से जूझ रहे हैं। कुछ बच्चों में ऐसे अवसर गहरी चिंता और घबराहट पैदा कर देते हैं। उनके मन में सवाल उठते हैं- अगर मैं सबसे धीमा निकला तो? माता-पिता के लिए ऐसे समय में यह समझना मुश्किल हो सकता है कि क्या किया जाए। बहुत ज्यादा दबाव डालने पर सुबह का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है, जबकि बच्चे को छूट देने पर यह चिंता सताती है कि कहीं उसे चुनौतियों से बच निकलना तो नहीं सिखा रहे। ऐसे में क्या सभी बच्चों की इच्छा के अनुसार चलना ठीक है? और अगली बार उसे कोशिश करने का बेहतर अवसर कैसे दिया जाए? जब हम किसी ऐसी चीज से बचते हैं जिससे हमें डर लगता है, तो तुरंत राहत महसूस होती है। यह राहत बहुत असरदार होती है और हमारे मस्तिष्क को यह संदेश देती है कि बचना कारगर रहा। समय के साथ डर और बढ़ जाता है और उससे बचने की प्रवृत्ति भी मजबूत हो जाती है। यह केवल बच्चों के साथ नहीं, बल्कि हम सभी के साथ होता है। इसीलिए सामान्य तौर पर बच्चों के लिए यह बेहतर होता है कि वे अपने डर का सामना जल्द करें, उससे पहले कि उससे बचने की आदत बन जाए।

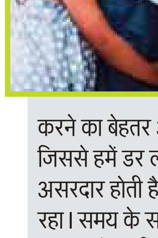

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

मुद्रास्फीति जोखिमों के बीच केंद्रीय बैंक वित्त वर्ष 2026-27 में कड़ा रुख अपनाएगा

आरबीआई की ब्याज दर यथावत रहने से वृद्धि को मिलेगी स्थिरता एसबीआई चेयरमैन के बयान को मिला उद्योग जगत का समर्थन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने बुधवार को कहा कि मुद्रास्फीति की चुनौतियों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दर को यथावत रखने से आर्थिक वृद्धि को स्थिरता मिलेगी। शेट्टी ने कहा कि बाजार की अपेक्षाएं भी व्यापक रूप से ब्याज दर को यथावत बनाए रखने की ओर संकेत देती हैं।

उन्होंने कहा कि वृद्धि और मुद्रास्फीति की गतिशीलता अधिक महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि दर को यथावत बनाए रखने से निश्चित रूप से हमें स्थिरता मिलेगी जिससे सुचारू वृद्धि दर सुनिश्चित हो सकेगी। अर्थशास्त्रियों एवं कोष प्रतिभागियों के एक सर्वेक्षण में 15 में से 11 उत्तरदाताओं ने आरबीआई द्वारा दरों में यथास्थिति बनाए

रखने की उम्मीद जताई है। हालांकि, अधिकतर उत्तरदाताओं का मानना है कि बढ़ते मुद्रास्फीति जोखिमों के बीच केंद्रीय बैंक वित्त वर्ष 2026-27 में आगे कड़ा रुख अपना सकता है। शेट्टी ने कहा कि कंपनी चालू कैलेंडर वर्ष में सूचीबद्ध होने का लक्ष्य रख रही है। हम इस वर्ष के दौरान इसे करने की उम्मीद करते हैं। हम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। शेट्टी ने बताया कि एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट पहले ही अपने प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर चुकी है और नियामकीय मंजूरी का इंतजार कर रही है।

बैंक दस्तावेज दाखिल कर चुका और नियामकीय मंजूरी का इंतजार

बाजार की अपेक्षाएं भी ब्याज दर को यथावत बनाए रखने का संकेत देती है

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट पहले ही कर चुकी है अपनी प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल

प्रतिनिधियों ने स्थिर रेपो रेट को अर्थव्यवस्था और विकास के लिए उपयुक्त कदम बताया

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने मौद्रिक नीति समिति की आगामी बैठक में रेपो रेट को स्थिर बनाए रखने को अर्थव्यवस्था और विकास के लिए सबसे उपयुक्त कदम बताया है। उनके इस बयान के बाद व्यापार और उद्योग जगत से मिश्रित लेकिन अधिकतर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

उद्योग जगत से मिला सकारात्मक समर्थन | ब्याज दरें उधारी लागत को पूर्वानुमानित बनाए रखती हैं

रियल एस्टेट सेक्टर को मजबूती मिलेगी

रियल एस्टेट डेवलपर्स और उद्योग संगठनों से जुड़े क्रेडाई भोपाल अध्यक्ष मनोज मीक ने आरबीआई के इस रुख का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि होम लोन की ब्याज दरों में स्थिरता से ग्राहकों का भरोसा बना रहेगा और आवास की मांग में सुधार होगा, जिससे सेक्टर को मजबूती मिलेगी।

दरों में वृद्धि उत्पादन और संचालन लागत को प्रभावित कर सकती है

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सेक्टर तथा कॉर्पोरेट जगत से जुड़े और फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) के अध्यक्ष हिमांशु खरे का मानना है कि स्थिर ब्याज दरें व्यवसायों के लिए उधारी लागत को पूर्वानुमानित बनाए रखती हैं। इससे कंपनियों को वित्तीय योजना बनाने में आसानी होती है, जबकि दरों में वृद्धि उत्पादन और संचालन लागत को प्रभावित कर सकती है।

निवेश माहौल को मजबूत करेगा आर्थिक विकास को गति देगा

विनिर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े भोपाल लोहा व्यापारी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने एसबीआई चेयरमैन के विचारों का समर्थन करते हुए कहा है कि भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है, न कि अल्पकालिक आर्थिक उतार-चढ़ाव पर। कुल मिलाकर विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रेपो रेट स्थिर रहता है तो यह निवेश माहौल को मजबूत करेगा और आर्थिक विकास को गति देने में सहायक होगा।

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में जियो का बड़ा रिकॉर्ड

रिलायंस जियो 5 करोड़ मोबाइल ग्राहक के करीब, ब्रॉडबैंड उपभोक्ता 20 लाख पार

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

रिलायंस जियो ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम सर्किल में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 5 करोड़ के करीब पहुंच गई है, जबकि ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं का आंकड़ा 20.3 लाख से अधिक हो गया है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) की अप्रैल 2026 रिपोर्ट के अनुसार, जियो इस क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल महीने में अकेले मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में जियो से 3.5 लाख नए मोबाइल ग्राहक जुड़े। इसी अवधि में एयरटेल से लगभग 1 लाख और बीएसएनएल से करीब 10 हजार नए उपभोक्ता जुड़े।

■ ट्राई की अप्रैल 2026 रिपोर्ट

सर्किल में कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या 8.6 करोड़ से अधिक दर्ज की गई है। बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से भी जियो का दबदबा

कायम है, जहां मोबाइल सेवाओं में कंपनी की हिस्सेदारी 58.1 प्रतिशत और ब्रॉडबैंड सेवाओं में लगभग 61 प्रतिशत तक पहुंच गई है।ग्राहकों की बढ़ती डिजिटल जरूरतों को देखते हुए कंपनी अपने 5G नेटवर्क का लगातार विस्तार कर रही है। जियो के 5G नेटवर्क पर डेटा ट्रैफिक में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। हाल ही में रायपुर में आयोजित आईपीएल मैचों के दौरान भी भारी ट्रैफिक के बावजूद नेटवर्क और जियोहॉटस्टार सेवाओं का प्रदर्शन सुचारू रहा।

ब्रॉडबैंड सेवाओं में भी कंपनी का विस्तार तेज गति से जारी है। जियोफाइबर और जियो एयरफाइबर सेवाएं अब मप्र-छत्तीसगढ़ के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। इसी के चलते अप्रैल में 31.5 हजार से अधिक नए ग्राहकों ने जियो ब्रॉडबैंड सेवाएं अपनाईं। कंपनी ने ग्राहकों के लिए नए एंटरटेनमेंट पैक भी पेश किए हैं, जिनके तहत मात्र 200 रुपए में 15 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, 1000 से अधिक टीवी चैनल और 30 जीबी डेटा की सुविधा दी जा रही है। इसके साथ ही व्यवसायों के लिए मैनेज्ड वाई-फाई समाधान भी उपलब्ध कराया गया है, जिसमें शुरुआती निवेश या महंगे उपकरणों की आवश्यकता नहीं होती। डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग को देखते हुए जियो का क्लाउड-आधारित कंप्यूटिंग समाधान 'जियोपीसी' भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कंपनी अपने 5जी उपयोगकर्ताओं को 500 जीबी तक क्लाउड स्टोरेज सुविधा भी प्रदान कर रही है, जो छात्रों और पेशेवरों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। कंपनी के अनुसार, उपभोक्ताओं की बढ़ती डिजिटल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नेटवर्क और सेवाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।

नाबार्ड का 'आम महोत्सव 9.0' आज से

आम्रपाली, लंगड़ा, दशहरी, केसर, तोतापुरी सहित कई किस्मों के आम होंगे उपलब्ध

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राजधानी में इस वर्ष भी नाबार्ड द्वारा आम महोत्सव 9.0 का आयोजन 4 जून से 8 जून 2026 तक बिट्टन मार्केट स्थित क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में किया जाएगा। इस महोत्सव का शुभारंभ गुरूवार को दोपहर 12 बजे होगा। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आ दि वा सी किसानों द्वारा उत्पादित रसायन-मुक्त और प्राकृतिक आम शहरवासियों के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। इन आमों को नाबार्ड समर्थित वाडी परियोजनाओं के माध्यम से तैयार किया गया है, जिनमें किसी भी प्रकार के रसायन का उपयोग नहीं किया गया है।

■ रसायन-मुक्त और प्राकृतिक आम उपलब्ध कराए जाएंगे

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आदिवासी किसानों को उनके उत्पाद के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना और उनकी आय बढ़ाना है। नाबार्ड की आदिवासी विकास निधि के तहत वर्ष 2003-04 से अब तक मध्य प्रदेश में 105 परियोजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं, जिनसे लगभग 80,000 परिवार लाभांवित हुए हैं और करीब 75,000 एकड़ क्षेत्र में बागवानी व कृषि गतिविधियों का विस्तार हुआ है। महोत्सव में आम्रपाली, लंगड़ा, दशहरी, केसर, चौसा, मल्लिका, राजापुरी, तोतापुरी सहित कई किस्मों के आम उपलब्ध होंगे। साथ ही जीआई टैग प्राप्त सुंदरजा आम और विशेष किस्म नूरजहाँ भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

इस कार्यक्रम में महिला किसानों की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। आयोजन के माध्यम से स्वच्छता, मृदा व जल संरक्षण, बंजर भूमि के उपयोग और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी जोर दिया जाएगा। महोत्सव का उद्देश्य केवल आम बिक्री नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, पलायन को रोकना और आदिवासी समुदायों को स्थायी आजीविका प्रदान करना भी है।

व्यापारियों के बीच काफी हलचल मच गई

चांदी के आयात से जुड़े नियमों को किया और सख्त, इससे बाजार में बढ़ गई चिंता

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

सरकार ने चांदी के आयात से जुड़े नियमों को और सख्त कर दिया है। नए आदेशों के तहत अब चांदी के दाने (ग्रेन), पाउडर और 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली चांदी के आयात के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना इंपोर्ट ऑथराइजेशन के इन श्रेणियों में आयात नहीं किया जा सकेगा। सरकार के इस फैसले से सराफा बाजार के चांदी व्यापारियों के बीच भी काफी

■ सोने और चांदी पर आयात शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया

हलचल मच गई है। क्योंकि नए नियमों से आयातकों के लिए अनिश्चितता बढ़ सकती है और आयात प्रक्रिया भी थोड़ी ज्यादा मुश्किल हो सकती है। जिसका खामियाजा व्यापारियों को भुगतना होगा। क्योंकि सरकार ने हाल ही में सोने और चांदी पर आयात शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया था।

सरकार का उद्देश्य नियंत्रण और संतुलन

चांदी आयात पर सरकार के कड़े नियम के संदभी में आर्थिक जानकारों का मानना है कि सरकार का यह कदम आयात पर नियंत्रण और आर्थिक संतुलन बनाए रखने की दिशा में है, लेकिन अल्पकाल में इसका असर चांदी बाजार की उपलब्धता और कारोबार पर दिखाई दे सकता है। कुल मिलाकर, नए नियमों के बाद सराफा बाजार में सतर्कता का माहौल है और व्यापारी आगे की नीतिगत स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - जबलपुर (म.प्र.)
E-mail- modgmjab@mp.gov.in

क्रमांक / 978 / खनिज / 2026 दिनांक 29/05/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए

द्वितीय सूचना पत्र

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मृदकिशोर वेन्चर्स प्रायवेट लिमिटेड पता - फ्लेट नं. 04, राघव होम्स, महानद्दा जबलपुर द्वारा पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 16/12/2022 को प्रस्तुत किया गया था। आवेदित क्षेत्र के संबंध में आपत्ति हेतु प्रथम सूचना पत्र जारी किया गया था, परंतु अन्य कोई आपत्ति प्राप्त न होने से आपत्तियों के संबंध में पुन: प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस तक प्रस्तुत पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र के संबंध में आपत्तियाँ आमंत्रित की जाती है। आपत्तियाँ कार्यालयीन समय में स्वयं अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत की जा सकती हैं।

आवेदिन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा हेक्टर में	भूमि का प्रकार शासकीय / निजी	खनिज का नाम	रिमॉर्क
जबलपुर	शहपुरा	डोंगराझांसी	283/2	46.340	शासकीय भूमि	मार्बल	
			कुल रकबा	46.340			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि (एक माह) कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आषय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जायेगा।

खनि अधिकारी
जिला - जबलपुर, (म.प्र.)

G-13841/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

उच्च प्लेसमेंट से बदल रही छात्रों की जिंदगी

वीआईटी भोपाल की स्टार योजना ग्रामीण प्रतिभाओं को दे रही नई उड़ान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी की प्रमुख स्टार योजना मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और बेहतर करियर अवसर प्रदान कर उनके भविष्य को नई दिशा दे रही है। पूरी तरह से वित्तपोषित इस योजना ने लगातार उत्कृष्ट प्लेसमेंट परिणाम देकर समावेशी शिक्षा के प्रभाव को साबित किया है।

ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रतिभाशाली छात्रों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल के तहत विद्यार्थियों को लगातार बेहतर रोजगार अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019-23 बैच ने 100 प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया, जबकि 2020-24 बैच की प्लेसमेंट दर 94.74 प्रतिशत रही।

वहीं 2021-25 बैच ने 86 प्रतिशत और वर्तमान 2022-26 बैच ने अब तक 95 प्रतिशत प्लेसमेंट का आंकड़ा हासिल कर लिया है। वर्ष 2019 में मध्य प्रदेश में शुरू की गई इस योजना की परिकल्पना वीआईटी समूह के संस्थापक एवं चांसलर डॉ. जी विश्वनाथन के विजन के तहत की गई थी। योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक परिस्थितियां किसी भी प्रतिभाशाली छात्र की उच्च शिक्षा में बाधा न बनें। मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले से 10वीं और 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एक छात्र और एक छात्रा को पूर्ण शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाती है।

कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबित मांगों का समाधान

लंबित मुद्दों के समाधान पर कर्मचारियों ने मंडी बोर्ड प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम का जताया आभार

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

संयुक्त संघर्ष मोर्चा मंडी बोर्ड भोपाल के प्रांतीय संयोजक बी.बी. फौजदार के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरूषोत्तम से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट करते हुए कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबित मांगों के समाधान की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अंगिरा प्रसाद पांडे, नैन सिंह सोलंकी, महिला प्रदेश अध्यक्ष दीव द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अंगीरा पांडेय ने बताया कि मंडी बोर्ड की 135वीं बैठक में कर्मचारियों और अधिकारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विभागीय मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लिए गए। लंबे समय से लंबित इन मामलों को लेकर प्रदेशभर के कर्मचारी एवं अधिकारी लगातार संयुक्त संघर्ष मोर्चा के माध्यम से अपनी मांगें उठा रहे थे। उन्होंने बताया कि संघर्ष मोर्चा द्वारा प्रबंध संचालक से लगातार संवाद और बैठकों के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण मांगों पर कार्रवाई हुई।

इनमें मंडी बोर्ड एवं मंडी समितियों के कर्मचारियों और अधिकारियों के स्थायीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना प्रमुख उपलब्धि रही। इसके अलावा आरक्षित निधि को बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया तथा अतिरिक्त 5 प्रतिशत राशि बढ़ाने का अधिकार भी प्रबंध संचालक स्तर पर सुनिश्चित किया गया, जिससे भविष्य में वेतन, भत्तों और पेंशन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। संघर्ष मोर्चा के प्रयासों से कर्मचारियों को उच्च पद प्रभार देने संबंधी मांगों पर भी सफलता मिली।

सहायक उप निरीक्षकों को उप निरीक्षक तथा मंडी निरीक्षकों को सचिव पद का प्रभार दिया गया। साथ ही सचिव पदों का उन्नयन कर उच्च पद प्रभार की व्यवस्था भी की गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

सं.-NGP/COM/Catering/E-Tender
दिनांक 01.06.2026.

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर, भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से, ई-नीलामी प्रणाली यानी www.ireps.gov.in के माध्यम से, नागपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ''प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट की स्थापना, संचालन, रखरखाव और प्रबंधन के अनुबंध'' के कार्य के लिए, 05 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए बोलियां आमंत्रित करते हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं. 1. स्टेशन का नाम: NSB इतवारी (नागपुर, MS) **स्थान:** PMJBK और सैलून के बीच, निकास द्वार के पास, उत्तरी तरफ, NSB इतवारी, **क्षेत्रफल:** 220 वर्ग फुट

क्र.सं. 2. स्टेशन का नाम: गोंदिया (नागपुर, MS) **स्थान:** RCR (रेल कोच रेस्टोरेंट) और MFC (बहु-कार्यात्मक परिसर) के बीच, सर्कुलेटिंग एरिया, दक्षिणी तरफ, गोंदिया, **क्षेत्रफल:** 1500 वर्ग फुट

ई-नीलामी जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 12.06.2026 को 13:25 बजे तक, केवल ऑनलाइन पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से।

स्थान का विवरण, पात्रता मानदंड, वित्तीय मानदंड, वार्षिक कारोबार, तकनीकी मानदंड, बोलीदाता की कानूनी स्थिति, अनुभव, अनिवार्य आवश्यकताएं, सभी निर्देश आदि ई-टेंडरिंग पोर्टल http://ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। इच्छुक बोलीदाताओं का ई-टेंडरिंग पोर्टल http://ireps.gov.in पर पंजीकृत होना अनिवार्य है। जो लोग ई-टेंडरिंग पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें पहले से पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण के बाद ही बोलीदाता ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक)
द.पू.म. रेलवे/नागपुर

AAA/25/97

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,
कार्यालय - बालोद वनमंडल बालोद
काष्ठगार डिपो बालोद का ई- ऑक्सन का संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का ई-ऑक्सन व्दारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बालीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / वन काष्ठगार डिपो, बालोद से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम तिथि - 18.06.2026
समय - प्रात: 9:00 बजे से

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत् अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	17.773	317	311	452.667	1728	2536	470.440	2045	2847
2	बीजा	16.635	59	32	155.332	5	3	171.967	64	35
3	साजा	29.182	85	17	23.735	3	0	52.917	88	17
4	कसही	0.719	0	0	16.032	0	0	16.751	0	0
5	हल्दू	2.771	17	4	8.120	1	0	10.891	18	4
6	मुण्डी	0.519	21	0	7.829	0	0	8.348	21	0
7	धाठा	2.079	0	0	0.432	0	0	2.511	0	0
8	धावड़ा	24.539	90	1	0.000	1	0	24.539	91	1
9	आम	0.000	0	0	5.808	0	0	5.808	0	0
10	ईमली	0.000	0	0	0.328	0	0	0.328	0	0
11	करही	0.000	0	0	0.697	0	0	0.697	0	0
12	कर्रा	52.311	3602	14	14.006	0	0	66.317	3602	14
13	महुआ	0.000	0	0	0.122	0	0	0.122	0	0
14	नीम	0.000	0	0	0.762	0	0	0.762	0	0
15	सेम्हर	0.000	0	0	4.282	2	0	4.282	2	0
16	सिरस	0.000	0	0	0.479	0	0	0.479	0	0
17	तेन्दु	0.000	0	0	5.301	0	0	5.301	0	0
18	भिरहा	9.243	0	0	0.000	0	0	9.243	0	0
19	खम्हार	0.245	0	0	0.000	0	0	0.245	0	0
20	किरगी	4.803	0	0	0.000	0	0	4.803	0	0
21	अन्य	13.317	188	32	18.101	45	0	31.418	233	32
	योग :-	174.136	4379	411	714.033	1785	2539	888.169	6164	2950
22	जलाऊ चट्टा	47 चट्टा			14 चट्टा			61 चट्टा		
23	व्यापारिक बांस	27105 नग = 75.331 नो.टन.			29646 नग = 64.572 नो.टन.			56751 नग = 139.903 नो.टन.		
24	औद्योगिक बांस	4166 बंडल = 48.382 नो.टन.			15937 बंडल = 175.262 नो.टन.			20103 बंडल = 223.644 नो.टन.		
	निस्तार/उपभोक्ता डिपो, करहीभदर परिक्षेत्र बालोद									
1	जलाऊ चट्टा	22 चट्टा			-			22 चट्टा		

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल मे रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है। 4. ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकंड का समय प्राप्त होगा। 5. क्रेताओं के आधार कार्ड एवं पेनकार्ड लिंक होना चाहिये।

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)

G-262701159/2

मिलावटखोरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही

खाद्य सुरक्षा विभाग में लंबे समय से जमे अधिकारियों पर उठे सवाल, मिलावट रोकने में विफलता का आरोप

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोक नहीं लग पाने को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि शासन-प्रशासन में बैठे कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के कारण कई जिलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं, जिससे मिलावटखोरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है और आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष एस बी सिंह के अनुसार, प्रदेश के कई जिलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वर्ष 2008 से लगातार पदस्थ हैं और उनका एक बार भी स्थानांतरण नहीं हुआ है। कुछ अधिकारियों का स्थानांतरण होने के बाद भी वे पुनः पुराने जिले में पदस्थ हो गए। इससे विभागीय निष्पक्षता और कार्रवाई की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। एसबी सिंह ने बताया कि कुछ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की जांच एवं विभागीय जांच लंबित होने के बावजूद वे अपने पदों पर कार्यरत हैं।

कुछ मामलों में निलंबन के बाद भी अधिकारियों को पुनः बहाल कर दिया गया, जिससे शासन की छवि प्रभावित हुई है। उनके अनुसार रीवा जिले में पदस्थ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे का मामला भी चर्चा में है। उनके अनुसार ईओडब्ल्यू की कार्रवाई में उनके पास करोड़ों रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ था, लेकिन कठोर कार्रवाई के बजाय उन्हें पुनः पदस्थ कर दिया गया। इसी प्रकार मुरैना के खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवनीश गुप्ता के विरुद्ध विभागीय जांच चलने और निलंबन की कार्रवाई होने के बावजूद बाद में उन्हें बहाल कर दिया गया।

सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक समय तक एक ही स्थान पर नहीं रखा जाना चाहिए

वहीं सूचना के अधिकार जनजागरण समिति के प्रदेश महासचिव अनिल कुमार शर्मा ने कहाकि सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार मैदानी अमले को सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक समय तक एक ही स्थान पर नहीं रखा जाना चाहिए। इसके बावजूद कई अधिकारी करीब 18 वर्षों से एक ही जिले में पदस्थ बताए जा रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर प्रभाव और मिलीभगत की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

नियमित स्थानांतरण नीति का कड़ाई से पालन आवश्यक

यदि सरकार खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने और आम जनता को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के प्रति गंभीर है, तो विभाग में व्यापक प्रशासनिक सुधार और नियमित स्थानांतरण नीति का कड़ाई से पालन आवश्यक है। उनका कहना है कि इससे नकली घी, पनीर, मावा, दूध, दही और मिठाइयों जैसी खाद्य सामग्री में मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकेंगे।

इस हमले में इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा और कई व्यक्तियों को चोटें आई हैं। सुरक्षा कारणों से कुवैत ने हवाई यातायात को रोक दिया है और उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की तरफ मोड़ दिया गया है

ईरान का कुवैत पर ड्रोन से हमला

एक भारतीय की मौत, कई घायल, एयरपोर्ट को भारी नुकसान, कई उड़ानें निलंबित कीं

एजेंसी ▶▶ कुवैत सिटी

ईरान ने बुधवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कई मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। एक हमला कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की पैसेंजर बिल्डिंग (टी1) को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। इन हमलों में कुवैत के हवाई अड्डे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत विदेश मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि देश के हवाई अड्डे पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद वाणिज्यिक उड़ानों को निलंबित कर दिया है। इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं।

ईरान का दावा: हमने अमेरिका के सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

कुवैत की चेतावनी: नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि, हमला बर्दाश्त नहीं

ईरानी हमले में क्षतिग्रस्त कुवैत का हवाई अड्डा

भारतीय दूतावास पीड़ित परिवार के संपर्क में

कुवैत में स्थित भारतीय दूतावास ने हमले में भारतीय नागरिक के मारे जाने की पुष्टि की है। दूतावास ने भारतीय नागरिक की मौत पर गहरा दुख जताया है। दूतावास के अधिकारी पीड़ित परिवार के साथ लगातार संपर्क में बने हुए हैं। वे परिवार को हर मुमकिन सहायता और सहयोग देने के लिए कुवैत के अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहे हैं।

सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील

अल-ओतैबी ने नागरिकों और विदेशी निवासियों से आग्रह किया कि वे किसी भी असामान्य मलबे की खोज पर तुरंत 112 हेल्पलाइन पर आपातकालीन सेवाओं से संपर्क करें। उन्होंने जनता से अटकलों पर ध्यान न देने का आग्रह किया और उन्हें केवल सरकारी-अनुमोदित सूचना चैनलों के माध्यम से जानकारी सत्यापित करने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी।

हमने जवाबी हमला किया: ईरान

ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरसीजी) का कहना है कि उन्होंने यह हमला जवाबी कार्रवाई के तौर पर किया है। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास उनके एक तेल टैंकर और कश्म द्वीप पर एक संचार टावर को निशाना बनाया था। इसके जवाब में ईरान ने बहरीन में मौजूद अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय और एक क्षेत्रीय एयरबेस पर मिसाइलें और ड्रोन दागे।

ईरान ने अंतरराष्ट्रीय नियम तोड़े

मामले में कुवैत विदेश मंत्रालय ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जरिए लगातार हमले किए जा रहे हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। मंत्रालय के अनुसार तड़के हुए इस हमले में एयरपोर्ट समेत कई महत्वपूर्ण नागरिक ठिकानों और राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचा।

खबर संक्षेप

थाईलैंड के पूर्व पीएम को मिली शाही माफी

बैंकॉक। थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा ने शाही माफी मिलने के बाद अपनी जेल की सजा से जुड़ी सभी कानूनी जिम्मेदारियां पूरी कर ली हैं। उनकी पैरोल समय से पहले समाप्त कर दी गई। 76 वर्षीय नेता 2001 से 2006 तक पीएम रहे थे और सैन्य तख्तापलट के बाद लंबे समय तक निर्वासन में रहे थे। 76 वर्षीय अरबपति और लोकप्रिय नेता को पिछले महीने बैंकॉक की जेल से रिहा किया गया था। थाईलैंड के राजा महा वाचिरालोंगकोन द्वारा जारी किया गया माफी आदेश मंगलवार को रॉयल गजट में प्रकाशित हुआ।

जैसलमेर में पाक सिम कार्ड पर पूर्ण प्रतिबंध

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर कारणों का हवाला देते हुए सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल और पास रखने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट अनुपमा जोरवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

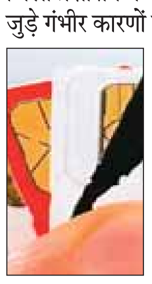

इंग्लैंड में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में 3 की मौत

लंदन। ब्रिटेन की रॉयल नेवी ने बुधवार कहा कि प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में उसके तीन सदस्यों की मौत हो गई। हेलिकॉप्टर इंग्लैंड के डेवन काउंटी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नौसेना के प्रमुख जनरल ग्विन जेनकिंस ने कहा कि रॉयल नेवी का 'मर्लिन एमके4' हेलिकॉप्टर सुबह सोर्टन, डेवोन के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच की जा रही है।

भारत-नेपाल की मित्रता और गहरी होगी

पीएम मोदी ने लामिछाने से की भेंट, सहयोग को बढ़ाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक मित्रता और सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी) के अध्यक्ष रबि लामिछाने से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों पक्षों ने साझा समृद्धि, विकास और क्षेत्रीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पीएम ने 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि रबि लामिछाने के मुलाकात कर बहुत प्रसन्नता हुई। मैं साथ मिलकर साझा और समृद्ध भविष्य के निर्माण की इच्छा का पूरी तरह समर्थन करता हूं। भारत के लिए नेपाल उसकी 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' के तहत एक महत्वपूर्ण और प्राथमिक साझेदार है।

पीएम बोले- नई सरकार के साथ संबंधों को देंगे नई ऊंचाई

कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे

पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं, जिन्हें और सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। भारत और नेपाल के बीच सहयोग केवल राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, शिक्षा, पर्यटन और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे कई क्षेत्रों तक फैला हुआ है। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत नेपाल के साथ घनिष्ठ सहयोग आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक व्यापक तथा मजबूत बना सकता है।

भविष्य के विजन में सहभागी होगा नेपाल

पीएम मोदी के इस पोस्ट के जवाब में रबी लामिछाने ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के साथ आज एक घंटे तक इतनी सार्थक चर्चा करना सचमुच बहुत ही सुखद रहा। भविष्य के लिए मैं आपके इस विजन में सहभागी हूं, जिसमें नेपाल और भारत अतीत की बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए विकास की कूटनीति के एक नए युग को अपनाएंगे। साझा सभ्यतागत रिश्तों, डिजिटल कॉरिडोर और निर्बाध कनेक्टिविटी पर फोकस करके, हम वास्तव में एक ऐसी साझेदारी तैयार कर सकते हैं, जिसकी पहचान प्रगति और आपसी भरोसा हो।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी राजदूत गोर का बड़ा बयान

अंतिम चरण में डील, अब सिर्फ एक प्रतिशत काम बाकी, दोनों देशों को मिलेगा 'फायदा'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को लेकर भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बड़ा बयान दिया है। मुंबई में आयोजित सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है और अब केवल एक प्रतिशत काम बाकी है।

दोनों देश इस समझौते को लेकर बेहद आशावादी हैं और यह डील भारत और अमेरिका दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित होगी। उन्होंने कहा कि कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह साझेदारी आने वाले समय में दुनिया की दिशा तय करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का चार दिनों तक भारत दौरे पर रहना इस रिश्ते की गंभीरता और गहराई को दिखाता है। गोर ने कहा कि अमेरिका भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है और दोनों देशों के बीच लगातार भरोसा मजबूत हो रहा है।

■ यह साझेदारी भविष्य में दुनिया की दिशा तय करेगी

> सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का चार दिनों तक भारत दौरे पर रहना इस रिश्ते की गंभीरता और गहराई को दिखाता है। अमेरिका भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है और दोनों देशों के बीच लगातार भरोसा मजबूत हो रहा है

समझौते से दोनों देशों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

आपसी निवेश से रोजगार और उद्योगों को लाभ होगा

मुंबई में कार्यक्रम को संबोधित करते अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

अमेरिका के प्रस्तावित टैरिफ पर भारत रख रहा नजर

अमेरिका द्वारा जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) से जुड़े मुद्दों को आधार बनाकर भारत समेत 54 देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के प्रस्ताव पर सरकार ने प्रतिक्रिया दी है। भारत सरकार ने कहा है कि वह इस मामले में अमेरिकी प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है। वाणिज्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत सेक्शन 301 की कार्यवाही को लेकर अमेरिका के साथ संवाद बनाए हुए है और साथ ही अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए भी बातचीत जारी है। बता दें, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने सेक्शन 301 जांच के तहत भारत सहित 54 अर्थव्यवस्थाओं से आयात होने वाले उत्पादों पर 12.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव पर फिलहाल परामर्श प्रक्रिया चल रही है।

अमेरिकी कंपनियां भारत में निवेश कर रहीं

अमेरिकी राजदूत ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौता दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते निवेश से रोजगार, तकनीक और उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा। अमेरिका की कई बड़ी कंपनियां भारत में भारी निवेश कर रही हैं, जिससे भारत की डिजिटल और तकनीकी ताकत और बढ़ेगी। भारत और अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल टेक्नोलॉजी और दवा उद्योग में मिलकर काम कर रहे हैं।

दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने की पहल

गोर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2025 में ट्रस्ट पहल शुरू की थी। इसका मकसद रणनीतिक तकनीकों, एआई विकास और भरोसेमंद सप्लाई चेन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली करीब 40 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से जाती हैं। दोनों देश नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी साझेदारी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों में इस क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा।

क्रिटिकल मिनरल्स फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर

सर्जियो गोर ने बताया कि भारत और अमेरिका ने हाल ही में क्रिटिकल मिनरल्स फ्रेमवर्क पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद ऊर्जा और उन्नत तकनीक के लिए जरूरी खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना चाहते हैं किसी एक देश के दबदबे पर निर्भरता कम हो। दोनों देश ऐसे नेटवर्क तैयार कर रहे हैं जो बाजार में दबाव और एकाधिकार की स्थिति को कमजोर कर सकें।

दुनिया की सबसे लंबी उड़ान का सफल परीक्षण

17000 किमी की दूरी 22 घंटे में तय होगी

***नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलियाई एयरलाइन 'क्वांटास' का 'प्रोजेक्ट सनराइज' महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर गया है। इस परियोजना के तहत यात्री ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट से लंदन और न्यूयॉर्क तक बिना किसी स्टॉपओवर के उड़ान भर सकेंगे। इस हफ्ते एयरबस ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए ए350-1000यूएलआर विमान की पहली सफल उड़ान पूरी कर ली गई है। फ्रांस के टूलूज-ब्लेगनैक हवाई अड्डे से शुरू हुई यह उड़ान तीन घंटे 43 मिनट तक चली। विमान 41,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर पहुंचा। इस विमान से सिडनी से लंदन और न्यूयॉर्क की 17,000 किमी लंबी दूरी तय करने वाली 22 घंटे की उड़ानें संभव हो सकेंगी।*

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर प्रहार

आतंकियों से जुड़े मामलों में घाटी में छापेमारी, 8 स्थानों पर तलाशी

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू और कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर शाखा ने आतंकवाद से संबंधित मामलों के सिलसिले में घाटी भर में कई स्थानों पर छापेमारी की। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी नेटवर्क, स्लीपर सेल और भर्ती, कट्टरता और आतंकवाद को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियों की चल रही जांच के सिलसिले में केंद्र शासित प्रदेश के 6 जिलों में 8 स्थानों पर तलाशी शुरू की है। पुलिस स्टेशन सीआईके श्रीनगर में एफआईआर दर्ज होने के बाद ये तलाशी अभियान चलाया गया। जांच में पता चला है कि संदिग्ध, पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हैंडलर्स के साथ एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से संपर्क में थे और आतंकी गतिविधियों में सहयोग कर रहे थे।

भारत-किर्गिस्तान संबंधों को देंगे नई दिशा

आर्थिक मजबूती के लिए उद्योग व्यापार, निवेश बढ़ाने पर ध्यान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-किर्गिस्तान के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से राजधानी बिश्केक में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत की ओर से वरिष्ठ प्रतिनिधियों और किर्गिस्तान सरकार के अर्थव्यवस्था एवं वाणिज्य मंत्री बैकिट सिडिकोव के बीच व्यापार, उद्योग और निवेश से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। कुमारस्वामी ने कहा कि बातचीत रचनात्मक और सकारात्मक माहौल में हुई, जिसमें भविष्य में सहयोग के कई नए क्षेत्रों पर विचार किया गया। भारत के किर्गिस्तान में राजदूत एच.ई. बिरेंद्र सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

कुमारस्वामी और बैकिट सिडिकोव

गुजरात में 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' के तहत घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई

पुलिस खंगाल रही भारत में कैसे दाखिल हुए, क्या काम किया

290 से अधिक संदिग्ध बांग्लादेशी पुलिस हिरासत में, पूछताछ जारी

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न स्थानों से 290 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है। देर रात चलाए गए एक बड़े अभियान में अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 290 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया। इनमें से 131 लोगों की पहचान अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के रूप में की गई है।

घुसपैठियों को पूछताछ के लिए ले जाती पुलिस

अवैध ढंग से आधार कार्ड बनवाए

संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध), शरद सिंघल ने कहा कि गुजरात भर में चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' के दौरान गिरफ्तार किए गए 300 से अधिक व्यक्तियों में से अब तक 166 लोगों की बांग्लादेशी नागरिक के रूप में पुष्टि की गई है।

हकीमपुर बॉर्डर पहुंचे 300 बांग्लादेशी

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी की चेतावनी के बाद राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी भारत से लौट रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट क्षेत्र में स्थित हकीमपुर बॉर्डर पर बांग्लादेश लौटने वाले लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

अभियान में 30 से अधिक टीमें

अहमदाबाद में यह अभियान शहर के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक की देखरेख में चलाया गया। इसमें क्राइम ब्रांच, साइबर क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और स्थानीय पुलिस स्टेशनों से ली गई 30 से अधिक टीमें शामिल थीं।

बुलेट ट्रेन परियोजना में मिली कामयाबी

महाराष्ट्र में तीसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक हुआ पूरा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि के रूप में महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहानू तालुका के अंबेसारी गांव में तीसरी पर्वतीय सुरंग (एमटी-07) का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना उन्नत सुरंग, निगरानी और निर्माण प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा दे रही है। रेल मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।

सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की दोनों ओर की पटरियों के लिए हाल ही में बनकर तैयार हुई एमटी-07 पर्वतीय सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग और विस्फोट विधि द्वारा की गई।

अत्याधुनिक प्रणालियों का उपयोग किया

खुदाई की पूरी प्रक्रिया की अवधि में संरचनात्मक स्थिरता, श्रमिकों की सुरक्षा और सटीक निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों, तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया। सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स, 3डी टारगेट, स्ट्रेन गेज और सिस्मोग्राफ सहित वास्तविक समय की निगरानी व्यवस्थाओं द्वारा कंपन, सुरंग की गतिविधि पर निरंतर नजर बनाई रखी गई।

सिहोरा में जमीन की कथित धोखाधड़ी से परेशान महिला टॉवर में चढ़ी

सिहोरा। सिहोरा के वार्ड न.5 स्थित टावर में जमीन की कथित धोखाधड़ी से परेशान महिला टावर में चढ़ गई महिला के टावर में चढ़ने की खबर सुनकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए जिससे आसपास जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचकर महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुट गया है। मौके पर पहुँचे पुलिस प्रशासन ने महिला से टावर से नीचे उतरने की अपील की है लेकिन महिला बात मानने तैयार नहीं हो रही थी लगभग साढ़े चार घंटे की मशक्कत के बाद मामले की जांच कराने के आश्वाशन के बाद महिला को टावर से उतारा गया। बताया जा रहा है की सिहोरा नगर के वार्ड क्रमांक 5 स्थित एक मोबाइल टावर पर वार्ड नं.3 निवासी सोनम केवट पति किशन केवट उम्र 25 ने वर्ष कथित जमीनी विवाद में न्याय न मिलने से इतना व्यथित हो गई की टावर में चढ़ गई।

भारी मशक्कत के बाद पुलिस ने नीचे उतारा

जमीन जायदाद का विवाद

महिला का आरोप है कि संतोष मल्लाह एवं गोपाल मल्लाह जो उसके बड़े पिता के पुत्र हैं साथ सिहोरा स्थानीय व्यवसायी पर भी मिलीभगत कर उसकी जमीन कथित रूप से धोखाधड़ी पूर्वक हड़पने के आरोप है।महिला का कहना है कि न्याय नहीं मिलने से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। घटना के दौरान पुलिस अधिकारियों ने महिला से बातचीत कर उसे समझाने का प्रयास किया। सिहोरा थाना प्रभारी प्रतिक्षा मार्को ने सक्रियता दिखाते हुए तत्काल राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित कर मामले की जानकारी जुटा कर न्याय संगत कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

क्या है मामला

जिस भूखण्ड पर महिला धोखाधडी.का आरोप लगा रही है उक्त भूमि का विक्रय दिनांक 22-5.25, रजिस्टर्ड बैनामा,विक्रेता तान्या चौबे पिता श्री संजय चौबे खसरा नंबर 142/1,150/ 1/2,150/2/2, 157/1/1 रकवा 0.997 नामांतरण 9.7.2025,सीमांकन 16.10.2025, को किया गया है इसके पूर्व जमीन किसी ओर के नाम थी। फिलहाल राजस्व विभाग द्वारा महिला की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस के 'सोशल मीडिया वॉरियर्स' अभियान का शुभारंभ, युवाओं को मिलेगा मंच

जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग द्वारा "सोशल मीडिया वॉरियर्स – प्रतिभा एक खोज" अभियान का शुभारंभ किया गया। संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे युवाओं, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, लेखकों, ब्लॉगर्स, मोटिवेशनल स्पीकर्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा कला एवं मनोरंजन जगत की प्रतिभाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़कर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं, संविधान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक एवं रचनात्मक युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। अभियान का उद्देश्य सकारात्मक और जागरूक युवाओं को संगठन से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच को व्यापक मंच प्रदान करना है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, सीताराम सिलावट, सुकीर्थ त्रिपाठी, विवेक यादव, विवेक भोसले, राजेश पटेल, अभिषेक (रिंकू) शर्मा, जितेन्द्र पटेल, आयुष राजपूत, रत्नेश पटेल एवं अरविंद मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़ने का संकल्प लिया। यह अभियान नई प्रतिभाओं, नई सोच और नई ऊर्जा को कांग्रेस संगठन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आईआईटी एडवांस्ड में सुमेध चौकसे का शानदार प्रदर्शन, ऑल इंडिया रैंक 3771 हासिल

जबलपुर। विजय नगर निवासी सुमेध चौकसे ने आईआईटी एडवांस्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओबीसी-एनसीएल श्रेणी में ऑल इंडिया रैंक 3771 प्राप्त कर शहर का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। सुमेध के पिता नीरज चौकसे एवं माता कविता चौकसे ने उनकी सफलता को कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन का परिणाम बताया। वहीं सुमेध ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया। देश की प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में शामिल आईआईटी एडवांस्ड में सफलता हासिल कर सुमेध ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जबलपुर का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता पर परिजनों, मित्रों, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

रिंग रोड ने उजाड़ा गरीब का आशियाना, टीन शेड में जीवन व्यतीत करने को मजबूर मजदूर परिवार

पनागर। ग्राम केवलारी भैंसदही में रिंग रोड निर्माण के कारण गरीब मजदूर सुरेश दहिया और उनके परिवार का कच्चा मकान ध्वस्त हो गया। चार महीने से परिवार खुले आसमान के नीचे छोटे से टीन शेड में रहने को मजबूर है, जहां 47C की तपती धूप और बरसात का खतरा लगातार मंडरा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि परिवार वर्षों से रोड किनारे निवास कर रहा था और मजदूरी कर जीवन यापन करता था। मकान हटाए जाने के बाद प्रशासन और पंचायत से पुनर्वास की उम्मीद जताई गई, लेकिन चार महीने बीत जाने के बाद भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला और स्थायी राहत की कोई व्यवस्था नहीं हुई। इस बीच पनागर की नई तहसीलदार सुनीता मिश्रा ने मानवीय पहल करते हुए परिवार को 350 वर्गफुट भूमि का पट्टा स्वीकृत किया। ग्रामीणों और परिवार का कहना है कि पंचायत अधिकारी सरपंच रणजीत सिंह ठाकुर, सचिव विनोद तिवारी, सहायक सचिव जितेंद्र काछी और जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुषी उपाध्याय केवल आश्वासन देते रहे और कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि परिवार को तुरंत सुरक्षित आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाए, साथ ही बरसात से पहले अस्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जाए। यह मामला विकास बनाम विस्थापन की चुनौती को भी उजागर करता है, जहां सड़क और अन्य परियोजनाओं के लिए गरीब परिवारों के जीवन और सुरक्षा का सवाल अनदेखा किया जाता है।

108 सकोरे बांधकर पक्षियों की प्यास बुझाने का सराहनीय प्रयास

मझौली। नगर मझौली की समाजसेवी संस्था टारगेट युवा शक्ति वेलफेयर सोसायटी द्वारा भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करते हुए 108 सकोरे विभिन्न स्थानों पर बांधे गए। संस्था के सदस्यों ने इस पहल के माध्यम से पक्षियों की प्यास बुझाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्था द्वारा समाजहित के विभिन्न कार्य लगातार किए जा रहे हैं। नशा मुक्ति एवं युवा जागृति अभियान इसके प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल हैं, जिनका आयोजन प्रत्येक मंगलवार को किया जाता है। इस अभियान में संस्था के अध्यक्ष आशीष तिवारी, पर्यावरण प्रेमी नादिर कुरैशी, रीतेश सोनी, गिरीश पालीवाल, दीपक तिवारी, रचित रजक, अर्पित दुबे, यश कुल्हाड़ा, प्रिंस साहू, सचिन चौधरी, अनुराग दुबे, उमाकांत कोष्टा, मयंक कोष्टा, शेखर कोष्टा सहित टारगेट टीम के सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

सिख समाज ने किया छबील का वितरण

जबलपुर। आज शहीदी दिवस पर जीसीएफ गेट के सामने भीषण गर्मी को देखते हुए सिख समाज एवं जवानों के द्वारा ठंडा शरबत का वितरण किया गया जीसीएफ के जवानों के द्वारा इसमें विशेष सहभागिता की गई। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जीसीएफ के पदाधिकारियों ने बताया कि आज शहीदी दिवस पर जीसीएफ के जवानों के द्वारा शरबत एवं छबील के स्टॉल लगाकर राहगीरों को ठंडी छबील शरबत वितरित किया गया। यह आयोजन गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जीसीएफ के योगदान से संपन्न हुआ।

खटवानी मोटर्स में नई एमजी मजेस्टर का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि, जबलपुर। शहर के नागपुर रोड स्थित खटवानी मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड में नई JSW MG Majestor का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन रामचंद्र खटवानी, एमडी रोबिन खटवानी, सीओओ शिखा खटवानी, सीईओ ऋग्वेद खटवानी तथा महाप्रबंधक आलोक चौरसिया ने वाहन का अनावरण किया। कंपनी के अनुसार एमजी मजेस्टर भारत की पहली डी+ सेगमेंट एसयूवी है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 40.99 लाख रुपये रखी गई है। इसमें 2.0 लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन, एडवांस 4x4 सिस्टम, मल्टीपल टेरेन मोड्स, पैनोरमिक रूफ, वेंटिलेटेड व मसाज सीट्स तथा 12-स्पीकर प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। यह मॉडल हाल ही में भारत में लॉन्च किया गया है।

MG Motor India +1 वाहन में 75 से अधिक कनेक्टेड कार फीचर्स, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो, डिजिटल कॉकपिट तथा स्मार्ट कनेक्टिविटी तकनीक उपलब्ध है। सुरक्षा के लिए इसमें लेवल-2 एडीएएस, एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग और 360 डिग्री कैमरा जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

महाकौशल कॉलेज में राधाकृष्ण पाण्डेय के दो काव्य संग्रहों का भव्य विमोचन

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय में पूर्व छात्र संघ के सहयोग से आयोजित साहित्यिक समारोह में रचनाकार राधाकृष्ण पाण्डेय के दो नवीन काव्य संग्रह 'गीता दोहावली' एवं 'नमो काव्य मंजरी' का भव्य विमोचन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अशोक रोहाणी तथा अध्यक्षता विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने की। सारस्वत अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. इला घोष, प्रो. अरुण शुक्ल एवं डॉ. शिवकुमार सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। अशोक रोहाणी ने 'गीता दोहावली' को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से नई पीढ़ी को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कृति बताया, वहीं डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने 'नमो काव्य मंजरी' को राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों की सशक्त अभिव्यक्ति कहा। डॉ. इला घोष ने 'गीता दोहावली' तथा डॉ. शिवकुमार सिंह ठाकुर ने 'नमो काव्य मंजरी' की साहित्यिक समीक्षा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन विवेक पाठक ने किया तथा डॉ. मनीष दुबे ने आभार व्यक्त किया। समारोह में डॉ. प्रशांत मिश्रा, आदित्य मिश्रा, मृदुल मिश्रा, डॉ. रश्मि टंडन, मनीष पांडे, मनोज परोहा, सुरेंद्र सेन, उमा श्रीवास्तव, तरुण रोहितास, प्रेम शुक्ला सहित साहित्यकार, शिक्षाविद्, पूर्व छात्र, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सालीवाड़ा गौर में सेवानिवृत्त शिक्षकों का सामूहिक सम्मान समारोह संपन्न

बरेला। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सालीवाड़ा गौर में प्राचार्य श्रीमती आभा वानखेड़े के मार्गदर्शन में संकुल केंद्र से मई 2026 में सेवानिवृत्त हुए एक प्राचार्य एवं तीन सहायक शिक्षकों के सम्मान में सामूहिक सेवानिवृत्ति समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता तंतुवाय (विकासखंड शिक्षा अधिकारी, जबलपुर) रहीं। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती विनीता राय, श्रीमती भारती एन्थोनी, श्रीमती रुक्मणी कनोजिया, श्रीमती मनीषा सोनी एवं श्रीमती उर्मिला मरकाम उपस्थित रहीं। समारोह में सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती सुधा पाटकर तथा सहायक शिक्षक सुशील साहू, रमेश कोल एवं बबलू सिंह ठाकुर की लगभग 40 वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं को स्मरण करते हुए उनका सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि ने नई शिक्षक पीढ़ी को सेवानिवृत्त शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासित कार्यशैली से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। वहीं प्राचार्य आभा वानखेड़े ने शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अतिथियों ने भी सेवानिवृत्त शिक्षकों के सेवाभाव की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं संकुल प्राचार्य द्वारा शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं, परिजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भक्ति व मुक्ति प्राप्त करने का श्रेष्ठ साधन है भागवत कथा : दीदी सुप्रिया प्रिया

जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर, जबलपुर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ चल रही है। भागवत कथा के पांचवें दिन बाल व्यास दीदी सुश्री सुप्रिया दुबे (कृष्ण प्रिया) श्रीधाम वृंदावन ने आज पूतना वध, कालिया नाग दमन, गोवर्धन लीला के वृतान्तों को सुनाते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति प्रेम और अहंकार के त्याग का संदेश देती है, गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण का प्रतीक है। 56 भोग मुख्य रूप से भगवान कृष्ण की महिमा भक्तों के अनन्य प्रेम और गोवर्धन लीला से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि भगवान को माखन नहीं भक्त के प्रेम की भूख होती है। भागवत भक्ति व मुक्ति प्राप्त करने का सर्वश्रेष्ठ साधन है। कथा प्रारंभ के पूर्व कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा, सुनील दुबे, नित्य पाठ पुजारी विकास त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा प्रतिदिन 05 से 8:00 बजे तक चल रही है। कथा में आसपास के क्षेत्रीय नागरिकों के साथ ही संस्कारधानी शहर से श्रद्धालु भागवत कथा श्रवण करने पहुंच रहे हैं। 5 जून (शुक्रवार) को हवन भंडारे के साथ कथा का समापन होगा। इस अवसर पर जगदीश मंदिर के प्रधान पुजारी देवेंद्र त्रिपाठी, पं. शिवगणेश गौतम, अंकुर दुबे, नारायण शर्मा, विकास पांडे, सत्येंद्र शर्मा, सत्येंद्र अग्रवाल, अरुण तिवारी, अमित सोनल मिश्रा, देव सिंह उइके, यदुवंश मिश्रा, एडवोकेट अनिल दुबे, अमित दुबे, डी.के. महाजन के साथ ही भारी संख्या में मातृशक्तियों सहित श्रद्धालु जनमानसगण उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

जबलपुर। *मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर द्वारा 03 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, लगभग 150 बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता महाराष्ट्र स्कूल राइट टाउन जबलपुर में आयोजित की गई थी। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से प्रयोगशाला प्रभारी श्रीमती अमिया एक्का, रसायनज्ञ आभा शुक्ला एवं रक्षा राहंगडाले उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में सुहानी मौर्य, विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अधिकारी केपी सोनी द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया, निर्णायक दल में रेनू पांडे एवं अरुणकांत पांडे उपस्थित थे।*

श्रीमती शालिनी केसरवानी- सैनिक सोसायटी शक्ति नगर निवासी श्री पंकज केसरवानी की धर्मपत्नी श्रीमती शालिनी केसरवानी (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती दुज्जो बाई कोल- आमनपुर कुलियाना मोहल्ला मदनमहल निवासी श्रीमती दुज्जो बाई कोल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री मंजुल रतन- राजल ड्रीम सिटी अमखेरा निवासी श्री मंजुल रतन (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ननिया चौधरी- बड़ी मदार टेकरी ठक्कर ग्राम रोड निवासी श्री शिव नंदन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती ननिया चौधरी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राहुल अहिरवार- गौरीघाट नई बस्ती निवासी श्री राजुल अहिरवार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रमोद पटेल- लार्डगंज कछियाना निवासी श्री प्रमोद पटेल (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुंशी लाल रावत- कछपुरा गढ़ा रेलवे क्रासिंग के पास निवासी श्री मुंशी लाल रावत (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री करन संग्राम- ललित कॉलोनी नेहरू वार्ड निवासी श्री कुंवर लाल संग्राम के पुत्र श्री करन संग्राम (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला मिश्रा- शंकर नगर करमेता निवासी श्री अमृत लाल मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला मिश्रा (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज विश्वकर्मा- मदर टेरेसा नगर निवासी श्रीमती सरोज विश्वकर्मा (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विमल चटर्जी- टेलीग्राफ गेट नं. 4 पीएंडटी वर्कशाप के निकट निवासी श्री विमल चटर्जी (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती माया- घाना सोनपुर निवासी श्री गोपाल की धर्मपत्नी श्रीमती माया (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री विनोद वर्मा- बिलहरी जनता स्कूल के पास निवासी श्री विनोद वर्मा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश बेन- राजीव गांधी नगर कटंगा केंट निवासी श्री सुरेश बेन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 8x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

गरेहा गौशाला पहुंचे विधायक अजय विश्नोई गौ पूजन कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पाटन। ग्राम पंचायत काकरखेड़ा के आश्रित ग्राम गरेहा स्थित संस्था नम्रता शिक्षा एवं पुनर्वास परिषद द्वारा संचालित गौशाला में विधायक अजय बिश्नोई ने पहुंचकर गौ पूजन किया तथा गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला में आश्रय प्राप्त निराश्रित गोवंश की देखभाल एवं सुविधाओं का अवलोकन किया। गौशाला संचालक नितिन विश्वकर्मा ने विधायक को बताया कि संस्था नम्रता पिछले पांच वर्षों से गौशाला का सफल संचालन कर रही है तथा वर्तमान में यहां 110 निराश्रित गोवंश को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने गौशाला संचालन में आ रही विभिन्न चुनौतियों और आवश्यकताओं से भी विधायक को अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा समस्याओं के समाधान हेतु सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि आनंद मोहन पल्हा, जिला पंचायत सदस्य सत्येंद्र सिंह, सरपंच शिव केदार पटेल, जनपद पंचायत पाटन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिल सहाय श्रीवास्तव, मनोहर दुबे, गौशाला प्रभारी डॉ. श्रद्धा श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME

I, SHRUTI SINGH (existing Name of spouse as per NOK) Wife of Army No. 15718945L Rank L/NK ASHESH KUMAR SINGH, presently residing at H.No. 1056/D43/K, KRISHNA HOMES, BILHARI JABALPUR M.P., I have changed of my name from SHRUTI SINGH (name as per my Husband army service records) to SHRUTI SINGH SOMVANSHI (name as per my AADHAR CARD) vide Affidavit dated in 02/06/2026 format) before SUBHASHISH CHATTERJEE Public notary, JABALPUR M.P.

CORRRECT NAME
SHRUTI SINGH SOMVANSHI
INCORRRECT NAME
SHRUTI SINGH

नाम एवं जन्मतिथि सुधार सूचना

मैं, गुलाब प्रसाद, पिता स्वर्गीय रामसिया पटेल, आयु 65 वर्ष, निवासी 480, न्यू रामनगर, शांता माता मंदिर के पास, अमखेरा, अधारताल, जबलपुर (म.प्र.), शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे 1 STC के Service Record में मेरे पुत्र का नाम "Anup Kumar" तथा जन्मतिथि 05 फरवरी 1982 अंकित है। मेरे सेवा अभिलेख में अंकित मेरे पुत्र का नाम एवं जन्मतिथि त्रुटिवश गलत दर्ज हो गई है। मेरे पुत्र का सही एवं पूर्ण नाम "Anoop Kumar Patel" (अनूप कुमार पटेल) है तथा उनकी सही जन्मतिथि 02 फरवरी 1983 है। मेरे पुत्र अनूप कुमार पटेल के समस्त शैक्षणिक, पहचान एवं अन्य शासकीय दस्तावेजों में उनका नाम "Anoop Kumar Patel" तथा जन्मतिथि 02-02-1983 ही दर्ज है। मैं यह शपथ पत्र संबंधित विभाग / कार्यालय में सेवा अभिलेख में आवश्यक संशोधन करवाने हेतु प्रस्तुत कर रहा हूँ। अत: मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम अनूप कुमार पटेल "Anoop Kumar Patel" एवं जन्मतिथि 02 फरवरी 1983 अंकित की जाये।

गलत नाम व जन्मतिथि
नाम- अनूप कुमार (Anup Kumar)
जन्मतिथि- 05-02-1982
सही नाम व जन्मतिथि
नाम- अनूप कुमार पटेल
(Anoop Kumar Patel)
जन्मतिथि - 02-02-1983